नई दिल्ली

रविवार, 17 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष,
नवमी वर्ष : 29, अंक : 123
पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

मौसम
अधि. 32
न्यूून. 27

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 सेंट लुई रैपिड और ब्लिट्ज: गुकेश का सफर समाप्त आरोनियन ने जीता खिताब

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से किया बड़ा ऐलान

लागू हुई नौजवानों के लिए एक लाख करोड़ की रोजगार योजना

मोदी सरकार दिवाली पर करेगी जीएसटी कानून में सुधार, आम जरूरतों की चीजें होंगी सस्ती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से युवाओं को बड़ा तोहफा दिया। उन्होंने देश के नौजवानों के लिए एक लाख करोड़ की योजना की शुरुआत की। यह प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के नाम से शुरू की गई है। इस योजना के तहत करीब 3.5 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनाएगा। साथ ही प्राइवेट सेक्टर में पहली नौकरी करने वाले लोगों को 15000 रुपये सरकार की तरफ से दिया जाएगा। पीएम विकसित भारत रोजगार योजना के तहत सरकार उनकंपनियों और बिजनेस को सब्सिडी के तहत मदद देगी, जो ज्यादा से ज्यादा लोगों को नौकरी देंगी। कंपनियों को सब्सिडी देने के साथ ही सरकार युवाओं को 15000 रुपये की धनराशि पहली बार प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वाले युवाओं को भी देगी। यह योजना देश में नए नौकरियों के अवसर पैदा करेगी। ये स्कीम खास तौर पर युवाओं, छोटे-मझोले उद्यमों और ▶▶ शेष पेज 9 पर ▶▶ पढ़ें पेज 09 भी

टैरिफ धमकी के बीच आश्वासन

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी सच्चाई का आईना दिखाया गया। पीएम मोदी ने जोर देकर बोला कि वे किसानों का, मछुआरों का हक नहीं मारने देंगे और उनके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मैं एक दीवार की तरह खड़ा हो जाऊंगा। ▶▶ शेष पेज 9 पर

किसे और कैसे मिलेंगे 15 हजार रुपए?

पहली बार नौकरी शुरू करने वाले और ईपीएफओ में रजिस्टर्ड कर्मचारियों को ही इस योजना का लाभ दिया जाएगा। इस योजना के तहत 2 किश्तों में 15000 रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। हालांकि इस योजना का लाभ उन कर्मचारियों को ही मिलेगा, जिनकी सैलरी 1 लाख रुपए तक है। इससे ज्यादा सैलरी वाले कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिलेगा। पहली किश्त 6 महीने नौकरी करने के बाद और दूसरी किश्त 12 महीने नौकरी करने और फाइनेंशियल लिटरेसी प्रोग्राम पूरा करने के बाद मिलेगी।

पूरे देश में हमने टैक्स के बर्डन को कम किया

पीएम मोदी ने कहा कि इस दीवाली पर आपको बड़ा तोहफा मिलने वाला है, पूरे देश में हमने टैक्स के बर्डन को कम किया है। अब इसे रिव्यू करने की जरूरत है। राज्यों से भी विचार किया है। मेरे प्यार देशवासियों हम नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रीफॉर्म लेकर आ रहे हैं, ये दीवाली पर आपके लिए तोहफा बन जाएंगे। सामान्य मानवी की जरूरतों वाली चीजों पर टैक्स कम होगा छोटे उद्योगों को लाभ होगा.. इकोनॉमी को बल मिलने वाला है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि नेक्सट जनरेशन रिफार्मस के लिए हमने एक टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। ये टास्क फोर्स समय सीमा में इस काम को पूरा करे। वर्तमान नियम, कानून, नीतियां, रीतियां, 21वीं सदी के अनुकूल, वैश्विक ▶▶ शेष पेज 9 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आज भारत पहुंचेंगे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में कदम रखने वाले भारत के दूसरे और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जाने वाले देश के पहले अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला रविवार को भारत आ जाएंगे। वे अमेरिका से भारत के लिए रवाना हो गए हैं। शुभांशु शुक्ला ने विमान में बैठने के बाद इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की और अपने अंतरिक्ष सहयात्रियों को याद किया। भारत पहुंचने पर वे पीएम मोदी से मिलेंगे। इसके बाद वह लखनऊ जाएंगे। इसके बाद 22-23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली आएंगे।

11,000 करोड़ की दिल्ली को सौगात देंगे पीएम

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को राजधानी दिल्ली में लगभग 11,000 करोड़ की दो बड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर 12:30 बजे रोहिणी में होगा, जहां वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इन परियोजनाओं में दिल्ली सेक्शन का द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 शामिल है। इसका का मुख्य उद्देश्य दिल्ली और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम को कम करना, बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना और यात्रा का समय घटाना है। द्वारका एक्सप्रेसवे का दिल्ली सेक्शन 10.1 किलोमीटर लंबा है और इसे लगभग 5,360 करोड़ की लागत से बनाया गया है।
▶▶ पढ़ें पेज 09 भी

केरल में ब्रेन-ईटिंग अमीबा का खतरा, बच्ची की मौत

नई दिल्ली। निपाह वायरस के प्रकोप के बाद दक्षिणी राज्य केरल से एक और गंभीर संक्रामक रोग का मामला सामने आ रहा है। शनिवार को अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी केरल के कोझिकोड जिले में अमीबिक इंसेफेलाइटिस संक्रमण के कारण नौ साल की एक बच्ची की मौत हो गई। ये एक दुर्लभ प्रकार का मस्तिष्क का संक्रमण है, जो संक्रमित दूषित जल में पाए जाने वाले अमीबा के कारण होता है। बच्ची को 13 अगस्त को बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत तेजी से बिगड़ने पर उसे कोझिकोड भेजा गया।

अलास्का में ट्रंप-पुतिन की मुलाकात का भारत ने किया स्वागत

विदेश मंत्रालय बोला- संवाद से ही बनेगी 'शांति' की राह

जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की हमेशा से यही नीति रही है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं, हालांकि, वार्ता से कोई ठोस घोषणा या लिखित समझौता नहीं निकल पाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिका और रूस के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह पहल वैश्विक शांति की दिशा में एक अहम कदम है। जायसवाल ने कहा कि भारत इस वार्ता में हुई प्रगति की सराहना करता है और मानता है कि आगे का रास्ता केवल संवाद और कूटनीति से ही निकल सकता है। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि मौजूदा समय में पूरी दुनिया की नजर यूक्रेन युद्ध पर है और सभी चाहते हैं कि इस संघर्ष का जल्द से जल्द अंत हो। जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की हमेशा से यही नीति रही है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने दोहराया कि बातचीत और आपसी समझ ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अलास्का में हुई शिखर वार्ता ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद पहली बार दोनों नेताओं की सीधी मुलाकात हुई। हालांकि बैठक को 'उपयोगी' बताते हुए भी ट्रंप ने यह साफ किया कि फिलहाल कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने कुछ प्रगति की है, लेकिन अभी हम पूरी मंजिल तक नहीं पहुंचे हैं।

उम्मीदें और अधूरे परिणाम

ट्रंप ने बातचीत को 'बहुत सकारात्मक' बताते हुए यह भी कहा कि अगले कदमों पर वे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और नाटो नेताओं से चर्चा करेंगे। वहीं पुतिन ने ट्रंप की 'मित्रतापूर्ण' भाषा और रूस के राष्ट्रीय हितों की समझ की तारीफ की। हालांकि, वार्ता से कोई ठोस घोषणा या लिखित समझौता नहीं निकल पाया।

शिखर वार्ता की 5 बड़ी बातें

- ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि अभी किसी बड़े समझौते पर मुहर नहीं लगी है। उन्होंने स्वीकार किया कि कई मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं और उन्हें दूर करने के लिए आगे और बातचीत करनी होगी। उन्होंने कहा कि हमने प्रगति की है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। जब तक सब कुछ तय नहीं होता, तब तक कोई डील नहीं मानी जाएगी।
- वार्ता के बाद ट्रंप ने कहा कि चीन पर रूसी तेल खरीदने को लेकर टैरिफ फिलहाल टाल दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज की बातचीत के बाद मुझे फिलहाल इस बारे में सोचना नहीं पड़ रहा है। हालांकि, भारत पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। अमेरिका ने पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा है, जिसमें से 25 प्रतिशत रूसी तेल आयात पर पेनल्टी है।
- रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रंप की तारीफ करते हुए कहा कि बातचीत 'दोस्ताना माहौल' में हुई। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने रूस के राष्ट्रीय हितों को समझा और सम्मान दिया। हालांकि, ट्रंप ने सार्वजनिक मंच से यूक्रेन में रूस के हमलों में नागरिकों की मौत पर कुछ नहीं कहा, जिस पर कई अंतरराष्ट्रीय हलकों में सवाल खड़े हो रहे हैं।
- वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस केवल 15 मिनट चली, जिसमें दोनों नेताओं ने सामान्य कूटनीतिक बातें दोहराईं। किसी ठोस उपलब्धि या लिखित सहमति की घोषणा नहीं हुई। इससे साफ है कि दोनों पक्षों में अभी भी गहरे मतभेद कायम हैं और समझौते का रास्ता लंबा है।
- ट्रंप ने संकेत दिया कि जल्द ही पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच बैठक हो सकती है, जिसमें वे खुद भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह बैठक कब और कहां होगी। पुतिन ने जेलेंस्की से मुलाकात पर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने उम्मीद जताई कि यूक्रेन और यूरोपीय देश अमेरिका-रूस वार्ता को सकारात्मक रूप से देखेंगे और प्रगति में बाधा नहीं डालेंगे।

एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से मुलाकात, एक ही कार में बैठे ट्रंप और पुतिन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अलास्का पहुंचे। इस दौरान ट्रंप ने एयरपोर्ट पर पुतिन का गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। फिर दोनों वर्ल्ड लीडर एक ही कार में सवार होकर मीटिंग के लिए निकल गए। आपको बता दें कि इस दौरान दोनों की बॉडी लैंग्वेज पॉजिटिव नजर आई। डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन के चेहरे पर हल्की मुस्कान थी और दोनों एक-दूसरे से बात करते हुए और रेड कार्पेट पर चलते हुए कार तक पहुंचे।

कृष्ण के जन्म लेते ही ब्रज में घर-घर शंखनाद के साथ गूंजी बधाइयां

आधी रात को आला रे ब्रज का नंदलाला रे

डालमिया, गोपेश्वर एवं कपिल शर्मा ने किया अभिषेक

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जन्म स्थान पहुंचकर भगवान श्री कृष्ण के दर्शन किए

लाखों श्रद्धालुओं ने अजन्मे के जन्म को पलक-पांवड़े बिछाए थे

चहुंओर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम दुल्हन की तरह सजा था ब्रज मंडल

डॉ. कमलकांत उपमन्यु ▶▶ मथुरा

ब्रज की हृदय स्थल श्रीकृष्ण जन्म स्थान संस्थान के भव्य मंदिर में देर रात भगवान श्री कृष्ण का प्राकट्य महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर आधी रात को आला रे... ब्रज का नंदलाला की गूंज सुनाई देती रही। श्रीकृष्ण जन्म संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर अनुराग डालमिया संस्थान के वरिष्ठ सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी एवं ट्रस्ट के सचिव कपिल शर्मा एवं मंदिर के सेवा अधिकारियों ने भगवान श्री कृष्ण के विग्रह का विभिन्न पदार्थ के साथ

अभिषेक किया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालु भगवान श्री कृष्णा का जयघोष करते रहे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शनिवार को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। वहीं ब्रज में श्रद्धालुओं का चहुओर सैलाब ही सैलाब दिखाई दिया। अजन्मे के जन्म दर्शनों के लिए श्रद्धालु ▶▶ शेष पेज 9 पर

एनसीईआरटी का नया मॉड्यूल जारी

भारत विभाजन के लिए बताया जिन्ना कांग्रेस और माउंटबेटन को जिम्मेदार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल में भारत के विभाजन की विभीषिका का उल्लेख करते हुए कारणों पर एक नई चर्चा को जन्म दिया गया है। भारत को आजादी 15 अगस्त, 1947 को मिली थी लेकिन ये आजादी अपने साथ लाई थी बंटवारे का कभी न भरने वाला जख्म, जो हर साल देश के लोगों के बीच एक दर्द की लहर लेकर आता है। बंटवारे के दौरान हुई हत्याएं और लूट की घटनाओं ने दोनों तरफ से करोड़ों लोगों को न सिर्फ प्रभावित किया बल्कि उनका ▶▶ शेष पेज 9 पर

कांग्रेस और भाजपा आईं आमने-सामने

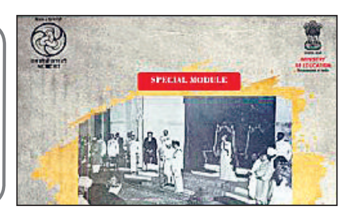

कांग्रेस ने कहा: इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मॉड्यूल पर आपत्ति जताई और कहा कि यह इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश है। इस पर भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बंटवारा एक कड़वा सच है, जिसमें लाखों लोग मारे गए और घर तबाह हो गए। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने बंटवारे को स्वीकार कर देश को जलाया। शाहनवाज ने कहा कि आजादी की बात होती है लेकिन बंटवारे की जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। बच्चों को यह जानने का हक है कि उस दौर में क्या हुआ।

भाजपा संसदीय दल की बैठक आज, उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार के नाम पर चर्चा संभव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 19 अगस्त को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा कर सकता है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) रविवार, 17 अगस्त को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में अपनी संसदीय बोर्ड की बैठक आयोजित करेगी। एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, मंगलवार 19 अगस्त को यह बैठक संसद पुस्तकालय भवन के जी.एम.सी. बालयोगी सभागार में होगी और लोकसभा व राज्यसभा के सभी

> 19 अगस्त को एनडीए संसदीय दल की बैठक, उपराष्ट्रपति उम्मीदवार का ऐलान संभव

एनडीए सदस्यों से समय पर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। यह सूचना एनडीए संसदीय दल के कार्यालय सचिव डॉ. शिव शक्ति नाथ बख्शी द्वारा जारी की गई। माना जा रहा है कि इसके बाद उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार का ऐलान हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) रविवार, 17 अगस्त को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में अपनी संसदीय बोर्ड ▶▶ शेष पेज 9 पर

दुनिया का सबसे भव्य शृंगार: बेशकीमती रत्नों से सुसज्जित भगवान के मुकुट और अन्य आभूषण

ग्वालियर के गोपाल मंदिर में 100 करोड़ के गहनों से सजे राधा-कृष्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

ग्वालियर के 100 वर्ष से अधिक पुराने गोपाल मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व बेहद खास होता है...रियासत कालीन मंदिर में राधाकृष्ण प्रतिमाओं को लगभग 100 करोड़ रुपए के हीरे-जवाहरात जड़े जेवरातों से सजाया जाता है। सिंधिया रियासत के समय के इन सोने के गहनों में हीरा, नीलम,

पन्ना, माणिक और पुखराज जैसे बेशकीमती रत्न जड़े हैं। भगवान श्रीकृष्णा और राधा रानी का दुनिया में सबसे महंगा शृंगार माना जाता है। गोपालजी मंदिर में श्री राधा रानी और कृष्णाजी ▶▶ शेष पेज 9 पर

चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस आज, 'वोट चोरी' और एसआईआर पर बयान की अटकलें

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष द्वारा लगाये जा रहे 'वोट चोरी' के आरोपों के बीच निर्वाचन आयोग (ईसी) रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस का विषय अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन अधिकारियों ने कहा है कि यह निर्वाचन आयोग पर लगे आरोपों से संबंधित है।

ज्ञात हो कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग लगातार विपक्षी दलों का विरोध झेल रहा है। चुनाव कार्यक्रम की

घोषणा के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर चुनाव आयोग द्वारा औपचारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करना असामान्य है। आयोग ने कांग्रेस नेता से उन लोगों के नाम प्रस्तुत करने को कहा है, जिनके बारे में उनका दावा है कि उन्हें मतदाता सूची में गलत तरीके से जोड़ा गया या हटाया गया है, साथ ही एक हस्ताक्षरित घोषणापत्र भी प्रस्तुत करने को कहा है। निर्वाचन आयोग ने तो यहां तक कह दिया है कि अगर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में कोई हलफनामा देने में विफल रहते हैं, तो उन्हें माफी मांगनी होगी। बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के निर्वाचन आयोग के कदम को लेकर भी विपक्षी दल सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी दलों का दावा है कि इस कदम से करोड़ों पात्र नागरिक कागजों के अभाव में मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्वाचन आयोग से बिहार में मतदाता सूची में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों का विवरण, उन्हें शामिल न करने के कारणों सहित, प्रकाशित ▶▶ शेष पेज 9 पर

राहुल गांधी की "वोटर अधिकार यात्रा" आज से, सासाराम में जुटा कांग्रेसियों का हुजूम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

एसआईआर प्रक्रिया और वोट चोरी के विरोध में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी 17 अगस्त से बिहार के सासाराम से 'वोटर अधिकार यात्रा' शुरू करेंगे। यात्रा में राजद के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव समेत इंडिया गठबंधन के तमाम नेता शामिल होंगे। बिहार के सासाराम में कांग्रेसियों का हुजूम जुट गया है। तेजस्वी यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेता भी राहुल गाँधी की यात्रा में शामिल होंगे।

इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में यह जानकारी देते हुए पार्टी के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने यात्रा का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यात्रा की शुरुआत 17 अगस्त को बिहार के सासाराम से होगी और यह 16 दिन में 1,300 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्रा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के अलावा इंडिया गठबंधन के अन्य नेता भी शामिल होंगे। कांग्रेस नेता ने बताया कि यात्रा 17 अगस्त को सासाराम, रोहतास; 18 अगस्त को देव रोड, अंबा-कुंडुंबा; 19 अगस्त को हनुमान मंदिर, पूनामा, वजीरगंज; 21 अगस्त को तीन मोहानी दुर्गा मंदिर, शेखपुरा; 22 अगस्त को चंद्र बाग चौक, मुंगेर; 23 अगस्त को कुर्सेला चौक, बरारी, कटिहार; 24 अगस्त को खुश्कीबाग, कटिहार से पूर्णिया; 26 अगस्त को हुसैन चौक, सुपौल; 27 अगस्त को गंगवारा महावीर स्थान, दरभंगा; 28 अगस्त को रीगा रोड, सीतामढ़ी; 29 अगस्त को हरिवाटिका गांधी चौक, बेतिया; 30 अगस्त को एकमा चौक, एकमा विधानसभा, छपरा में पहुंचेगी। 01 सितंबर को पटना में विशाल रैली के साथ इसका समापन होगा। 20, 25 और 31 अगस्त को यात्रा का विश्राम रहेगा।

भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से चुनावों में हो रही कथित वोटों की धांधली का उल्लेख करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि यह यात्रा 'एक व्यक्ति-एक वोट' के अधिकार की लड़ाई के लिए की जा रही है। भाजपा फर्जी तरीके से वोट जोड़ने और काटने में रंगे हाथों पकड़ी गई है। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया से वोट ▶▶ शेष पेज 9 पर

चाकू घोंपकर दिया वारदात को अंजाम

पैसों को लेकर हुए झगड़े में युवक को उतारा मौत के घाट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के चंदर विहार इलाके में शनिवार तड़के पैसों के विवाद को लेकर हुए झगड़े में 24 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रात करीब 12 बजकर 20 मिनट पर हुई। मृतक की पहचान कंपनी प्रतिनिधि के तौर पर काम करने वाले आशीष वर्मा के रूप में हुई है, जिसके ऊपर झगड़े के दौरान चाकू से वार किया गया। पुलिस के अनुसार, आशीष की मां ने अपने बयान में आरोप लगाया कि उनके पड़ोसी 32 वर्षीय भजन लाल और 30 वर्षीय राकेश ने उनके बेटे पर चाकू से हमला किया। वे दोनों निलोठी एक्सटेंशन के दीपक विहार इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आशीष के परिवार के सदस्यों ने उसे तुरंत दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आशीष के सीने के बाएं हिस्से में चाकू का गहरा घाव पाया गया। पुलिस ने बताया कि आशीष अविवाहित था और विकास पुरी के बुढेला गांव में रहता था।

मोती नगर में थार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर इलाके में एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार देर रात महिंद्रा थार ने भिक्षु लाल (40) के दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी और इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद थार चला रहा व्यक्ति फरार हो गया। कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उसे पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीम गठित की गईं हैं। पुलिस ने बताया कि मोती नगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और घटनाक्रम जानने समेत आरोपी की पहचान के मकसद से सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है और व्यक्ति के परिजन को सूचित कर दिया गया है। इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय राजधानी के चाणक्यपुरी इलाके में 11 मूर्ति स्थल के पास एक थार वाहन ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी थी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया था।

प्रतिबंधित चीनी मांझे के 68 रोल के साथ तीन लोग अरेस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित चीनी मांझे के 68 रोल बरामद करने के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यहां एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि न्यू सीलमपुर इलाके में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों की पहचान आशु (22) और उसके सहयोगी इमरान के रूप में हुई है, जबकि मोहम्मद साकिब (35) को संगम विहार इलाके में एक अन्य अभियान में पकड़ लिया गया। दिल्ली सरकार द्वारा 2017 और 2020 में जारी अधिसूचनाओं के तहत चीनी मांझे को प्रतिबंधित किया गया है। इसकी अवैध बिक्री के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने 14 अगस्त को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में छापे मारे। पुलिस टीम ने सबसे पहले अभियान में न्यू सीलमपुर क्षेत्र में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के फ्लैट के बाहर आशु और इमरान को रोका, जिनके कब्जे से प्रतिबंधित मांझे के 18 रोल जब्त किए गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत अपराध शाखा के थाने में मामला दर्ज किया गया है। यहां एक अन्य छापेमारी के दौरान, पुलिस ने वजीराबाद के संगम विहार इलाके की गली नंबर 5 स्थित एक दुकान पर छापा मारा और साकिब से चीनी मांझे के 50 रोल ज़ब्त किए। ज़ब्ती के सिलसिले में एक अलग मामला दर्ज किया गया है।

मंडोली जेल में फंदे से लटका मिला गैंगस्टर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

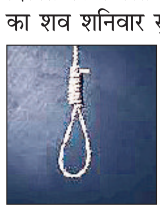

दिल्ली की मंडोली जेल में बंद एक गैंगस्टर का शव शनिवार सुबह उसकी कोठरी में लटका हुआ मिला। पुलिस को संदेह है कि उसने आत्महत्या की है। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, जेल नंबर 15 में बंद सलमान त्यागी दिन के शुरुआती घंटे में अपने बैरक में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला था। उन्होंने बताया कि त्यागी को निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि त्यागी पर जबरन वसूली और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

हुमायूं के मकबरे के पास दरगाह की दीवार गिरने से छह लोगों की मौत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित हुमायूं के मकबरे के पास एक दरगाह की दीवार और छत गिरने से छह लोगों की मौत के बाद दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना 15 अगस्त को अपराह्न लगभग साढ़े तीन बजे दरगाह शरीफ पट्टे शाह में हुई। दरगाह की चारदीवारी 16वीं शताब्दी के उद्यान-मकबरे से मिलती है, जिसका निर्माण मुगल सम्राट हुमायूं की पहली पत्नी बेगा बेगम ने 1558 में करवाया था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 290 (इमारतों को गिराने, मरम्मत करने या निर्माण करने में लापरवाही), 125 (मानव जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कार्य) और 106 (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि छह मृतकों में से एक की पहचान स्वरूप चंद (79) के रूप में हुई है तथा घायलों में मोहम्मद शमीम, आर्यन, गुड़िया, रफत परवीन और रानी (65) शामिल हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार, दरगाह के दो कमरे, जिनमें से एक में इमाम के लिए था और दूसरा विश्राम कक्ष था, जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थे और भारी बारिश के कारण छत एवं एक दीवार ढह गई।

हादसे के वक्त वहां 15 लोग थे। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पूर्वी) हेमंत तिवारी ने कहा कि हादसे के बाद 12 लोगों को मलबे से निकाला गया। इनमें से ज़्यादातर आगंतुक थे। उनमें से नौ को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां पांच की मौत हो गई। एक पुरुष को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि एक महिला को आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई और घटना की जांच जारी है।

यमुना का जलस्तर पहुंचा खतरे के निशान के करीब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर शनिवार सुबह करीब नौ बजे 205.22 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से कुछ ही कम है। अधिकारियों के अनुसार, स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जलस्तर में वृद्धि के पूर्वानुमान को देखते हुए सभी संबंधित एजेंसियों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि जलस्तर में वृद्धि का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे छोड़े जा रहे पानी की अधिक मात्रा है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, हर घंटे हथिनीकुंड बैराज से लगभग 38,897 क्यूसेक पानी और वजीराबाद बैराज से 45,620 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। शहर के लिए चेतावनी का स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है और जलस्तर 206 मीटर पहुंचते ही निचले इलाकों से लोगों की निकासी शुरू कर दी जाती है। बैराज से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं।

मुख्यमंत्री ने की जन्माष्टमी पर इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को जन्माष्टमी के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी स्थित इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना की और दिल्ली व देश की प्रगति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया भर में भगवान श्रीकृष्ण के सभी भक्त जन्माष्टमी पर उनकी पूजा-अर्चना कर रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मैं जन्माष्टमी पर सभी को शुभकामनाएं देती हूं। भगवान श्रीकृष्ण हम सभी पर कृपा करें और दिल्ली तथा देश दोनों प्रगति करें। मुख्यमंत्री गुप्ता का शहर में जन्माष्टमी से जुड़े कई समारोहों में भाग लेने का कार्यक्रम है।

राजधानी में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण के जीवन से सजी सजीव झांकियां की गई प्रस्तुत

योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण कन्हैया के जन्माष्टमी पर्व पर राजधानी दिल्ली हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की के उद्घोष से गुंजायमान रही। दिल्ली वालों ने शनिवार को धूमधाम से जन्माष्टमी पर्व मनाया। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना व सीएम रेखा गुप्ता सहित अनेक नेताओं ने दिल्ली वालों को जन्माष्टमी की बधाई व शुभकामनाएं दी। जन्माष्टमी के चलते राजधानी के छोटे बड़े मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया जिसमें श्री कृष्ण के भक्तों की लंबी लंबी लाइनें देखने को मिली। भक्ति और प्रेम के रंग में रंगी दिल्ली के अधिकांश मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण के जीवन से सजी सजीव झांकियां प्रस्तुत की गई। इनमें इस्कॉन मंदिर ईस्ट आफ कैलाश, अक्षरधाम मंदिर, बिरला मंदिर, इस्कॉन मंदिर पंजाबी बाग, गुफा वाला मंदिर, काली माता मंदिर और नीलम माता मंदिर, कालकाजी और झंडेवालान मंदिर, पंजाबी बाग जन्माष्टमी पार्क सहित अन्य मंदिर शामिल है। कई बड़े मंदिरों में विशेष आयोजन हुए। जिनमें इस्कॉन मंदिर में 200 किलो का केक काटा गया। कालकाजी और झंडेवालान मंदिर में भी विशेष आयोजन हुए। बिरला मंदिर में महाआरती और 56 भोग का प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर में सुबह 4 बजे महाआरती तथा दिनभर सांस्कृतिक कार्यक्रम और नृत्य प्रस्तुतियां हुई। वृंदावन, दक्षिण भारत और दिल्ली के नामी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से वातावरण को और भी भक्तिमय बनाने में कोई कमी नहीं छाड़ी। रात ठीक 12 बजे कान्हा के जन्म लेने के बाद आरती व बाद में भक्तों को 56 भोग का प्रसाद आदि वितरित किया गया।

राहुल द्वारा सिख दंगा आरोपी टाइटल की तरफदारी करने पर गुरुद्वारा कमेटी ने जताया कड़ा ऐतराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष व कांग्रेसी सांसद राहुल गांधी द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री व 1984 के सिख दंगों के आरोपी जगदीश टाइटलर की तरफदारी करने पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कड़ा ऐतराज जताया है। कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा है कि राहुल गांधी को सिख नरसंहार के दोषी जगदीश टाइटलर की पैरवी करने का कोई अफसोस नहीं है। बल्कि वह तो उनके साथ तस्वीरें खिंचवाकर खुशी महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि 1984 के सिख कत्लेआम के सभी दोषियों को सजा दिलवाने तक दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी चैन से नहीं बैठेगी। कालका और काहलों ने कहा कि बीते कल स्वतंत्रता दिवस पर भी राहुल गांधी की जगदीश टाइटलर के साथ ली गई तस्वीर खूब वायरल हुई। जिससे साफ झलकता है कि कांग्रेस पार्टी न केवल सिख नरसंहार के दोषियों की पैरवी करके खुश है, बल्कि इन आरोपियों की पीठ थपथपाकर गर्व भी महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि जगदीश टाइटलर की तरह राहुल गांधी अक्सर कमलनाथ के साथ भी मंच साझा करते नजर आते रहे हैं। लेकिन हमने पहले सज्जन कुमार और उसके साथियों को जेल भिजवाया और अब जगदीश टाइटलर, कमलनाथ सहित अन्य दोषियों को भी जेल भिजवा कर ही दम लेंगे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद रशीद उर्फ विजय पुत्र मोहम्मद मकबूल निवासी वेगाबॉन्ड, पटरी हनुमान मंदिर, जमुना बाजार, कश्मीरी गेट, दिल्ली** ने **FIR No. 150/2019, U/S 27/61/85 NDPS Act, अन्तर्गत थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद रशीद उर्फ विजय** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद रशीद उर्फ विजय** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 150/2019, U/S 27/61/85 NDPS Act, अन्तर्गत थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद रशीद उर्फ विजय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11
केंद्रीय, न्यायालय संख्या 138, प्रथम तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10826/N/2025(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अंकित त्रिपाठी पुत्र रमा शंकर त्रिपाठी निवासी ए–97, फेस–1, बुध बाजार रोड, विजय विहार, दिल्ली** ने **FIR No. 164/22, U/S 12/9/55 G. Act, अन्तर्गत थाना उत्तर रोहिणी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अंकित त्रिपाठी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अंकित त्रिपाठी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 164/22, U/S 12/9/55 G. Act, अन्तर्गत थाना उत्तर रोहिणी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अंकित त्रिपाठी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री इब्बानी अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तर–पश्चिम, कोर्ट नंबर 107, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10538/RD/2025(Court Matter)

मुकरबा चौक के निकट फ्लाईओवर पर गड्ढे लगा रहे वाहनों पर ब्रेक

'गड्ढामुक्त होने के दावे के बाद फिर से गड्ढों में बदलने लगी दिल्ली'

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने करीब डेढ़ महीने पहले राजधानी को गड्ढामुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाकर लगभग 3400 गड्ढे भरने का दावा किया था। सरकार ने यह भरोसा भी दिलाया था कि दिल्ली की सड़कों पर अब लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन अब हालात बताते हैं कि यह दावा केवल कागज़ों तक ही सीमित रह गया है। बारिश के मौसम के बाद दिल्ली की कई सड़कों पर फिर से गड्ढे हो गए हैं और वाहन चालकों को रेंगते हुए चलने पर मजबूर होना पड़ रहा है। यहां से आवागमन करने वाले दैनिक वाहन चालकों व यात्रियों ने बताया कि हालात इतने गंभीर हैं कि 'मुकरबा चौक से मधुवन चौक के बीच बादली रेलवे ट्रैक के ऊपर बने फ्लाईओवर पर' बड़े-बड़े गड्ढों ने यातायात व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया है। सुबह और शाम के व्यस्त समय पर यहां 'लंबे जाम की स्थिति' पैदा हो रही है, जिससे रोज़ाना हजारों वाहन चालक और आम लोग परेशान हैं।

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि सरकार के गड्ढामुक्त दिल्ली अभियान का सच अब सड़क पर दिख रहा है। इसके अलावा देहात में कई मार्गों पर ऐसा ही हाल दिख रहा है। जिनमें कंझावला-कराला मार्ग, नरेला - सिंघु बॉर्डर मार्ग प्रमुख हैं। रोज़ाना इन गड्ढों से गुजरते वक्त वाहनों को नुकसान पहुंच रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि दिल्ली सरकार का अभियान सिर्फ दिखावे तक सीमित रहा। हकीकत यह है कि बारिश के बाद सड़कों की मरम्मत और निगरानी पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। इससे साफ है कि दिल्ली सरकार और प्रशासन का ध्यान जमीनी स्तर की समस्या समाधान पर कम और दिखावे पर अधिक नजर आ रहा है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार | भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

बधाई हो दिल्ली!

₹11,000 करोड़ की 2 मेगा परियोजनाओं से वर्ल्ड क्लास कनेक्टिविटी का नया युग

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

के द्वारा

दिल्ली और हरियाणा को जोड़ने वाले दो हाई स्पीड कॉरिडोर्स

द्वारका एक्सप्रेसवे
शिव मूर्ति से दिल्ली-हरियाणा सीमा तक
(NH-248BB, लंबाई: 10 किमी, लागत: ₹5400 करोड़)

परियोजना के लाभ

- दिल्ली–गुरुग्राम के बीच वैकल्पिक मार्ग से NH-48 पर ट्रैफिक जाम से राहत
- शिव मूर्ति, यशोभूमि, बिजवासन रेलवे स्टेशन और मेट्रो से बेहतर संपर्क
- 3.6 किमी स्टेट ऑफ आर्ट 8 लेन टनल, ऊपर 10 लेन का सड़क मार्ग
- 4 लेन सुरंग से IGI एयरपोर्ट के लिए वैकल्पिक कनेक्टिविटी
- 16 लेन चौड़ा रोड अंडरब्रिज से निर्बाध यात्रा

एवं

अर्बन एक्सटेंशन रोड-II
एनएच-44 (अलीपुर) से नांगलोई–नजफगढ़ रोड (दिचाऊँ कलाँ) तक, सोनीपत एवं बहादुरगढ़ स्पर सहित
(NH-344M, 344P, 344N, लंबाई: 66 किमी, लागत: ₹5600 करोड़)

परियोजना के लाभ

- अलीपुर, नरेला, बवाना, रोहिणी, मुंडका और नजफगढ़ से सीधा जुड़ाव
- NH44 (दिल्ली–पानीपत), एनएच-09 (दिल्ली–रोहतक), और NH-248BB से बेहतर संपर्क
- बहादुरगढ़ और सोनीपत के लिए नए स्पर कनेक्टिविटी
- चंडीगढ़/पंजाब/जम्मू और कश्मीर से IGI एयरपोर्ट की यात्रा सुगम
- भलस्वा व गाजीपुर MCD साइट्स से 10 लाख टन इनर्ट मटेरियल का उपयोग
- 10,000 से अधिक पेड़ों का सफल ट्रांसप्लांटेशन
- 6 मल्टी-लेवल इंटरचेंज: फ्लाईओवर व अंडरपास शामिल

का लोकार्पण

दिनांक : 17 अगस्त 2025 | समय : दोपहर 12:00 बजे | स्थान: रोहिणी, सेक्टर 37, नई दिल्ली

गरिमामयी उपस्थिति

नितिन गडकरी
केन्द्रीय मंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग

नायब सिंह
मुख्यमंत्री, हरियाणा

अजय टम्टा
केन्द्रीय राज्यमंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग

हर्ष मल्होत्रा
केन्द्रीय राज्यमंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग एवं कॉर्पोरेट मामले

विनय कुमार सक्सेना
उपराज्यपाल, दिल्ली

रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली

प्रवेश साहिब सिंह
मंत्री, दिल्ली

रविंदर सिंह (इंद्राज)
मंत्री, दिल्ली

राजा इकबाल सिंह
मेयर, दिल्ली

योगेंद्र चांदोलिया
सांसद उत्तर-पश्चिम दिल्ली

कमलजीत सहरावत
सांसद पश्चिम दिल्ली

रामवीर सिंह बिधूड़ी
सांसद दक्षिण दिल्ली

दीपेन्द्र सिंह हुड्डा
सांसद, रोहतक, हरियाणा

सतपाल ब्रह्मचारी
सांसद, सोनीपत, हरियाणा

निखिल मदान
विधायक, सोनीपत, हरियाणा

राजेश जून
विधायक, बहादुरगढ़, हरियाणा

कृष्णा गहलावत
विधायक, राई, हरियाणा

पवन खरखौदा
विधायक, खरखौदा, हरियाणा

कैलाश गहलोत
विधायक, बिजवासन, दिल्ली

राज करण ख़त्री
विधायक, नरेला, दिल्ली

गजेंद्र दराल
विधायक, मुंडका, दिल्ली

पंकज कुमार सिंह
विधायक, विकासपुरी, दिल्ली

नीलम पहलवान
विधायक, नजफगढ़, दिल्ली

प्रद्युम्न सिंह राजपूत
विधायक, द्वारका, दिल्ली

CBC 37107/15/0010/2526

सीधा प्रसारण देखें DD NEWS पर

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

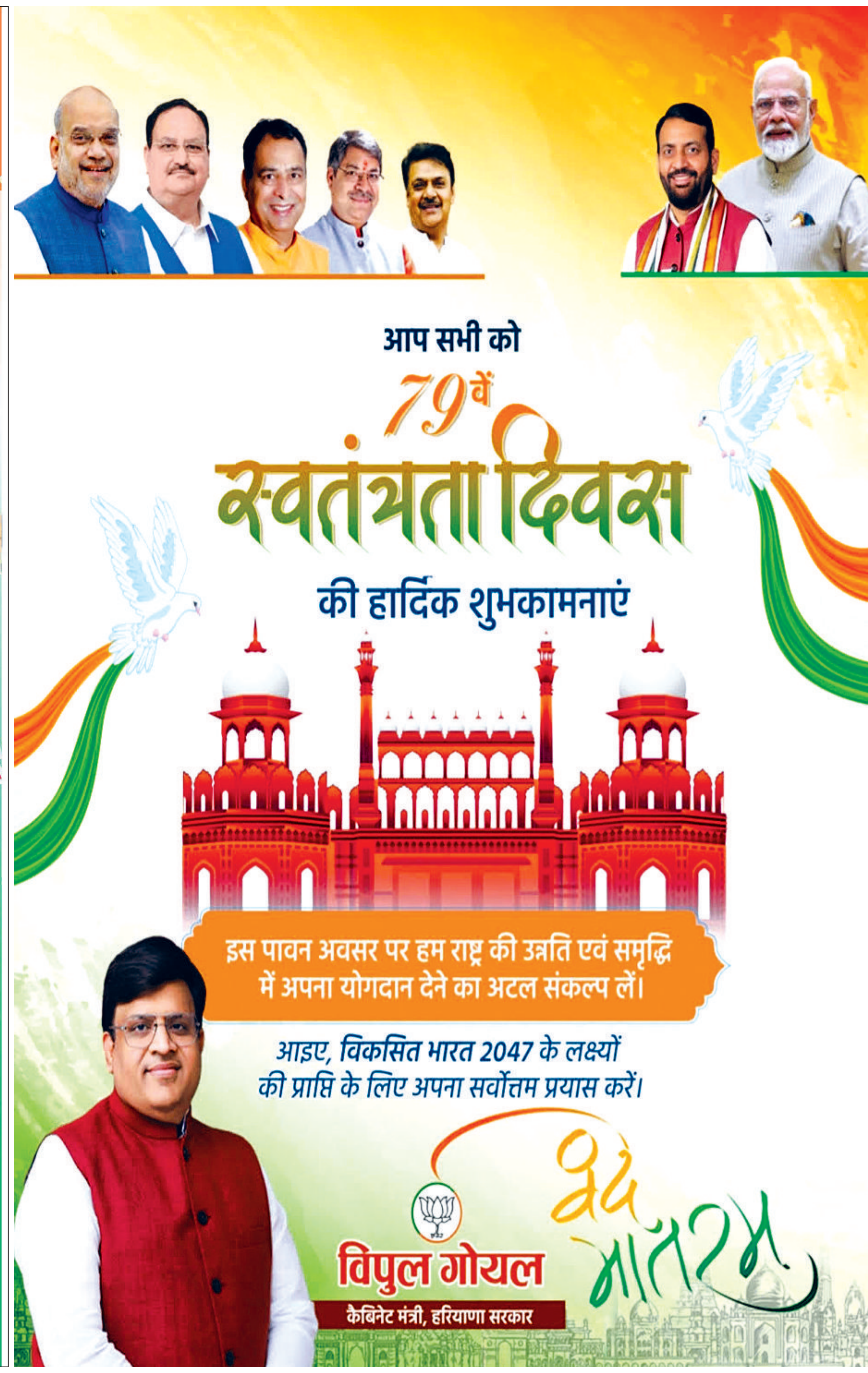

बेटी बचाओ बेटी पढाओ **79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं** बेटी बचाओ बेटी पढाओ

दी गुड़गाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0

गुरुग्राम की ओर से किसानों, उपभोक्ताओं तथा सहकार बंधुओं को बधाई एवं शुभकामनाएँ

बैंक की गतिविधियाँ एवं बैंक सुविधाएँ

1. बैंक अपने ग्राहकों को व्यक्तिगत, व्यवसायिक, वाहन, भवन निर्माण, शिक्षा, उपभोक्ता, कैश क्रेडिट व गोदाम निर्माण हेतु कम ब्याज पर ऋण प्रदान कर रहा है तथा स्वयं सहायता समूहों व संयुक्त देयता समूहों को भी रियायती दरों पर ऋण दिया जा रहा है। बैंक द्वारा किसानों को प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के माध्यम से 0 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। जो कृषक अतिदेय है वह अपना पुराना ऋण जमा कराकर 0 प्रतिशत ब्याज दर का लाभ उठायें।
2. बैंक द्वारा जमा खातों पर अन्य बैंको से ज्यादा ब्याज दिया जाता है । वरिष्ठ नागरिकों को एक प्रतिशत ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है ।
3. बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को प्रधानमन्त्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमन्त्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पैंशन योजना, प्रधानमन्त्री फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री अन्तोदय परिवार उत्थान योजना, मुख्यमंत्री परिवार स्वनिधि योजना की सुविधा प्रदान की जा रही है।
4. दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक अपने कार्यक्षेत्र जिला गुरूग्राम व नूहँ में अपनी सभी शाखाओं में 78 सूक्ष्म ए.टी.एम. मशीनों द्वारा डिजिटल लेन-देन की सुविधा उपलब्ध करवा रहा है ।
5. दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक अपने कार्यक्षेत्र जिला गुरूग्राम व नूहँ में अपने बैंक ग्राहकों को मोबाईल बैंकिंग ऐप की सुविधा उपलब्ध करवा रहा है ।
6. दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक हरियाणा सरकार के पैनल में लिया गया बैंक हैं, जिसमें सरकार के कर्मचारियों को सैलरी खाता खुलवाने पर निःशुल्क बीमा सुविधाओं के साथ-साथ अनेक प्रकार के सस्ते ऋण की सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है व इन खातों पर 3 प्रतिशत ब्याज भी दिया जा रहा है ।
7. बैंक का वित्त वर्ष 2024-25 में लाभांश मुबलिग 394.92 लाख रू0 तथा कुल संचित लाभ 4147.49 लाख रू0 है ।
8. प्रदेश की पहली मोबाईल वैन जिसके माध्यम से जिला गुरूग्राम व नूहँ के 63 से अधिक गांवों, स्कूलों, कॉलेजों व कस्बों में बैंकिंग तकनीक व डिजिटल वित्तिय साक्षरता एवं जन सुरक्षा का प्रचार प्रसार कर चालू वित्तिय वर्ष के दौरान 63 कैम्प आयोजित कर लोगों को वित्तीय व बैंकिंग तकनीक की जानकारी दी गई हैं । इसके अलावा इस वैन में सूक्ष्म ए.टी.एम. की सुविधा से ग्राहकों को घर-घर कैश की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है ।
9. बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को रूपे किसान कार्ड /रूपे डेबिट कार्ड, आरटीजीएस, एनईएफटी, ए.टी.एम., सूक्ष्म ए.टी.एम., मोबाईल बैंकिंग जैसी आधुनिक सुविधाऐं उपलब्ध करायी जा रही है ।
10. दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक के कार्यक्षेत्र जिला गुरूग्राम व नूहँ में 28 शाखाऐं तथा 33 प्राथमिक कृषि सहकारी समितिया कार्यरत है ।

दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, गुडगाँव – सिविल लाईन्स, नजदीक मौर चौक, गुरुग्राम

प्रधानमंत्री आज करेंगे अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 का उद्घाटन

दिल्ली को 'विकसित दिल्ली' बनाने में गंभीरता से सहयोग कर रहे हैं प्रधानमंत्री : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की राजधानी को 'विकसित दिल्ली' बनाने में पूर्ण गंभीरता से सहयोग कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री यूईआर-2 (अर्बन एक्सटेंशन रोड-2) का उद्घाटन करने जा रहे हैं और दिल्ली को एक सौगात मिलने जा रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों व पार्टी नेताओं के साथ उद्घाटन स्थल व आसपास जाकर तैयारियों का निरीक्षण किया और जरूरी निर्देश जारी करने के बाद मीडिया को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है और कहा है कि इस परियोजना के शुरू होने से दिल्ली को जाम मुक्त बनाने और एनसीआर में कनेक्टिविटी बेहतर करने में मदद मिलेगी। यह कॉरिडोर प्रदूषण कम करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने में भी योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूईआर-2 दिल्ली के बुनियादी ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जो न केवल यातायात को सुगम बनाएगी बल्कि दिल्ली और एनसीआर के निवासियों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाएगी। उन्होंने कहा कि यूईआर-2 प्रदूषण को भी कम करेगा और पर्यावरण को बेहतर बनाने में अपना रोल अदा करेगा। यातायात में कमी और वाहनों की सुचारू आवाजाही से ईंधन की खपत कम होगी और वायु प्रदूषण के स्तर में भी कमी आएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि यूईआर-2 दिल्ली-एनसीआर में कनेक्टिविटी को और बेहतर करेगा। उसका कारण यह है कि यह प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ेगा, जिनमें एनएच-44 (अलीपुर), एनएच-9 (बहादुरगढ़) और एनएच-48 (महिपालपुर) शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से औद्योगिक और लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। यह सोनीपत और बहादुरगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र में लिंक रोड से जुड़ेगा, इससे उद्योग में तो बढ़ावा होगा ही साथ ही दिल्ली-एनसीआर में माल की आवाजाही तेजी से होगी। इसका अन्य लाभ यह भी होगा कि दिल्ली और एनसीआर में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

एमसीडी ने की मच्छरजनित बीमारियों से बचाव की मुहिम तेज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार, 17 अगस्त 2025 को दिल्ली की महत्वाकांक्षी परियोजना 'अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2)' का भव्य उद्घाटन करने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक मौके को लेकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) प्रशासन ने भी तैयारियां तेज़ कर दी हैं। जहां एक ओर यातायात व्यवस्था और सुरक्षा चाक-चौबंद की जा रही है, वहीं दूसरी ओर दिल्ली नगर निगम ने 'जन स्वास्थ्य सुरक्षा' को लेकर विशेष कदम उठाए हैं। इस संबंध में दिल्ली नगर निगम के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास 500 मीटर क्षेत्र में मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जाँच और कीटनाशक छिड़काव का कार्य शनिवार से ही शुरू कर दिया गया है। इसका उद्देश्य भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम में 'मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों' के खतरे को रोकना है। निगम में एक वरिष्ठ अधिकारी कहा कि आयोजकों के अनुरोध और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर 'कार्यक्रम स्थल पर रात्रि में फॉगिंग' भी की जाएगी, ताकि देर रात काम करने वाले कर्मचारियों और पुलिस बल को मच्छरों के प्रकोप से सुरक्षित रखा जा सके।

रोड शो और जनसभा को भी संबोधित करेंगे पीएम मोदी

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री इस दौरान रोड शो भी करेंगे और जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री का कहना है कि यूईआर-2 के शुरू होने से दिल्ली को एक बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग - 44 (अलीपुर) से शुरू होकर मुंडका, बक्करवाला, नजफगढ़ और द्वारका होते हुए महिपालपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग- 48 पर समाप्त होगा।

सिंघू बॉर्डर से आईजीआई एयरपोर्ट मात्र 40 मिनट में

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि इसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक यह है कि अब सिंघू बॉर्डर से आईजीआई एयरपोर्ट मात्र 40 मिनट में पहुंचा जा सकेगा, जबकि पहले करीब दो घंटे लगते थे। इसके शुरू होने से इनर व आउटर रिंग रोड पर वाहनों का दबाव कम होगा और प्रमुख चौराहों जैसे मुकरबा चौक, मधुबन चौक, पीरागढी चौक, धौला कुआं, एनएच-9 पर जाम की स्थिति नहीं बनेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यूईआर-2 के शुरू होने से दिल्ली, गुरुग्राम और अन्य एनसीआर क्षेत्रों के लोगों के लिए चंडीगढ़, पंजाब और जम्मू-कश्मीर की यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।

लीक हो रही पानी की टंकियों से निगम स्कूल में हादसे की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के नरेला ज़ोन के अंतर्गत बख्तावरपुर वार्ड स्थित सिंघु प्राथमिक बालिका विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। विद्यालय की दूसरी मंजिल पर रखी हुई दो विशाल पानी की टंकियाँ लगातार लीक हो रही हैं, जिससे किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो विद्यालय का स्टाफ या मासूम बच्चे इसका शिकार बन सकती हैं। बच्चों के परिजनों और विद्यालय स्टाफ का कहना है कि कई बार इसकी जानकारी निगम प्रशासन को दी गई, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सवाल यह है कि जब नगर निगम और दिल्ली सरकार लगातार यह दावा करते हैं कि निगम स्कूल अब स्मार्ट हैं और यहां की शिक्षा निजी स्कूलों से बेहतर है, तो फिर इन स्कूलों में बुनियादी सुरक्षा इंतज़ाम क्यों नज़रअंदाज़ किए जा रहे हैं? वहीं, इस संबंध में निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एक ही कार्य दिवस में इसकी जांच करें और इस समस्या का निदान करें।

'एलजी के दिशा निर्देश पर डीडीए की विशेष लाइसेंस संपत्ति पहल को मिली व्यापक प्रतिक्रिया'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- पहले प्रोजेक्ट फ्लेर होटल्स से लाइसेंस के रूप में मिलेगा 10 हजार करोड़ रुपये का राजस्व

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दावा किया है कि विशेष लाइसेंस संपत्ति पहल को व्यापक प्रतिक्रिया मिली है। जिसमें पहला प्रोजेक्ट फ्लेर होटल्स प्राइवेट लिमिटेड को मिला, जिससे लाइसेंस अवधि के दौरान डीडीए को 10 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। डीडीए का कहना है कि एलजी विनय कुमार सक्सेना द्वारा शुरू की गई विशेष लाइसेंस संपत्ति पहल, डीडीए की भूमि परिसंपत्तियों का टिकाउ, उच्च-मूल्य विकास के लिए उपयोग करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो दिल्ली को व्यापार, आतिथ्य और चिकित्सा के लिए एक वैश्विक गंतव्य के रूप में उभरने में योगदान देगा। यह यह भी सुनिश्चित करेगा कि डीडीए भूमि का मालिक बना रहे। इस पहल के एक भाग के रूप में, प्रस्तावित पहला भूखंड नेहरू प्लेस में लगभग 2 एकड़ का था, जिसे एक पांच सितारा होटल के लिए चिह्नित किया गया था, जिसकी घोषणा 2 मई 2025 को जारी एक प्रस्ताव अनुरोध (आरएफपी) के माध्यम से की गई थी। नीलामी प्रक्रिया 13 अगस्त 2025 को आयोजित की गई थी, जिसमें लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड की एक सहायक कंपनी, फ्लेर होटल्स प्राइवेट लिमिटेड, विजेता बोलीदाता के रूप में उभरी। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पूरी प्रक्रिया के लिए लेनदेन सलाहकार के रूप में डीडीए की सहायता की।

डीडीए के अनुसार 55 साल की लाइसेंस अवधि में डीडीए को 10 हजार करोड़ रुपये का राजस्व का लाभ होगा। लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड भारत की अग्रणी आतिथ्य कंपनियों में से एक है, जो विभिन्न प्रकार के ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करती है। सालाना 15 लाख से ज़्यादा मेहमानों को सेवा प्रदान करते हुए, लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड भारत और विदेशों के 75 से ज़्यादा शहरों में 110 से ज़्यादा होटलों का संचालन करती है।

दिल्ली में कई जगह पोलों से गायब मिला तिरंगा झंडा

नई दिल्ली। राजधानी में इस स्वतंत्रता दिवस पर जहां दिल्ली सरकार ने 'हर घर तिरंगा' अभियान और तिरंगा यात्राओं के जरिए देशभक्ति का माहौल बनाया, वहीं दिल्ली की सड़कों पर कहीं-कहीं कुछ दृश्य ऐसे भी नजर आए, जिन्होंने लोगों के मन में सरकार के प्रति सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि शनिवार को प्रेमबाडी अंडर पास के निकट पोल पर झंडा नहीं था। इसके अलावा मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन और सिंघु बॉर्डर स्थित श्री गुरू तेग बहादुर स्मारक में परिसर के अंदर लगे पोल पर तिरंगा गायब मिला, जिस पर कभी विशाल राष्ट्रीय ध्वज लहराता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि वैसे तो कभी कभार पोलों पर तिरंगा गायब रहता हैं लेकिन 15 अगस्त जैसी महत्वपर्ण तारीख के निकट सप्ताह भर तो तिरंगा लहराना ही चाहिए था, ताकि आने-जाने वालों में देशभक्ति की भावना जागृत हो। लेकिन अब यह पोल बिना तिरंगे के खामोश खड़े हैं, जो सरकारी व्यवस्था और प्रशासन पर सवाल खड़ा करते हैं। हालांकि दिल्ली सरकार दावा करती है कि इनकी देखरेख और संचालन के लिए फंड की कमी नहीं है।

राजधानी में आई झमाझम बारिश, कई जगह लगा जाम

नई दिल्ली। जन्माष्टमी के दिन शनिवार शाम को कई क्षेत्रों में हुई झमाझम बारिश से एक बार फिर कई जगह जाम के हालात बन गए, वहीं दूसरी तरफ बारिश के चलते दिल्ली वालों को उमस से राहत जरूर मिली। सुबह से ही मौसम का रंग खुशमिजाज बना हुआ था। दिनभर की अठखेलियां करते हुए शाम 5 बजे के करीब अचानक आसमान पर बादल आए और कई क्षेत्रों में झमाझम बारिश होने लगी। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली के कई स्थानों बुराड़ी, बादली, मॉडल टाउन, करावल नगर, आजादपुर, दिल्ली विश्वविद्यालय, सिविल लाइन्स, दिलशाद गार्डन, सीमापुरी, पंजाबी बाग, कश्मीरी गेट, सीलमपुर, शहादरा, विवेक विहार, पटेल नगर, लाल किला, प्रीत विहार, बुद्ध जयंती पार्क, राष्ट्रपति भवन, राजीव चौक, आईटीओ, दिल्ली कैंट, इंडिया गेट, अक्षरधाम, पालम, सफदरजंग, लोधी रोड नेहरू स्टेडियम, आईजीआई एयरपोर्ट, वसंत विहार, आर के पुरम, डिफेंस कॉलोनी लाजपत नगर, वसंत कुंज, हौजखास, कालकाजी आदि जगहों पर बारिश दर्ज हुई। आईएमडी ने बताया कि बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 0.7 डिग्री नीचे है। जबकि न्यूनतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1.5 डिग्री नीचे है। आईएमडी ने बताया कि बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 98 से 71 फीसदी रहा। बारिश के आंकड़े की बात करें तो शनिवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक दिल्ली में 0.2 एमएम बारिश दर्ज की गई। आया नगर में 4.6, रिज में 1.8, लोधी रोड़ में 0.2 और पालम में बारिश दर्ज की गई। वहीं, मौसम विभाग ने रविवार के लिए भी हल्की स्तर की वर्षा होने की संभावना जताई है। इस दौरान आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

वहीं दूसरी तरफ नालों और सीवरों के ओवरफ्लो होने से कई रिहायशी इलाकों में पानी भर गया। यही नहीं, बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बाधित हुई। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऐसे में लोगों को आने जाने में दिक्कत उठानी पड़ी।

दिल्ली में सड़कों पर घूमते आवारा पशु बन रहे लोगों की परेशानी का सबब

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर जहां एक ओर यातायात जाम और प्रदूषण की समस्या आम है, वहीं अब आवारा पशु भी लोगों की बड़ी परेशानी का सबब बन रहें हैं। रोज़ाना हजारों वाहन चालक और राहगीर सड़कों पर घूमते गाय, सांड, और आवारा पशुओं की वजह से परेशान हैं। लोगों का कहना है कि इनके चलते हर दिन कुछ लोग चोटिल हो रहे हैं, जिसकी जानकारी निगम प्रशासन को है लेकिन दिल्ली नगर निगम प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर शांत नजर आ रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों -चाहे वो आउटर रिंग रोड हो, रोहिणी, नरेला, बवाना, बुराड़ी या फिर आजादपुर हो - सड़कों पर आवारा पशुओं का झुंड आसानी से देखा जा सकता है। इनकी वजह से ट्रैफिक की रफ्तार थम जाती है और आए दिन दुर्घटनाएँ भी होती हैं। दिल्ली विधानसभा के इस बीते सत्र में भी विधायक और दिल्ली नगर निगम में कई बार पार्षद भी यह मुददा उठा चुके हैं।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में पंचकोसी ने आयोजित किया टॉक शो, बच्चों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक संस्था पंचकोसी फाउंडेशन ने राष्ट्र भक्ति से संबंधित एक टॉक शॉ आयोजित किया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों के अलावा स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। पश्चिमी दिल्ली के जय विहार में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण से हुई, जिसके बाद देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को भावविभोर कर दिया। इस बारे में फाउंडेशन के अध्यक्ष सुशील कुमार देव ने बताया कि कई स्थानीय संस्थाओं ने उत्सव में सहयोग कर समाज और देशहित में अपनी भागीदारी निभाई। उत्सव के दौरान दो महत्वपूर्ण विषयों आजादी के बाद भारत की ताकत और समाज निर्माण में हमारी भूमिका पर परिचर्चा का आयोजन हुआ। इसमें डॉ. शंभू नाथ शास्त्री, नरेंद्र कोठारी, आनंद झा, केपी पाठक, अनिल चतुर्वेदी, अखिलेश सिंह, मनीष राठौर, बीआर विश्वकर्मा, रमन शर्मा और संजय पांडेय जैसे गणमान्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

ना करें किसी से तुलना
आप स्वयं हैं अनमोल

कई लोग हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और खुद को कमतर आंकते हैं। ऐसे लोग न जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं और न ही खुश-संतुष्ट रहते हैं। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आपको अपना नजरिया बदलना होगा। ऐसा कैसे कर सकते हैं, जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कई लोग यह सोचकर हमेशा परेशान और दुखी रहते हैं कि वे दुनिया से पिछड़ गए। ऐसा अकसर वही लोग करते हैं, जिन्हें यह आभास नहीं कि हम ईश्वर की अनमोल कृति हैं। प्रकृति ने हमें अतुलनीय गुण दिए हैं। दुनिया का कोई भी सजीव दूसरे सजीव से हूबहू मेल नहीं खा सकता।

तुलना है निरर्थक

इस बात को समझ लेना जरूरी है कि आप इस ब्रह्मांड में अपने जैसे अकेले ही हैं। इसलिए दूसरों से तुलना करना या उनके जैसा बनने की कोशिश करना व्यर्थ की मशक्कत है। इसमें अपना समय, श्रम, धन और ऊर्जा का अपव्यय करने की बजाय स्वयं को निरंतर निखारने के जतन करें। आम का स्वाद या आकार केले जैसा हो या अमरूद का स्वाद संतरे जैसा हो तो क्या आप इसे कभी सच्चे मन से स्वीकार कर पाएंगे? आप करेले को उसकी कड़वाहट के साथ उसके गुणों के कारण ही तो स्वीकार करते है।

एक तरह का भ्रम है परफेक्शन

परफेक्शन यानी संपूर्णता एक ऐसी भावना है, जो हमें निरंतर परेशान करती है। लेकिन इसे कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस पल आप स्वयं को किसी भी मायने में पूर्ण करते हैं, वह अगले ही पल बदली हुई परिस्थितियों और समय के कारण अपूर्ण या पुरातन हो जाता है। संसार में बुराई, दुख और अपूर्णता अपरिहार्य हैं। दुख ऐसी भावना है, जो हर व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी रूप में अनुभव होती ही है। अपूर्णता जीवन की मूलभूत सच्चाई है, जो हमें सिखाती है कि कुछ भी पूर्ण नहीं होता। बुराई और कमियां इस संसार में अंतर्निहित हैं। लेकिन धार्मिकता, पवित्रता और सरलता जैसे गुणों को विकसित करके उच्च अवस्था प्राप्त की जा सकती है। इस प्रक्रिया में अच्छे गुणों को प्राप्त और विकसित करके हम स्वयं को सुखी बना सकते हैं।

जीवन के अंग अच्छा-बुरा

हमारे व्यक्तित्व और जीवन में अच्छाई के साथ-साथ बुराई भी मौजूद होती है। किंतु हमें उन बुराइयों को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को संवारने के लिए हमें मूर्तिकार की तरह काम करना पड़ता है, जो अपनी मूर्ति बनाने के लिए पत्थर को काटता है, अनुपयोगी या अतिरिक्त पत्थर को छांटकर, छीलकर, रगड़ कर, घिसकर उसे एक सुंदर आकार देता है। हम चाहे जितनी किताबें पढ़ लें और चाहे जितने ज्ञानी हो जाएं, लेकिन यह ज्ञान अगर हमारे जीवन में नहीं उतरता है, उसे प्रभावित, निर्देशित या निर्धारित नहीं करता है तो यह सब बेकार है।

भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी

कई बार आप अचानक इधर-उधर की बातें सोचकर, किसी की सफलता, समृद्धि या सुख को देखकर विचलित या दुखी हो जाते होंगे। स्वयं को कोसते हुए एक अनजान अपराधबोध से घिर जाते होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपनी भावनाओं पर बारीकी से नजर रखिए। आपकी विवेकशीलता ही इस भावनात्मक प्रभाव को रोक सकती है। यह क्षमता आपको स्वयं हासिल करनी होती है। जब आप दुखी करने वाली भावनाओं को पहचानना सीख लेते हैं तो खुश होने के

असर बढ़ने लगते हैं। आप तनाव और गुस्से में हों तो सोचिए कि इसकी मूल वजह क्या है? इसके पीछे कौन-सी चीज, व्यक्ति या स्थिति है? फिर यह विचार कीजिए कि वह क्या चीज है, जो आपको दूसरों से अलग बनाती है? यह ताकत आपको अनावश्यक गुस्से से बचाएगी और कोई वाजिब कारण है तो उसे दूर करने का मौका देगी।

अतीत जैसा है आज का दौर

तुलना चाहे जैसी भी क्यों ना हो, व्यर्थ और निरर्थक ही होती है। चाहे वह व्यक्ति के संबंध में हो या समय और परिस्थिति के संबंध में हो। कुछ लोगों को अकसर यही सोचकर दुखी और परेशान होते देखा जा सकता है कि पुराना जमाना बहुत अच्छा था। उनका मानना रहता है कि उस समय के लोग और परिस्थितियां अच्छी थीं, तब चीजें सस्ती होती थीं, लोग मिलनसार और सहयोगी थे, लूटपाट, चोरी और डकैती नहीं होती थी। यह एक गलतफहमी है कि दुनिया कभी बहुत अच्छी थी। जिस समय के लिए आप यह सब सोचते हैं, उस समय के लोग भी यही सब सोचते थे कि उनसे पहले की दुनिया अच्छी होती थी। आप किसी भी युग का इतिहास या साहित्य पढ़ लीजिए, उस समय के अत्याचारी राजा महाराजा, बादशाह, सेठ साहूकारों के लूट और शोषण के किस्से, गरीबी का आलम और महंगाई की दास्तान पढ़ने को मिल जाएगी। लुटेरे, धोखेबाज, अपराधी, लालची मित्र, कंजूस मालिक और ईर्ष्यालु रिश्तेदार या पड़ोसी हर जमाने में रहे हैं। भगवान राम का जमाना हो या श्री कृष्ण का, हरिश्चंद्र का जमाना हो या मुगल बादशाह अकबर या फिर ब्रिटिश काल, हर युग में खलनायक हुए हैं। हमारा मन ही कुछ ऐसा है, जो हमेशा बीते हुए कल में या दूसरों में परफेक्शन और सुख ढूंढता है। दुनिया में हर समय मुट्ठी भर लोग ही बहुत अच्छे और मुट्ठी भर लोग ही बहुत बुरे हुए हैं। बाकी के लोग तो हमारी और आपकी तरह सामान्य इंसान रहे हैं। इन दुश्चिंताओं, उलझनों और बेचैनी से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है, तुलना न करके अपने मन-जीवन का ध्यान खुद रखना।

सबसे जरूरी रखें धीरज

बचपन से माता-पिता और गुरु हमेशा एक ही बात सिखाते रहे हैं, धैर्य रखना और मन को शांत रखना। याद करिए, बचपन में आप परीक्षा देने जाते थे तो मां या पिताजी यही कहते थे, पेपर ठीक से पढ़ना। कठिन लगे तो घबराना मत। बार-बार प्रश्न पढ़ना। प्रश्न समझ में आए तो उत्तर लिखना। यही मुश्किल परिस्थितियों से निपटने का अचूक फार्मूला है। आपको अपना मन शांत करने के लिए खुद पर निर्भर रहना है ना कि दूसरों पर।

परिवर्तन को स्वीकार करें

आपको अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद ही लेनी होगी। जीवन सहज परिवर्तनों की एक श्रंखला है। इन परिवर्तनों को सहज भाव से स्वीकार करें। इनका विरोध करने या इनसे पलायन करने पर सिर्फ दुख ही महसूस होता है। वास्तविकता को स्वाभाविक समझकर अपने जीवन की रणनीति तैयार करें। परिवर्तनों के लिए किसी भी व्यक्ति या किस्मत को दोष न दें। इसके लिए आपको हर रोज कुछ पल अपने साथ बिताने होंगे। एकांत में चिंतन करना होगा। *

करते रहें आत्मविश्लेषण

इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि लोग आपके कितने खिलाफ हैं या कितने लोग आपके समर्थन में हैं? आपको अपने आपको दृढ़ रखते हुए सही दिशा में कार्य करना होगा। आपको स्वयं से पूछना होगा कि मैं क्या हासिल करना चाहता हूं और उसके लिए क्या कर रहा हूं? जो कर रहा हूं, उसमें क्या त्रुटियां हैं, जिन्हें दूर करना है? बस फिर आपको सभी बाहरी चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा।

नेचर है पावरफुल मेंटल हीलर

यह सच है कि आज की आधुनिक जीवनशैली में लोग तकनीक के जाल में उलझकर, नेचर से दूर होते जा रहे हैं। इसी वजह से लोग मेंटल प्रॉब्लम्स की गिरफ्त में आ रहे हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें नेचर के करीब जाना होगा।

लाइफस्टाइल
बुशरा फातमा

आस-पास फैली हरियाली, नदी, समंदर, झरने न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं बल्कि ये हमारे मन को हील करने में भी मददगार साबित होते हैं। आज दुनिया जिस सोशल मीडिया के जाल में फंसती जा रही है, उस वजह से हर दूसरा इंसान अकेलेपन से जूझ रहा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ टेक्नोलॉजी हमें चांद तक पहुंचा रही है, दूसरी तरफ हमारे पास एक अदद कोई अपना नहीं, जिससे हम अपने मन की बात कह सकें। आभासी दुनिया में भले ही ढेरों फ्रेंड्स हों लेकिन वास्तव में कोई ऐसा दोस्त नहीं मिलता, जिसे

हम अपना कह सकें। देश-दुनिया में डिप्रेशन के मामले और इसकी वजह से आत्महत्याएं इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स डिप्रेशन को एक महामारी मानने लगे हैं।

नेचर की ओर करें रुख

हेल्थ और फिटनेस कंसल्टेशन के लिए डब्लूआईबीए अवार्ड विनर प्रमिला ओल्सन मुंबई की सेटल्ड लाइफ छोड़कर नीलगिरि की पहाड़ियों में आशियाना बनाकर रहने लगीं। दरअसल, शोर-शराबा, दौड़-भाग और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से एक तरह का मानसिक दबाव महसूस होने लगता है, जिसकी वजह से प्रमिला को लगा कि अगर जिंदगी को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अब हर इंसान इतना बड़ा निर्णय तो नहीं ले सकता कि वो एक सेटल्ड लाइफस्टाइल को बदल ले, इसलिए अगर आपके आस-पास एक पार्क भी है तो दिन का थोड़ा वक्त वहां जरूर बिताइए। प्रामिला बताती हैं कि आजकल के डिजिटलाइजेशन के युग में लोग बहुत अकेले हो गए हैं और उन्हें कोई एक चीज बचा सकती है तो वो है प्रकृति।

मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी

आज के दौर में लोगों पर बढ़ता वर्कलोड और बढ़ता तनाव, इस बात का इशारा कर रहा है कि अगर जीवन को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब जाना बहुत जरूरी है। खासतौर पर वर्कप्लेस का स्ट्रेस युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है। यही वजह है कि आजकल बहुत से लोग अच्छी-खासी जॉब छोड़ कर किसी पहाड़ी या समंदर के किनारे वाली जगह शिफ्ट हो रहे हैं। वास्तव में नेचर में एक हीलिंग पावर होती है। इसलिए बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए नेचर से कनेक्टेड रहना बहुत जरूरी है। नेचर हमें फ्रेश, एनर्जेटिक और मेंटली हेल्दी बनाती है।

मिलता है सुकून-शांति

जीवन की भाग-दौड़ में अगर कोई चीज हम से छिन गई है तो वो है हमारा सुकून। प्रकृति के पास जाकर थोड़ा समय बिताने से हमें खुद को जानने-समझने का मौका मिलता है। वरना मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हम खुद के अस्तित्व को भूलते जा रहे हैं। प्रकृति हमारा मन शांत करती है और हम जीवन को नए नजरिए से देख पाते हैं।

गार्डनिंग से मिलती है तनाव से मुक्ति

अगर आपके पास समय का अभाव है तो नेचर के करीब जाने की शुरुआत अपने घर के गार्डन से कीजिए। नए-नए फूलों वाले पौधे लगाइए। किचेन के लिए कुछ हर्ब्स उगाइए। ये छोटी-छोटी आदतें हमें तनाव से बचाने में मदद करती है। भले ही ये शौकिया हों लेकिन इतनी देर आप प्रकृति से जुड़े रहेंगे, जो बिना किसी दवा और डॉक्टर के आपके स्ट्रेस को कम कर देगा।

नेचर के करीब करें वर्कआउट

जिम जाकर ट्रेडमिल पर भागने से अच्छा है, वर्कआउट के लिए किसी खुले और पेड़-पौधों से घिरे जगह का चुनाव करें। कानों में हेडफोन लगा कर

दौड़ना भले ही फैशन हो लेकिन अगर आप रनिंग या जॉगिंग कर रहे हैं तो प्रकृति को सुनने का प्रयास कीजिए। ये हमें मानसिक रिलैक्सेशन देता है। आज हम सब जिस तरह के आक्रामक और अशांत मानसिकता के बनते जा रहे हैं, वहां सिर्फ प्रकृति के पास ही वो पावर है, जो हमें शांत-चित्त रख सकती है। *

कविता
विक्रम सिंह

मछलियां और हम

मछलियां जमीं पर
नहीं लेती सांस
और हम,
नभ के नीचे
घुटने को अभिशप्त हैं।
जंगलों की लाश पर
उठते हैं हमारे महल,
हर ईंट में कैद है,
एक सूखी सांस।
एक वक्त आएगा...
जब हवाएं भी पराई होंगी,
और हम
मछलियों की तरह,
अपनी ही धरती पर
मुरझा जाएंगे।

व्यंग्य / यशोधरा भटनागर

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं। 'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है।

लुढ़कते लोटे

साफ-सफाई के दौरान कुछ पुराने बर्तनों में पीतल का लोटा हाथ आ गया। मैंने उसे नीचे रखा तो यहां-वहां लुढ़कने लगा। उसे तो अपनी बनावट के कारण लुढ़कना ही था, लेकिन हमें हिंदी की कक्षा में पढ़ाया गया मुहावरा जरूर याद दिला गया, 'बिन पेंदी का लोटा।'

याद आया स्कूल में तो यह भी दूसरे मुहावरों जैसे ही रट लिया था जैसे 'गले का हार होना' या 'चिकना घड़ा होना', परंतु आज हमारे अंदर बैठे लेखक नामक जीव ने गूढ़ार्थ में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दिया।

डुबकियां लगाते-लगाते ज्ञान प्राप्त हुआ कि आज के समय में बिन पेंदे का लोटा कोई मुहावरा नहीं, बल्कि खरपतवार की तरह फलती-फूलती एक प्रजाति है, जो राजनीति में, टीवी डिबेट में, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी में और मोहल्ले की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक हर जगह मौजूद है।

पहले यह गुण नेताओं ने अपनाया। कहा जाता 'वो नेता बिन पेंदे का लोटा है, कब किस दल में चला जाए, कहा नहीं जा सकता।'

गौर कीजिए एक नेता का वार्तालाप-

'मैं नैतिकता के आधार पर पार्टी छोड़ रहा हूं।'

'क्यों नेता जी?'

'इस पार्टी में नैतिकता बची ही कहां है भैया, इसीलिए।'

'तो किस पार्टी में जाओगे?'

'जहां मंत्री पद मिलेगा, वहीं नैतिकता भी मिल जाएगी।'

नेता अगर पत्ता भी तोड़ता है, तो पहले हवा का रुख देखता है। गिरेगा तो उसी दिशा में, जहां ट्रेंडिंग हो। कल तक जो पार्टी उनकी निगाहों में 'गुलाम मानसिकता' की थी, आज वहां जाकर बोलते हैं, 'मैं राष्ट्रसेवा के लिए आया हूं।'

आजकल नैतिकता के जी.पी.एस. विहीन लोटों की कमी नहीं है। अब ये लोटे केवल राजनीति में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी हैं। ये लोटे अब केवल पानी नहीं ढोते, ये व्यूज, लाइक्स और ब्रांड डील्स भी ढोते हैं। ये बिन पेंदी के लोटे डूबते-उतराते रीलों की लहर पर खूब बह रहे हैं।

एक गुरुजी ने पहले कहा, 'हम नई पीढ़ी को आलोचनात्मक चिंतन सिखाएंगे।'

जब बच्चे सरकार से सवाल करने लगे तो गुरु जी बोले, 'नालायक बन गए हैं, संस्कृति खत्म कर दी।'

अब वही गुरुजी पेड वेबिनार में 'नेशनलिज्म और योगा' पढ़ा रहे हैं, क्योंकि वही ट्रेंडिंग है। इन्हीं के चलते नैतिकता अब कूपन कोड बन गई है, मौके पर डालो, डिस्काउंट मिल जाएगा।

जब हम मीडिया के लोटे का पेंदा ढूंढने लगे तो ढूंढते रह गए। पहले कहते थे 'हम सत्ता की आंख में आंख डाल कर सच बोलेंगे।' अब सच को आंख-मिचौली का खेल बना दिया है।

आम जनता विलाप करती है, 'महंगाई हमें रुला रही है।'

रिपोर्टर पूछती है, 'लेकिन एक्ट्रेस की ड्रेस पर आपका क्या कहना है?'

बेरोजगार युवा कहते हैं, 'हमें नौकरी चाहिए।'

रिपोर्टर कहती है, 'एक बाबा ने जल में से निकाली सोने की मछली।'

गरीब गिड़गिड़ाता है, 'हमें राशन चाहिए साहब।'

रिपोर्टर उत्साहित होकर बताती है, 'देखिए, मंत्री जी की पोती ने गाया ऐसा मार्मिक देशभक्ति गीत, देश हुआ गौरवान्वित।'

महिला घबराकर कहती है, 'सड़क पर रोशनी नहीं है, डर लगता है।'

रिपोर्टर कहती है, 'देखिए, किस सेलिब्रिटी ने खरीदी तीन करोड़ की कार!'

एक समय था, जब कहा जाता था 'व्यक्ति को बिना पेंदे का लोटा नहीं होना चाहिए। बर्तन बड़ा या छोटा हो पर पेंदे वाला हो।' लेकिन आजकल हर कोई सोचता है, 'अगर लोटा बनेंगे, तो बहाव में चलेंगे। और बहाव वहीं है, जहां पावर है।'

अगर महाभारत आज लिखा जाता, तो शकुनि अपने भांजे दुर्योधन से कहता, 'मैं पांडवों का स्थायी दुश्मन नहीं हूं, राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर पांचों पांडव ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं, तो मैं भी उनकी तरफ चला जाता हूं।'

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं।

'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है। सिर्फ एक चीज स्थिर है और वो है अस्थिरता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत का बहुविध रचनाकर्म

करीब डेढ़ सौ पुस्तकों के रचनाकार उद्भ्रांत का रचना संसार बहुत विस्तृत है। उनके रचनाकर्म के विभिन्न आयामों पर अनेक आलोचकों के द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक 'उद्भ्रांत का रचनाकर्म' कुछ समय पूर्व कैलाश बाजपेयी के संपादन में प्रकाशित होकर आई है। इसके पहले खंड में 19 आलोचनात्मक लेख हैं, जबकि दूसरे खंड में हरभजन सिंह मेहरोत्रा द्वारा उद्भ्रांत पर लिखा गया संस्मरण और शहंशाह आलम द्वारा लिया गया उद्भ्रांत का साक्षात्कार भी संकलित है। उद्भ्रांत की प्रसिद्ध रचना 'रुद्रावतार' पर डॉक्टर आनंद सिंह लिखते हैं, 'उद्भ्रांत की विशेषता यह मानी जानी चाहिए कि उन्होंने आधुनिक कविता के गद्याभासी समकालीन समय में मिथकाभासी छांदस कविता रचकर संश्लिष्ट सर्जनाशक्ति का परिचय दिया है, जो आजकल विलुप्त हो गई प्रवृत्ति है।'

शहंशाह आलम के द्वारा पूछे गए एक सवाल पर उद्भ्रांत का यह कथन उनकी लेखकीय प्रतिबद्धता को प्रकट करता है, 'हर कवि अपनी कविता का मुहावरा स्वयं खोजता है।' कह सकते हैं कि यह किताब उद्भ्रांत के रचनाकर्म को समझने का रास्ता मुहैया कराती है। *

पुस्तकः उद्भ्रांत का रचनाकर्म (आलोचना),
संपादकः कैलाश बाजपेयी, **मूल्यः** 245 रुपए,
प्रकाशकः नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

मारपीट के मामले में दो आरोपी धराए

फरीदाबाद। घर पर कब्जा और मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना कोतवाली में गुरूचरन वासी एन आई टी फरीदाबाद ने शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि 13 अगस्त को उसके पडोसी ने बताया कि कुछ लोग उसके घर का ताला तोड़ रहे है और सामान उठा कर ले जा रहे है। अपनी दुकान पर काम करने वाले दो लड़को के साथ घर पहुंचा तो देखा 5-6 लोग उसके घर में घुसे हुए थे ।

साइबर ठगों को बैंक खाता बेचने वाला गिरफ्तार

गुरुग्राम। साइबर अपराध थाना पूर्व की पुलिस ने साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराने वाला एक आरोपी 11 अगस्त को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से दो मोबाइल, 25 सिम कार्ड, बैंक की सात पासबुक, दो चैक बुक और सात डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। तीन दिन के रिमांड के बाद पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान लुधियाना के केशव नगर निवासी पंकज कुमार (21 वर्ष) के रूप में हुई है।

पार्ट टाइम जॉब के नाम पर 93 हजार रुपए की ठगी

गुरुग्राम। जालसाजों ने एक युवक को पार्ट टाइम नौकरी करने के नाम पर 93 हजार रुपए की ठगी की है। जालसाजों ने मुनाफा कमाने का झांसा देकर सात बारे में रुपए ट्रांसफर कराए थे। पीड़ित युवक की शिकायत पर साइबर अपराध थाना मानेसर में शिकायत दर्ज है। छपरा (बिहार) के तवकली गांव निवासी प्रकाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मानेसर क्षेत्र स्थित एक कंपनी में नौकरी करता है और नाहरपुर गांव में किराए पर रहता है। उसने बताया कि 2 अगस्त को टेलीग्राम ग्रुप में ऑनलाइन नौकरी करने का मैसेज मिला था।

यदुवंश कल्याण समिति ने जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन मूल्यों, आदर्श कर्म व संदेश का विद्यार्थियों ने किया गीत-संगीत, गायन, नृत्य कला से प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

उदयांचल यदुवंश कल्याण समिति ने शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव किसान टिम्बर, स्वरूप पार्क के प्रांगण में हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया ।

कार्यक्रम में बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन मूल्यों, आदर्श कर्म व संदेश को गीत-संगीत गायन नृत्य उद्बोधन कला प्रदर्शन के माध्यम से बड़े ही सुंदर और रोचक तरीके से प्रदर्शित किया। उपस्थित सैकड़ों दर्शकों ने बार बार तालियां बजाकर उनके हौसले को बढ़ाते रहे। भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए संस्था के संस्थापक संरक्षक एवं सलाहकार एस एस प्रसाद ने बताया कि समिति द्वारा पिछले 8 सालों से यह कार्यक्रम मनाया जा रहा है।

खास बातें

- महोत्सव में श्रीकृष्ण के जीवन मूल्यों, आदर्श कर्म व संदेश को कला के माध्यम से पेश किया गया

कार्यक्रम के अंत में प्रसादी सभी लोगों को वितरित की

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजवादी नेता राम दुलार यादव, श्रीमति भानुश्री यादव गायिका, जितेन्द्र यादव, किशनपाल यादव ने श्रीकृष्ण के आदर्शों से अपने जीवन में सीख लेने के लिए प्रेरित किया। मंच का संचालन कृष्णानंद यादव, भानु प्रकाश यादव और विनोद यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीनिवास यादव, विश्वनाथ यादव, अजित यादव, शिवदरस यादव, डॉ. रमोद यादव, डॉ. के पी यादव, आर एन यादव, ठाकुर प्रसाद यादव, दीनानाथ यादव, धर्मेंद्र यादव, रामप्रवेश यादव, संजय यादव, जीतन यादव, रंग लाल यादव, दीनानाथ राय, शैलेंद्र राय, देवमन यादव, कृष्णा यादव, अनेकों गणमान्य महिलाएं में फूलमति यादव, उषा प्रसाद, पूनम यादव, दुर्गा यादव, बलकेशा यादव, आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत आयोजित भंडारे का प्रसाद ग्रहण सभी उपस्थित लोगों ने किया।

बोले, आज के समय में भगवान श्री कृष्ण का चरित्र सर्वाधिक मानने योग्य

भगवान कृष्ण ने हमें सिखाने के लिए की सारी लीलाएं: मंत्री नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर ने आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर दर्जनों मंदिरों और महोत्सवों में जाकर पूजा अर्चना की और शहरवासियों के कल्याण के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि भगवान ने एक मानव के शरीर में आकर समस्त लीला हमें सिखाने के लिए की। भगवान को स्वयं के लिए कुछ करने की जरूरत नहीं है बल्कि वह अपने लीला चरित्र द्वारा हमारा मार्गदर्शन करना चाहते थे।

हम सबको श्रीकृष्ण के चरित्र से प्रेरणा लेना चाहिए

उन्होंने कहा कि आज का दिन भगवान के चरित्र को खुद धारण करने का दिन है। हम सभी को भगवान श्री कृष्ण के चरित्र से प्रेरणा लेना चाहिए कि कैसे एक बेटा, एक भाई, एक गुरु, एक रक्षक, एक राजा, एक नीतिवान व्यक्ति को रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान का अवतार बेशक 5000 साल से पूर्व हुआ लेकिन उनका चरित्र आज भी हमारे लिए प्रासंगिक हैं। मंत्री राजेश नागर ने श्री सिद्धदाता आश्रम में आयोजित महोत्सव में भागीदारी की और पीठाधिपति जगदगुरु स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि सिद्धदाता आश्रम में आकर आध्यात्मिक ऊर्जा स्वतः ही व्यक्ति पर कृपा करने लगती है।

भक्तों ने एक दूसरे को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी

मंत्री राजेश नागर एनआईटी पांच स्थित बांके बिहारी मंदिर और सेक्टर 37 स्थित इस्कॉन मंदिर भी गए और भगवान का जलाभिषेक करवाया। इसके अलावा खेड़ी पुल मंगल बाजार, आगमन सोसायटी सेक्टर 70, श्री राधा गोविंद धाम गीता भवन अशोका एनक्लेव, श्री राम मंदिर सेवा समिति बीपीटीपी सेक्टर 76, शिव मंदिर सेक्टर 76, वृंदावन बैंक्विट हॉल रघुनाथ सेवा समिति बल्लभगढ़, हैबिटेट सेक्टर 78, प्राचीन हनुमान मंदिर सेक्टर 84, सेक्टर 85 सोसाइटी, हनुमान मंदिर नवादा गांव, सेक्टर 82 समिति, शिव शक्ति मंदिर सेक्टर 28, सेक्टर 29, श्री कृष्ण नवग्रह मंदिर सेक्टर 31 आदि जगहों पर भी उपस्थित भक्तों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देने पहुंचे।

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

पेंट गोदाम में गैस लीक होने से लगी आग

गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम में शनिवार को दो स्थानों पर आग लगने अफरा-तफरी मच गई। पहली घटना में अतुल कटारिया चौक के पास एयरफोर्स स्टेशन के एम्युनेशन डिपो से कुछ मीटर दूर एक पेंट गोदाम में आग लग गई। वहीं, मानेसर क्षेत्र में एचसीजी पाइप लाइन से गैस लीक होने आग की लपटें उठने लगी थी। दोनों स्थानों पर आग की सूचना मिलते ही दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गई और आगम पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि दोनों घटनाओं में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। हालांकि पेंट गोदाम में रखा काफी सामान जलने से नुकसान हुआ है। शनिवार सुबह करीब 10.30 बजे भीमनगर फायर स्टेशन को सूचना मिली थी कि एयरफोर्स के एम्युनेशन डिपो के 900 मीटर दायरे में बसी शीतला कॉलोनी स्थित एक पेंट गोदाम में आग गल गई। यहां सारा ज्वलनशील कैमिकल रखा हुआ है। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आसपास के क्षेत्र में धुआं व आग की लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं। दमकल विभाग की टीमों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर अधिकारियों के अनुसार यहां सैकड़ों कैमिकल के ड्रम रखे हुए थे जिनके कारण आग तेजी से फैली, हालांकि आग पर काबू पा लिया गया है।

वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री श्रीमती सीमा त्रिखा ने नीलम चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण किया। इस अवसर पूर्व मंत्री श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व राजनीति परिपेक्ष से ऊपर उठकर था। जिसकी वजह से लाखों, करोड़ों लोग आज भी उन्हें याद करते है। श्रीमती त्रिखा ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और एक महान राजनेता रहे। उनका निधन 16 अगस्त 2018 को हुआ था। वे भारतीय राजनीति के उन चुनिंदा नेताओं में से एक थे, जिन्हें उनके विरोधी भी सम्मान देते थे। वे भारतीय राजनीति के एक ऊंचे शिखर थे, वे एक ओजस्वी वक्ता, प्रखर राष्ट्रवादी और सर्वमान्य नेता। अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में हुआ था। उनके पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी एक शिक्षक और कवि थे, जिसका प्रभाव अटल जी के जीवन पर भी पड़ा। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर के विक्टोरिया कॉलेज (अब लक्ष्मीबाई कॉलेज) से पूरी की और इसके बाद कानपुर के डीएवी कॉलेज से राजनीति विज्ञान में एमए की डिग्री हासिल की। छात्र जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और भारत छोड़ो आंदोलन में भी भाग लिया। उन्होंने न सिर्फ राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई बल्कि एक कवि और पत्रकार के रूप में भी खूब ख्याति अर्जित की।

9 लाख नब्बे हजार रुपये की ठगी, खाताधारक पकड़ाया

फरीदाबाद। टेलिग्राम के माध्यम से 9, 90,880 रुपए की ठगी करने के मामले में साईबर थाना सैंट्रल की टीम ने आरोपी खाताधारक को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना सैंट्रल में सेक्टर-16 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि 7 जून 2024 को उसके पास व्हाट्सएप पर मैसेज प्राप्त हुआ जिसमें गुगल पर रेटिंग करके पैसे कमाने के बारे कहा गया था। जिसके बाद उसकी बाते ठगों से टेलिग्राम पर हुई फिर उसे एक टेलिग्राम ग्रुप में जोड़ा गया। जिसके बाद उसे टास्क मिलने शुरू हुए और विभिन्न टास्क के लिए उसे कुल 15850 रुपए प्राप्त हुए। फिर शिकायतकर्ता को पैड टास्क के बारे में बारे में बोला गया जिसका भुगतान उसके द्वारा कर दिया गया और वह टास्क करता रहा। उसे कहा गया कि उसने टास्क पूरा करने में गलती कर दी जिसके लिए उससे पूरा धन वापिस पाने के लिए कुछ और रुपए उनके पास भेजने होगे। ऐसा करके उन्होने शिकायतकर्ता से कुल 9,90,880 रूपए ठग लिए। जिस शिकायत पर साइबर थाना सैंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

मछली खाने को लेकर हुई आपस में कहासुनी

शराब पीने के दौरान हुआ झगड़ा, लोहे के सरिए और पत्थर से मारकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

पटौदी रोड पुलिस चौकी एरिया में शराब पीने के दौरान हुए झगड़ा में निर्माणाधीन इमारत में पीओपी का काम करने वाले युवक की उसके साथी ने लोहे के सरिए और पत्थर से हमला करके हत्या कर दी। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जानकारी जुटाई। शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मृतक की पहचान अंबेडकर नगर (उत्तर प्रदेश) के मंजरिया गांव निवासी पप्पू (35 वर्ष) के रूप में हुई। मृतक पप्पू के परिवार में पत्नी के अलावा चार बच्चे हैं, जिनमें तीन लड़कियां और एक लड़का है। पुलिस जांच में सामने आया कि धर्मेंद्र नाम के व्यक्ति ने गांधी नगर की बैंक वाली गली स्थित एक निर्माणाधीन इमारत में पप्पू (मृतक), उमेश व राजेश को पीओपी करने का काम दिया हुआ था।

जांच में जुटी पुलिस

तीनों कई दिनों से इमारत में पीओपी कर रहे थे और उसी में रह रहे थे। बीते बृहस्पतिवार की रात पप्पू ने उमेश व राजेश के शराब का सेवन किया था। इस दौरान पप्पू व उमेश में मछली खाने को लेकर कहासुनी हो गई, जोकि बाद में मारपीट में बदल गई। राजेश ने दोनों के बीच हुए झगड़े में बीच-बचाव करके सुलझा दिया और वे तीनों इमारत की तीसरी मंजिल पर ही सोने लगे।सुबह करीब 7 बजे पटौदी रोड पुलिस चौकी को निर्माणाधीन इमारत में युवक की हत्या किए जाने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस, फिंगरप्रिंट और एफएसएल की टीमें मौके पहुंची और निरीक्षण करके साक्ष्य जुटाए। निरीक्षण करने पर पता चला कि युवक पर लोहे के सरिए और पत्थर से हमला करके हत्या की गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पप्पू (मृतक) के साथ कमरे में रहने वाले उसके गांव के ही राजेश ने पुलिस को पप्पू व उमेश के बीच रात को हुए झगड़े के बारे में बताया। जांच में सामने आया कि उमेश ने पप्पू की हत्या की है और मौके से भाग गया। वारदात के बाद आरोपी उमेश ठेकेदार के करीब 45 हजार रुपए लेकर भाग गया।जांच अधिकारी का कहनाजांच अधिकारी व पटौदी रोड चौकी के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि मृतक पप्पू के भाई अनिल की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी उमेश की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

डीपीजी आईटीएम कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

गुरुग्राम। सेक्टर 34 में स्थित डीपीजी आईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज ने 15 अगस्त 2025 को 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सेना से रिटायर्ड मेजर जनरल डॉ रणजीत सिंह के द्वारा ध्वजारोहण से हुई, जिसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाया। मेजर जनरल सिंह ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें स्वतंत्रता और लोकतंत्र की रक्षा के महत्व की याद दिलाई। ऑपरेशन सिंदूर के समय किस तरह से हमारे देश के सैनिकों ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त कर आतंकी चैकियों को तबाह किया और सुरक्षित भारतीय सीमा में वापस आ गए। मेजर जनरल सिंह ने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि जिस तरह से हमारे देश के जवान भारतीय सीमा पर हमारी सुरक्षा कर रहे हैं उसी तरह हमें अपने देश और समाज के भीतर रह रहे दुश्मनों हतोत्साहित कर उन्हें नष्ट करना है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ऑपरेशन सिंदूर एक्ट पर आधारित नाट्य प्रस्तुति रही, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, समर्पण और बलिदान का प्रभावशाली चित्रण किया गया। इस प्रस्तुति को दर्शकों से जोरदार तालियां मिलीं और सभी के मन में देश के रक्षकों के प्रति गर्व की भावना जागृत हुई। कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, नृत्य

और कविता पाठ शामिल थे, जिन्होंने मातृभूमि के प्रति प्रेम को अभिव्यक्त किया। रजिस्ट्रार टीआर नरूला जी ने मुख्यअतिथि, संस्था के पदाधिकारियों और प्राध्यापकों का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। समारोह का समापन सभी उपस्थित लोगों को मिठाई वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के डीन डॉ मुकेश यादव, डॉ सारिका, टीपीओ स्वाती भारद्वाज, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ पूनम शर्मा, दीपिका कालरा, नेहा शर्मा, वंदना कौषिक, रीटा, रश्मि वर्मा, डॉ सोनू राणा, डॉ सोनिका, डॉ शालू खंडेलवाल, अभि बंसल, डॉ पायल जिंदल, आशीष ढिल्लन, हरदीप ठाकरान, धर्मबीर यादव, विकास वधावन, प्रीतम ठाकरान, राजबीर सहित अन्य मौजूद रहे।

कार से कूदा युवक, मौत, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

बजघेड़ा थाना क्षेत्र में उधार दिए गए रुपयों को लेकर युवक से मारपीट करके हत्या करने मामले में पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। रुपयों को वापस लेने के लिए आरोपियों ने युवक को जबरदस्ती कार में बैठाकर उसके साथ मारपीट की थी। आरोपियों के चंगुल से बचने के लिए युवक चलती कार से कूद गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। दोनों आरोपी शनिवार को अदालत में पेश करके जेल भेज दिए हैं। मृत युवक की पहचान गुरुग्राम के अशोक विहार फेज-3 एक्सटेंशन निवासी अजय तिवारी के रूप में हुई है। मृत युवक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि उसका पति अजय तिवारी एम3एम कंपनी सेक्टर-113 में पैंट्री बॉय के रूप में काम करता था। उसके पति ने 25 अप्रैल को प्रवीण राणा से 30 हजार रुपए उधार लिए थे। प्रवीण राणा ने अजय तिवारी पर राशि के लिए दबाव बनाया और बार-बार धमकी दी। 13 अगस्त की रात को प्रवीण राणा ने अजय तिवारी को एम3एम कंपनी के कार्यालय से बुलाकर जबरदस्ती अपनी कार में बिठाया और रुपये देने के लिए धमकाया। अजय तिवारी की पत्नी ने डर के कारण प्रवीण राणा के खाते में एक हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। प्रवीण राणा ने अजय को छोड़ने का दावा किया था, लेकिन आधे घंटे बाद एम3एम कंपनी में कार्यरत मनीष ने अजय तिवारी की पत्नी (शिकायतकर्ता) इसको सूचना दी कि उसके पति की हालत गंभीर है और उन्हें निजी अस्पताल में ले जाया गया है। अजय की हालत बिगड़ने पर उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में वेंटिलेटर पर भर्ती कराया गया।

पीएम किसान योजना का एप इंस्टॉल होते ही बैंक खाते से कटे 1.04 लाख

गुरुग्राम। साइबर क्राइम मानेसर एरिया में युवक के मोबाइल में पीएम किसान योजना का एप इंस्टॉल करवाकर बैंक खाते से 1,04,800 रुपए निकालने का मामला सामने आया है। एप इंस्टॉल करते ही युवक का मोबाइल हैंग हो गया था। पीड़ित युवक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने साइबर अपराध थाना मानेसर में एफआईआर दर्ज की है। भिंड (मध्य प्रदेश) के चोरई गांव निवासी रमेश सोनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मानेसर स्थित एक निजी कंपनी में काम करता है और फतेहपुर नवादा सेक्टर-89 में रहता है। उनकी कंपनी का एक ग्रुप बना हुआ है। इस ग्रुप में 06 अगस्त को पीएम किसान योजना से संबंधित एप आई थी, जोकि उसके मोबाइल में अपने आप इंस्टॉल हो गई। इसके बाद उसका मोबाइल हैंग हो गया। करीब 30 मिनट बाद मोबाइल सही हुआ तो उसके बैंक खाते से 1,04,800 रुपए कट गए थे। रमेश सोनी ने इसके बारे में हेल्पलाइन नंबर 1930 पर अपनी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मुकेश पुत्र रामजी पताः ए–5/04, फ्लैट पैकेट–सी, सेक्टर–जी 7, नरेला, दिल्ली ने एफआईआर संख्या 917/2021 धारा 356/379/34 भा.द.स. के तहत** थानाः बवाना, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मुकेश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मुकेश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 917/2021 धारा 356/379/34 भा.द.स. के तहत थाना बवाना, दिल्ली के उक्त मुकेश** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सार्थक पंवार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05
नार्थ कोर्ट कमरा नं. 114, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10860/ON/2025

चन्द्र प्रभु इंटरनेशनल लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : 522, 5वां तल, डीएलएफ गैलेरिया कमर्शियल कॉम्पलैक्स, डीएलएफ सिटी फेज IV, गुरूग्राम, हरियाणा–122009
CIN: L51909HR1984PLC133745
Email : info@cpil.com, cs@cpil.com
Website : www.cpil.com

40वीं वार्षिक सामान्य बैठक, बुक क्लोजर, कट ऑफ तिथि, रिकार्ड तिथि और दूरस्थ ई-वोटिंग की सूचना के सम्बन्ध में जानकारी

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि :-

1. मै. चन्द्र प्रभु इंटरनेशनल लिमिटेड (''दि कम्पनी'') के सदस्यों की 40वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम), एजीएम की सूचना में विनिर्दिष्ट अनुसार सामान्य और विशेष बिजनेस का सम्पादन करने के लिये केवल वीडियो कांफ्रेसिंग (''वीसी'') सुविधा / अन्य ऑडियो विजुअल साधनों (''ओएवीएन'') के माध्यम से बुधवार, 10 सितम्बर 2025 को पूर्वा. 11.00 बजे (आईएसटी) आयोजित की जाएगी।
2. कम्पनी मामलों का मंत्रालय द्वारा जारी सामान्य सरकुलर्स 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल 2020, 20/2020 दिनांक 5 मई 2020, 10/2022 दिनांक 28 दिसम्बर 2022, 09/2023 दिनांक 25 सितम्बर 2023 और 09/2024 दिनांक 19 सितम्बर 2024 (सामुहिक रूप से 'एमसीए सरकुलर्स' के रूप में संदर्भित) तथा भारतीय प्रतिभूतियां एवं विनिमय बोर्ड (''सेबी सरकुलर'') दिनांक 12 मई 2020, SEBI/HO/CFD/CFD-PoD-2/P/CIR/2023/167 दिनांक 07 अक्तूबर, 2023 और SEBI/HO/CFD/CFDPoD-2/P/CIR/2024/133 दिनांक 03 अक्तूबर, 2024 के अनुसार। चूंकि एजीएम वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित की जा रही है, कम्पनी वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट के लिंक सहित 40वीं एजीएम की सूचना शनिवार 16 अगस्त 2025 को केवल इलैक्ट्रोनिक मोड के माध्यम से उन सदस्यों को भेज चुकी है जिनके ई-मेल पते कम्पनी अथवा रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट / डिपॉजिटरीज के पास पंजीकृत हैं।
3. इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु कम्पनी को एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट, इनके अलावा 40वीं एजीएम की सूचना और व्याख्यात्मक विवरण कम्पनी की वेबसाइट पर **www.cpil.com** पर और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज जहां कम्पनी के शेयर सूचीकृत हैं अर्थात **www.bseindia.com** पर भी उपलब्ध है। इसकी एक प्रति नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड ('एनएसडीएल') की वेबसाइट पर **www.evoting.nsdl.com** पर भी उपलब्ध है।
4. समय-समय पर संशोधित अनुसार कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियमों 2014 के नियम 20 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 108, सामान्य बैठक पर भारतीय कम्पनी सचिवीय संस्थान द्वारा जारी सचिवालीय मानक-2 और सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन एवं डिस्क्लोजर आवश्यकताएं) नियमों 2015 के नियमन 44 के अनुपालन में, कम्पनी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की इलैक्ट्रोनिक वोटिंग प्रणाली के माध्यम से एजीएम की सूचना में विनिर्दिष्ट अनुसार सामान्य बिजनेस और विशेष बिजनेस के सम्बन्ध में एजीएम से पूर्व और दौरान इसके सदस्यों को ''दूरस्थ ई-वोटिंग'' और ''ई-वोटिंग'' सुविधा प्रदान कर रही है। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि :
   - i. वीसी/ओएवीएम के माध्यम से भाग लेने और एजीएम से पूर्व अथवा दौरान दूरस्थ ई-वोटिंग प्रक्रिया समेत तरीका जिसमें सदस्य भौतिक रूप में शेयरधारण करते हैं अथवा जो अपने ई-मेल पते पंजीकृत नहीं करवा चुके हैं ई-वोटिंग के माध्यम से अपना मतदान कर सकते हैं, हेतु निर्देश 40वीं एजीएन की सूचना के भाग के रूप में उपलब्ध करवाए गये हैं।
   - ii. दूरस्थ ई-वोटिंग रविवार 07 सितम्बर 2025 को पूर्वा. 9.00 बजे आईएसटी प्रारम्भ होगी।
   - iii. दूरस्थ ई-वोटिंग मंगलवार 09 सितम्बर 2025 को अप. 5.00 बजे आईएसटी समाप्त होगी।
   - iv. इलैक्ट्रोनिक साधनों द्वारा मतदान करने के लिए अथवा एजीएम में पात्रता सुनिश्चित करने के लिये कट ऑफ तिथि 03 सितम्बर, 2025 है।
   - v. कोई व्यक्ति, जो कम्पनी के शेयर अर्जन करता हैं और एजीएम सूचना के प्रेषण के पश्चात् कम्पनी का सदस्य बनता है और कट ऑफ तिथि अर्थात् 03 सितम्बर 2025 के अनुसार शेयरधारण करता है, evoting@nsdl.co.in पर एक आग्रह भेजकर लॉगइन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। यद्यपि, यदि कोई व्यक्ति ई-वोटिंग हेतु एनएसडीएल के पास पहले से ही पंजीकृत है तो मतदान करने के लिये मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर सकता है। कोई व्यक्ति जो कट ऑफ तिथि के अनुसार सदस्य नहीं है, एजीएम की सूचना को केवल जानकारी के प्रयोजन हेतु माने।
   - vi. सदस्य ध्यान दें कि : ए) दूरस्थ ई-वोटिंग मॉड्यूल उपरोक्त तिथि व समय के पश्चात् वोटिंग हेतु एनएसडीएल द्वारा अयोग्य कर दिया जाएगा और एक बार प्रस्ताव पर सदस्य द्वारा मतदान कर दिया गया तो तदोपरांत इसे परिवर्तित करने की अनुमति सदस्य को नहीं दी जाएगी ; बी) ई-वोटिंग प्रणाली की सुविधा एजीएम के दौरान भी उपलब्ध करवाई जाएगी; सी) जो सदस्य एजीएम से पूर्व दूरस्थ ई-वोटिंग द्वारा अपना मत दे चुके हैं, एजीएम में भी उपस्थित रह सकते हैं परन्तु उन्हें एजीएम में अपना मत दोबारा देने का अधिकार प्राप्त नहीं होगा ; और डी) कोई व्यक्ति जिसका नाम सदस्यों के रजिस्टर में अथवा कटऑफ तिथि के अनुसार डिपॉजिटरीज द्वारा मैनटेन किये गये लाभकारी मालिकों के रजिस्टर में दर्ज है, को ही केवल दूरस्थ ई-वोटिंग की सुविधा एजीएम से पूर्व / दौरान उपलब्ध करवाये जाने का अधिकार होगा।
   - vii. सदस्य जो अपने ई-मेल पते/बैंक खाता पंजीकृत नहीं करवा चुके हैं, उनसे इलैक्ट्रोनिक रूप में धारित शेयरों के सम्बन्ध में इसे उनके डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (एस) के माध्यम से डिपॉजिटरी के पास और भौतिक रूप में धारित शेयरों के सम्बन्ध में कम्पनी के आरटीए अर्थात मै. अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, 4ई/2, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055 को **rta@alankit.com** पर लिखकर पंजीकृत करवाने का आग्रह किया जाता है और ;
   - viii) किसी पूछताछ के मामले में शेयरधारकों हेतु बारम्बार पूछे जाने वाले प्रश्नों (''एफएक्यूएस'') और https://www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड सेक्शन पर उपलब्ध शेयरधारकों हेतु ई-वोटिंग यूजर मैनुअल देख सकते हैं अथवा evoting@nsdl.co.in पर ई-मेल द्वारा एनएसडीएल से सम्पर्क कर सकते हैं। इलैक्ट्रोनिक वोटिंग के सम्बन्ध में किसी स्पष्टीकरण(ों) / शिकायत(ों) के मामले में आप सुश्री पल्लवी म्हात्रे, प्रबंधक, एनएसडीएल के पास उनके नामित ई-मेल आईडी : evoting@nsdl.co.in अथवा pallavid@nsdl.co.in पर अथवा निम्नलिखित टेलीफोन नं. : 022-48867000 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

   जिन सदस्यों को एजीएम से पूर्व / दौरान बैठक में पहुंच और भाग लेने के लिये किसी तकनीकी सहायता की आवश्यकता है तो सुश्री पल्लवी म्हात्रे, प्रबंधक, एनएसडीएल pallavid@nsdl.co.in पर अथवा निम्नलिखित टेलीफोन नं. : 022-48867000 पर सम्पर्क कर सकते हैं।
5. इसके अतिरिक्त कम्पनी के निदेशक मंडल ने दूरस्थ ई-वोटिंग प्रक्रिया की संवीक्षा के साथ-साथ निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से एजीएम के दौरान वोटिंग हेतु मै. केकेएस एंड एसोसिएट्स, कम्पनी सैक्रेटरीज के प्रोपराइटर श्री कृष्ण कुमार सिंह को नियुक्त किया है। दूरस्थ ई-वोटिंग और एजीएम के दौरान वोटिंग का परिणाम एजीएम के समापन से 2 कार्य दिवसों तक घोषित कर दिया जाएगा। संवीक्षाकर्ता की रिपोर्ट सहित घोषित परिणाम कम्पनी की वेबसाइट **www.cpil.com** पर और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज जहां कम्पनी के शेयर सूचीकृत हैं अर्थात **www.bseindia.com** पर भी डाले जाएंगे।
6. बुक क्लोजर और रिकॉर्ड तिथि के सम्बन्ध में विवरण
   - ए. एक्ट की धारा 91 और सेबी नियमनों के नियमन 42 के अनुसरण में, कम्पनी के सदस्यों का रजिस्टर और शेयर ट्रांसफर बुक्स, वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु 40वीं एजीएम के प्रयोजन हेतु बुधवार 03 सितम्बर 2025 से बुधवार, 10 सितम्बर 2025 तक (दोनों दिन मिलाकर) बंद रहेंगे।
   - बी. कम्पनी ने एजीएम में उपस्थित होने के लिए कम्पनी के सदस्यों, जिनके नाम बुधवार, 03 सितम्बर 2025 को कार्य समय की समाप्ति पर सदस्यों के रजिस्टर / लाभकारी मालिकों की सूची में दर्ज हैं, की पात्रता निर्धारित करने के प्रयोजन के लिए ''रिकॉर्ड तिथि'' के रूप में बुधवार, 03 सितम्बर 2025 निर्धारित की है।
7. सदस्यों से आग्रह किया जाता है कि एजीएम की सूचना में विनिर्दिष्ट सभी नोट्स और विशेषतः एजीएम में शामिल होने हेतु निर्देश, दूरस्थ ई-वोटिंग अथवा एजीएम में वोटिंग के माध्यम से अपना मत देने का तरीका ध्यानपूर्वक पढ़ें।

बोर्ड के आदेशानुसार
चन्द्र प्रभु इंटरनेशनल लिमिटेड
हस्ता/-
(गजराज जैन)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
डीआईएन-00049199

स्थान : गुरुग्राम
दिनांक : 16.08.2025

स्वाधीनता दिवस पर पिछले 11 भाषणों से प्रधानमंत्री का इस बार का 12वां संबोधन कई मायनों में अलग था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका व पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया, तो आत्मनिर्भर व विकसित भारत के लिए समग्र सुधार की रूपरेखा प्रस्तुत की। पीएम ने कहा कि भारत किसान, पशुपालक और छोटे कारोबारियों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। यह अमेरिका से जारी व्यापार वार्ता के संदर्भ में भारत का दो टूक संदेश था। ऐसे ही पाकिस्तान को संदेश दिया कि आतंकवाद और संधि साथ नहीं चल सकते। भारत खुद परमाणुशक्ति है, इसलिए पाक परमाणु शक्ति की गीदड़भभकी न दे, आतंकवाद जारी रहने तक भारत सिंधु समझौते को निलंबित ही रखेगा। अभी जिस प्रकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर अनुचित टैरिफ का बम फोड़ रहे हैं और पाकिस्तान से जुगलबंदी कर रहे हैं, जिसके दम पर पाक जनरल अमेरिकी धरती से भारत को परमाणु धमकी दे रहे हैं व अमेरिका चुप है, इस परिस्थिति में लालकिले से स्पष्ट संदेश देना जरूरी था। हालांकि भारतीय राष्ट्रवाद के आईने में संदेश को और प्रखर बनाया जा सकता था। देश के अंदर जीएसटी सुधार का वादा, नए आर्थिक सुधार का संकल्प और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों पर जोर, रोजगार सृजन की घोषणा आदि भी भाषण के अहम अंश रहे। आजकल के ताजा अंक में पेश है विश्लेषण...

आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का आत्मविश्वास

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

इतिहास में किसी प्रधानमंत्री द्वारा पहला ऐसा उद्बोधन था जिसमें भारत को विश्व का एक महान आदर्श और समृद्धि राष्ट्र बनाने की दृष्टि से समय सीमा के अंदर योजनाओं, टास्क फोर्स, मिशनों की घोषणा थी तो हर क्षेत्र, उम्र, श्रेणी, पेशे, विधा, कार्य करने वालों का आह्वान भी था। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं अपने इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों सबसे कहता हूं कि संकल्प लीजिए, आप जो करना चाहते हैं करिए, हमें बताइए कि आपके लिए क्या करना है, मैं बिल्कुल आपके लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा की जो वैश्विक परिवर्तनों के अनुसार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए समय सीमा के अंदर काम पूरा करेगा।

प रिश्रम में जो तप है उसने ही तो इतिहास रचा है, जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है उसने ही समय को मोड़ा है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से स्वतंत्रता दिवस का अपना उद्बोधन समाप्त करते हुए ये पंक्तियां बोली। इसके बाद उन्होंने कहा कि समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है। स्पष्ट है कि वे देशवासियों, विश्व में फैले भारतवंशियों को एक समग्र शक्तिशाली आत्मनिर्भर विकसित देश के रूप में भारत को बदलने के लिए उत्प्रेरित करना चाहते थे। हालांकि ज्यादा चर्चा घुसपैठ को समाप्त कर बदलती डेमोग्राफी को रोकने के लिए उच्च शक्ति प्राप्त डेमोग्राफी मिशन की घोषणा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर दी गई शुभकामना की हुई। यह सच्चाई है कि कठिनाई से प्राप्त हमारी स्वतंत्रता को सीधे धक्का पहुंचाने वाले योजनापूर्वक हो रहे घुसपैठ को समाप्त करना अपरिहार्य है।

पहली बार एक राष्ट्र स्तरीय शक्तिशाली इकाई यह भूमिका निभायेगी। संघ के शताब्दी वर्ष की चर्चा उन्होंने की क्योंकि 100 वर्षों तक बिना प्रचार व स्वार्थ के लाखों स्वयंसेवकों, कार्यकर्ताओं को केवल देश के लिए जीने-मरने के लिए तैयार करना, उसी अनुरूप संगठन तथा अप्रतिम अनुशासन के साथ काम करते रहना विश्व इतिहास में अनूठा है। उन्होंने आरंभ में कहा भी कि हम विकसित भारत के लिए अपने आपको खपा देंगे, नये अवसरों का निर्माण करेंगे और निर्मित करने के बाद भी 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से आगे बढ़ते ही रहेंगे, बढ़ते ही रहेंगे, बढ़ते ही रहेंगे। इसके साथ उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं सहित अन्य विविधताओं को ताकत बताते हुए विरासतों को भी संरक्षित करने की सरकार के पूर्व कदमों तथा भविष्य की तैयारी का भी विवरण दिया।

नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म टास्क फोर्स

इतिहास में किसी प्रधानमंत्री द्वारा पहला ऐसा उद्बोधन था जिसमें भारत को विश्व का एक महान आदर्श और समृद्धि राष्ट्र बनाने की दृष्टि से समय सीमा के अंदर योजनाओं, टास्क फोर्स, मिशनों की घोषणा थी तो हर क्षेत्र, उम्र, श्रेणी, पेशे, विधा, कार्य करने वालों का आह्वान भी था।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं अपने इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों सबसे कहता हूं कि संकल्प लीजिए, आप जो करना चाहते हैं करिए, हमें बताइए कि आपके लिए क्या करना है, हम बिल्कुल आपके लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा की जो वैश्विक परिवर्तनों के अनुसार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए समय सीमा के अंदर काम पूरा करेगा। उन्होंने सुधारों को परिभाषित करते हुए कहा कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है तथा सही सुधार हो गए तो नियमों और अर्हताओं के पालन की व्यवस्थाएं कम हो जाएंगी

और विकास को ताकत मिलती है। यानी कुल मिलाकर उन्होंने भारत और विश्व समुदाय को सीधा संदेश दिया कि पूर्व की योजनाओं से भारत सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, तकनीकी, वैज्ञानिक, रक्षा - सुरक्षा जैसे हर क्षेत्र में मुकाम पर पहुंचा है, वैसे ही भविष्य में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों, अवरोधों और संभावनाओं का आकलन तथा उसके अनुरूप व्यवहारिक कार्ययोजनाएं हैं।

अब तक के भाषणों में निरंतरता रही

प्रधानमंत्री बनने के बाद 2014 के अपने पहले स्वतंत्रता दिवस भाषण से लेकर इस वर्ष के 12वें भाषणों तक निरंतरता रही है। स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के संघर्ष और उसके उपरांत भारत के निर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों को याद कर आम भारतीय को राष्ट्र की दृष्टि से सोचने व काम करने को प्रेरित करना, सामूहिक सामर्थ्य के प्रति विश्वास जागृत करना तथा भविष्य की योजनाओं की ओर आकर्षित कर संपूर्ण देश को राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से खड़ा करना रहा है।

इस बार लगभग 1 घंटे 40 मिनट के अब तक के सबसे लंबे उद्बोधन में जितना व्यापक स्तर पर देश को विश्व का समृद्धतम, शक्तिशाली, शिक्षित, सुसंस्कृत तथा वैश्विक कल्याण की दृष्टि से भूमिका निभाने वाले राष्ट्र के रूप में समय सीमा में खड़ा कर देने की जैसी कार्ययोजनाएं थी, वैसा पहले नहीं देखा गया। मुझे एक व्यक्ति नहीं मिला जिसने कहा हो कि लंबे भाषण के कारण मैं उब गया था। प्रधानमंत्री का हाव-भाव, बोलने का तरीका, विषय-वस्तु ऐसे थे कि आगे क्या बोलेंगे, इसकी प्रतीक्षा रहती थी।

भले भाजपा, संघ, प्रधानमंत्री मोदी आदि से विरोध और घृणा के कारण कोई कुछ कहे, अंदर यही भाव होगा कि इतनी गहराई से सोचने, योजना बनाने, उस पर काम करने की व्यावहारिक दृष्टि रखने वाला प्रधानमंत्री लाल किले पर खड़ा था। 3 करोड़ लक्ष्य में 2 करोड़ लखपति दीदी तैयार होने, महिलाओं में उद्यमिता बढ़ाने के कारण ड्रोन दीदी की संख्या बढ़ाने, मुद्रा योजना के कारण समाज के वंचित, गरीब, युवक-युवतियों, महिलाओं की सफलताओं की कहानी बताने का उद्देश्य क्या हो सकता है, यह समझा जा सकता है।

विकसित भारत रोजगार योजना

युवाओं के लिए 1 लाख करोड़ रुपये की आरंभिक राशि के साथ विकसित भारत रोजगार योजना की घोषणा महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा व्यापार शुल्क बढ़ाए जाने के विरुद्ध बने वातावरण में अनेक विश्लेषक कल्पना करने लगे थे कि प्रधानमंत्री उस पर कुछ बोलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेशन, उनके चरित्र को समझने वाले जानते थे कि वह ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने बढ़ते आर्थिक स्वार्थ वाली दुनिया बताते हुए कहा कि किसी की लकीर को छोटा करने की बजाय अपनी लकीर बड़ी करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अपने किसानों और पशुपालकों के हित के रास्ते आने वाली कठिनाइयों के सामने मैं दीवार बनकर खड़ा हूं। यानी कृषि और डेयरी का क्षेत्र विदेशी व्यापार के लिए नहीं खोला जाएगा। उन्होंने आत्मनिर्भरता और सामर्थ्य को एक-दूसरे से जोड़ा और बताया कि सामर्थ्य आत्मनिर्भरता से पैदा होती है और आत्मनिर्भरता हम सामर्थ्य से प्राप्त कर सकते हैं। तकनीक से लेकर ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रक्षा, आंतरिक सुरक्षा, क्रिटिकल खनिज सभी क्षेत्र के लिए आत्मनिर्भरता की रूपरेखा और योजनाएं दीं। उन्होंने आह्वान किया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारा अपना हो, फार्मास्युटिकल्स यानी दवा के क्षेत्र में हम ऐसे नवाचार करें कि दवाइयां विश्व के कल्याण में काम आये तथा हम रक्षा में जेट इंजन भी अपना बनाएं।

'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर की जानकारी

यह जानकारी भी रोमांचित करने वाली थी कि सेमीकंडक्टर में देश मिशन मोड में काम कर रहा है और शीघ्र ही मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर बाजार में आ जाएगा। अक्षय ऊर्जा की दृष्टि से सौर ऊर्जा में 30 गुना बड़े संयंत्रों के निर्माण, मिशन ग्रीन हाइड्रोजन में भारी निवेश, 10 नए न्यूक्लियर रिएक्टर पर तीव्रता से काम होने के साथ 2047 तक इसकी क्षमता 10 गुणा बढ़ाने की योजना रखी तो सुधार का बड़ा कदम उठाते हुए न्यूक्लियर ऊर्जा के लिए निजी क्षेत्र के निवेश का रास्ता खोला। समुद्र में गैस व तेल भंडार खोजने की दृष्टि से नेशनल डीप वॉटर एक्सप्लोरेशन मिशन की घोषणा हुई तो नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन भी शुरू हुआ।

अन्तरिक्ष क्षेत्र में अपने बलबूते आत्मनिर्भरता और विश्व कल्याण की तैयारी की घोषणा करते हुए कहा कि आज सुधारों के कारण 300 से ज्यादा स्टार्टअप हैं और हजारों नौजवान काम में लगे हैं। इनकी बदौलत हम अपना स्टेशन बनाने की तैयारी कर रहे हैं तो स्वदेशी गगनयान लांच होने वाला है। वास्तव में जीवन के हर क्षेत्र में आधुनिक इकोसिस्टम तैयार करने की ओर अग्रसर देश ने योजनाओं पर काम किया तो हम आत्मनिर्भर बनकर ही रहेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से सबसे महत्वाकांक्षी घोषणा शिक्षालयों, अस्पतालों, आस्था केंद्रों जैसे नागरिक ठिकानों को संपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करने वाले सुदर्शन चक्र हैं। विश्व के प्रमुख देशों को भी इस घोषणा की कल्पना नहीं रही होगी। युद्ध के नियम के विपरीत हम देख रहे हैं कि अब इस तरह के ठिकाने पर हमले आम हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हमारे आस्था केंद्रों और ऐसे स्थानों पर हमले की कोशिश हुई लेकिन हमारे सुरक्षा कवच ने उनको ध्वस्त कर दिया।

संपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा कवच बनाने का ऐलान

आने वाले समय में कैसे युद्ध हो सकते हैं किस तरह के आक्रमण होंगे, इन सबका आकलन करते हुए 10 वर्षों यानी 2035 तक संपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा कवच निर्मित कर देने का ऐलान अभूतपूर्व था। इसके लिए सुदर्शन चक्र मिशन लॉन्च हो गया । यह ऐसी शक्तिशाली हथियार प्रणाली होगी जो दुश्मन के हमले को न केवल न्यूट्रलाइज करेगा बल्कि कई गुना ज्यादा ताकत से दुश्मन को हिटबैक करेगा। इसके लिए मूलभूत सारी व्यवस्थाएं यानी 10 सालों के अंदर एक आधुनिक प्रणाली, जिसमें अनुसंधान विकास और निर्माण शामिल होंगे, खड़ी होगी।

विश्व पर निर्भर नहीं रहेगा भारत

भारत दुनिया का ऐसा करने वाला अकेला देश होगा क्योंकि अमेरिका ने गोल्डन डोम की घोषणा की जो पूरी नहीं हुई, इजरायल ने अवश्य आयरन डोम बनाया है लेकिन इस बार युद्ध में कई जगह वह भी असफल होते हुए दिखा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आत्मनिर्भरता ने ही हमें पाकिस्तान के जवाबी हमले से बचाया, अन्यथा जिस 100 किलोमीटर तक सीमा में घुसकर आतंकवादी अड्डों और उनसे जुड़े 100 से ज्यादा लोगों को खत्म किए जाने के बाद पाकिस्तान बड़ी प्रतिशोधात्मक करवाई करने की तैयारी कर चुका था। तो कुल मिलाकर देश के अंदर और बाहर संदेश गया है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत किसी देश के दबाव के विरुद्ध लड़ने की जगह स्वयं को हर दृष्टि से इतना सक्षम, सामर्थ्यवान और संवेदनशील भी बनाएगा कि उसकी किसी चीज के लिए विश्व पर निर्भरता नहीं रहेगी। 2047 तक विकसित भारत होते हुए भी यह एक संकीर्ण स्वार्थों वाला राष्ट्र नहीं होगा बल्कि मानवीयता से परिपूर्ण विश्व समुदाय के कल्याण की दृष्टि से सदा सक्रिय रहेगा।

प्रगतिशील भारत की बुलंद तस्वीर

विवेचना

राज कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

ल गातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर भी दो कीर्तिमान बना दिए। 12वीं बार ऐतिहासिक लाल किले से देश को संबोधित कर उन्होंने इंदिरा गांधी के 11 बार के कीर्तिमान को भंग कर दिया। बेशक सबसे ज्यादा लगातार 17 बार लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करने का कीर्तिमान अभी भी जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मोदी ने इस बार अपना भी एक कीर्तिमान तोड़ा। पिछले साल उन्होंने लाल किले से 98 मिनट का भाषण दिया था, लेकिन इस बार वह 103 मिनट बोले। बेशक राजनीतिक गलियारों में ज्यादा शोर मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल के सफर की प्रशंसा पर ही मचेगा, पर ऑपरेशन सिंदूर और ट्रंप टैरिफ के साये में दिये अपने भाषण में उन्होंने राष्ट्रीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय तक तमाम मुद्दों को छुआ। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि आज भी आत्मनिर्भरता ही किसी भी देश के आत्मसम्मान का पैमाना है। दरअसल मोदी के इस कथन को आजाद भारत के सफर के साथ ही आंतरिक एवं बाह्य चुनौतियों के संदर्भ में भी समझने की कोशिश करनी चाहिए। नहीं भूलना चाहिए कि कभी सोने की चिड़िया माना गया भारत 1947 में मिली आजादी के समय किस हाल में था। भारत को सपेरों और बैलगाड़ियों का देश बताते हुए अंग्रेजों ने उसके स्वतंत्रता पश्चात भविष्य पर ही संदेह जताया था, पर 78 साल बाद उसकी बुलंद तस्वीर दुनिया भर के लिए एक प्रेरक मिसाल है।

जीवट से बदली तस्वीर

जाहिर है, दर्जनों रियासतों में बिखरे और सैकड़ों साल गुलामी की जंजीरों में जकड़े रहे भारत के लिए 1947 में आजादी के बाद का सफर आसान नहीं रहा। इसलिए आज का भारत, भारतीयों के जीवट का प्रमाण भी है। विभाजन की विभीषिका के साथ मिली आजादी में विकास संबंधी तमाम चुनौतियां निहित थीं। भारत से मिली आर्थिक मदद से आकार लेने वाले पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठ से अपने नापाक मंसूबों का संकेत भी तभी दे दिया था। 1962 में चीन और फिर 1965 में पाकिस्तान से युद्ध ने नव स्वतंत्र भारत की चुनौतियां और बढ़ा दीं, लेकिन देश ने एक के बाद एक आपदाओं में ही अवसर तलाशने का जीवट दिखाया। एक समय था, जब प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास की अपील करनी पड़ी, ताकि सरहद पर लड़ रहे सैनिकों को दोनों वक्त भोजन मिल सके। अमेरिका अपने नागरिकों के न खाने योग्य गेहूं ही भारत भेजता था, लेकिन हरित क्रांति ने हमें खाद्यान्न का निर्यातक बना दिया। हां, उस संकल्प को अपनी कड़ी मेहनत से साकार करने वाले अन्नदाता किसानों की दशा न सुधर पाना असहज सवाल खड़े करता है। नीति-नियंताओं को समझना होगा कि किसानों के बदहाल रहते संपूर्ण भारत की खुशहाली का सपना अधूरा ही रहेगा।

अंतरिक्ष विज्ञान में ऊंची छलांग

आजादी के समय भारत की तस्वीर गरीब, अशिक्षित और बदहाल देश की थी। फिर भी मजबूत अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति के साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान में भी ऊंची छलांग उसी भारत

की बुलंद तस्वीर पेश कर रही है। 1991 में हमारी अर्थव्यवस्था गहरे संकट में थी, सोना तक गिरवी रखना पड़ा था, लेकिन अब हम विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यस्था बनने के बाद वर्षांत तक चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर हैं। 1971 में अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की मदद के लिए अपना जंगी जहाज भेजने की धमकी के बावजूद भारत ने न सिर्फ पृथक बांग्लादेश बनवाया, बल्कि 1974 में परमाणु परीक्षण कर अपने पराक्रम का परिचय भी दे दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य देशों के अलावा परमाणु क्षमता का परिचय देने वाला भारत पहला देश बना। भारत आज दुनिया के कई देशों को रक्षा उपकरण निर्यात भी करता है। अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट 19 अप्रैल, 1975 को अंतरिक्ष में भेजने वाला भारत आज कई दूसरे देशों के उपग्रह भी लांच करता है। कड़वा सच यह भी है कि रूस को अपवाद मान लें तो हमें रिश्तों में अकसर विश्वासघात ही मिला है। हमने हिंदी-चीनी, भाई-भाई का नारा दिया, पर बदले में हमें चीनी आक्रमण मिला। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी दोस्ती का पैगाम लेकर बस से लाहौर गये, पर पाकिस्तानी सेना ने कारगिल में घुसपैठ कर दी। 1991 के बाद अमेरिका से बेहतर संबंधों की कवायद में रूस से बढ़ती दूरियों की कूटनीतिक समझदारी का सही आकलन तो आने वाला समय ही करेगा, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा राष्ट्रपतिकाल भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, आंतरिक चुनौतियां भी बढ़ाता दिख रहा है। 1991 के आसपास आर्थिक उदारीकरण के नाम पर वैश्विक बाजार की वकालत करते हुए डब्ल्यूटीओ आदि संस्थाओं के जरिये तमाम देशों पर अर्थव्यवस्था के खिड़की-दरवाजे खोलने के लिए दबाव बनाने वाला अमेरिका ही अब घरेलू उद्योगों के संरक्षण के नाम पर उस पूरी प्रक्रिया को उलटने पर आमादा है। बदलते वैश्विक समीकरणों में भारत अब उसी चीन की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाता दिख रहा है जिसने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की हर तरह से खुलकर मदद की थी। 1962 के युद्ध से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक चीन का चरित्र विश्वासघाती ही रहा है। विदेश नीति की सीमाएं उजागर करने वाली यह स्थिति कठिन परीक्षा की घड़ी भी है। बेशक रास्ता लंबा है, पर स्थायी हल दूरदर्शी नीतियों और आत्मनिर्भरता में ही है। प्रधानमंत्री ने भी स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में उसी ओर इशारा किया है।

मनभेद व चुनौतियां चिंताजनक

महज 78 साल की आजादी में भारत सरीखा विशाल आबादी वाला देश कमोवेश हर क्षेत्र में उपलब्धियों के इतने मुकाम हासिल कर पाया है तो उसका सबसे बड़ा शक्तिस्त्रोत हमारा सशक्त और जीवंत लोकतंत्र है। बढ़ती सामाजिक-आर्थिक विषमता हमसे कुछ अहसज सवाल पूछती है। हम विश्व की सबसे तेज रफ्तार से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। फिर 80 करोड़ से भी अधिक लोगों को हर महीने पांच किलो मुफ्त राशन क्यों देना पड़ रहा है? जनसंख्या नियंत्रण की चिंता छोड़ हम आबादी को संसाधन बताने लगे हैं तो बेरोजगारी सुरसा के मुंह की तरह क्यों बढ़ रही है? बेलगाम भ्रष्टाचार और महंगाई के मुद्दों पर हम अंतरराष्ट्रीय उदाहरणों की आड़ लेते क्यों नजर आते हैं? शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे संवदेनशील क्षेत्र भी मुनाफाखोर निजी क्षेत्र के हवाले क्यों हैं? देश को तमाम बीमारियों का केंद्र बनाने वाला लालच का मिलावटी कारोबार क्यों जारी है? 'वसुधैव कुटुंबकम' की सोच वाले देश में ही कुछ राज्यों में भाषा-संस्कृति के नाम पर विरोध की संकीर्ण राजनीति क्यों पनप रही है? 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए भी इस विभाजनकारी तथा देश हित पर दलीय हितों को प्राथमिकता देने वाली राजनीति से मुक्ति अनिवार्य शर्त है। बेशक मतभेद और असहमति लोकतंत्र के अनिवार्य तत्व हैं, लेकिन मनभेद और टकराव हमेशा उसे कमजोर ही करते हैं।

समावेशी विकास से हासिल होगा लक्ष्य

संबोधन

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

प्र धानमंत्री मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर 'आत्मनिर्भर भारत' को विकसित भारत के लिए आधार स्तंभ बताया। उन्होंने रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, अंतरिक्ष और विनिर्माण क्षेत्रों में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला। ऑपरेशन सिंदूर और स्वदेशी जेट इंजन विकास पर जोर देते हुए उन्होंने आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय शक्ति का आधार बताया। अपने संबोधन में उन्होंने 'विकसित भारत' के संकल्प से लेकर सीमा सुरक्षा, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और देश के युवाओं के भविष्य तक, हर महत्वपूर्ण विषय पर सरकार का विजन और भविष्य का रोडमैप देश के सामने रखा। पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि अगले 25 साल भारत के लिए निर्णायक हैं। हमें एक पल भी नहीं गंवाना है और एक लक्ष्य लेकर चलना है- विकसित भारत। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति का जिक्र करते हुए इसे देश की बढ़ती ताकत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया आज भारत को एक 'ब्राइट स्पॉट' के रूप में देख रही है।

बहरहाल, अगर हम आजादी के बाद से भारतीय आर्थिक विकास के कालक्रम पर नजर डालें, तो यह एक बिखरी हुई अर्थव्यवस्था से शुरू होता है, क्योंकि भारत को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन द्वारा एक बेहद कमजोर अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी। लेकिन करीब आठ दशक का सफर तय करते हुए भारत ने आज वैश्विक स्तर पर एक महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हमने जापान जैसे तकनीकी प्रधान और विकसित देश को भी सकल घरेलू उत्पाद के मामले में पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का गौरव हासिल किया है।

विकासशील नीतियां, समग्र प्रयास

हमारी यह पहचान और मजबूती आजादी से लेकर अब तक की सरकारों के विकासशील नीतियों और समग्र प्रयासों से ही बन पाई हैं। इन प्रयासों ने घरेलू मांग में वृद्धि, औद्योगिक और सेवा क्षेत्र में विस्तार, मजबूत आर्थिक संरचनाओं और सतत आर्थिक सुधारों को सुनिश्चित किया। साल 1947 से भारत की आर्थिक यात्रा पर गौर करें तो एक कमजोर, बिखरी, कृषि-प्रधान, ऋणग्रस्त अर्थव्यवस्था से दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे प्रभावशाली बाजारों में से एक बनने तक का सफर तय किया है।

खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर

साल 1947 से 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि, सेवा और औद्योगिक क्षेत्रों की यात्रा बड़े परिवर्तन की गवाह रही है। स्वतंत्रता के समय 1950 में जीडीपी में कृषि का हिस्सा लगभग 51 फीसदी था, जो 2025 में घटकर 16-17 फीसदी पर आ गया। यह गिरावट कृषि उत्पादन में कमी के कारण नहीं, बल्कि सेवा और उद्योग के तेजी से बढ़ने के कारण हुई है। हरित क्रांति (1960-70) ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता दिलाई, लेकिन रोजगार और आय में वृद्धि सीमित रही। औद्योगिक क्षेत्र का योगदान 1950 के 13 फीसदी

से बढ़कर 2025 में लगभग 25-26 फीसदी हो गया। इसमें विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, स्टील और फार्मास्युटिकल जैसे क्षेत्रों ने अहम भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की 1950 में 30 फीसदी हिस्सेदारी से बढ़कर 2025 में 55-57 फीसदी तक, विशेषकर आईटी, वित्त, दूरसंचार, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवाओं के चलते। साल 1991 के आर्थिक उदारीकरण, विदेशी निवेश और डिजिटल क्रांति ने सेवा और उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। आज भारत कृषि उत्पादन में विश्व के शीर्ष देशों में है। औद्योगिक उत्पादन विविध और वैश्विक स्तर का हो चुका है और सेवा क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनकर देश की आर्थिक रीढ़ का काम कर रहा है। उदारीकरण के दौर के बाद भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। आर्थिक, सैन्य एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में इसने सफलता की बड़ी छलांग लगाई है। चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। मिसाइल तकनीकी में दुनिया भारत का लोहा मान रही है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने नए-नए कीर्तमान गढ़े हैं। आईटी सेक्टर में देश अग्रणी बना हुआ है। इन उपलब्धियों ने देश को सुपरपावर बनने के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है। फिर भी पांच ट्रिलियन इकोनॉमी वाले देश से भारत अब भी बहुत पीछे हैं। जबकि 2018 में भारत सरकार ने संकल्प लिया था कि 2025 तक वह पांच ट्रिलियन इकोनॉमी वाला देश बन जाएगा। हालांकि बीच में दो साल की महामारी ने भी बाधा डाली, लेकिन फिर भी पांच ट्रिलियन इकोनॉमी बनने का लंबे समय से इंतजार कर रहे लोग यह देखकर निराश हैं कि समय सीमा पूरी हो जाने के बाद भी यह लक्ष्य दूर है।

बहरहाल, एक महत्वाकांक्षी आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत अब एक दोराहे पर खड़ा है, जहां एक तरफ सवाल है कि क्या भारत को ऐसे आर्थिक मॉडल का अनुशरण करना चाहिए जो आर्थिक विकास का लाभ सभी वर्गों, क्षेत्रों और समुदायों तक पहुंचाने पर बल देता हो, जिसमें रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा और सामाजिक न्याय शामिल हैं। या दूसरी तरफ क्षेत्र विशेष आधारित विभाजित भविष्य का जोखिम उठाए जो भारत को एक विश्व पटल पर विशेषज्ञता की पहचान तो दिलाएगा साथ ही आय में असमानता, सामाजिक असंतोष और क्षेत्रीय असंतुलन भी पैदा कर सकता है। इससे आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पर नकारात्मक असर पड़ेगा और भारत की वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की क्षमता कमजोर होगी। अगर हमें वाकई वैश्विक परिदृश्य में महाशक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित करना है तो हमे आर्थिक प्रगति के संतुलित और समावेशित ढांचे को अपनाना और निष्पादित करना होगा ताकि इससे हमारी अर्थव्यवस्था आतंरिक और बाह्य रूप से मजबूत हो सके। भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का जो सपना देखा है उसका साकार होना इसी संतुलित सतत और समावेशी विकास क्रम पर निर्भर करेगा। यह ठीक है कि करीब आठ दशक की इस विकास यात्रा में कई नए कीर्तिमान बने हैं। आज भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। यह अनायास नहीं है।

परिपक्व देश के रूप में पहचान

दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है। बीते 79 सालों में अपनी अंदरूनी समस्याओं, चुनौतियों के बीच देश ने ऐसा कुछ जरूर हासिल किया है, जिसकी तरफ दुनिया आकर्षित हो रही है। जाहिर है कि आज भारत के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत ने परिपक्व देश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यह भारत की जीत है।

खबर संक्षेप

उमा ने की शाहजहांपुर का नाम बदलने की मांग

बरेली। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शनिवार को बरेली के आंवला में वीरांगना अवंतीबाई लोधी की जयंती पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने पड़ोसी जनपद के नाम पर कहा कि शाहजहांपुर अच्छा नहीं लगता। मुख्यमंत्री योगी से अनुरोध है कि इसके लिए कोई नया नाम प्रस्तावित कर दें। यह नाम गुलामी के दौर की याद दिलाने वाला है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी को दी श्रद्धांजलि

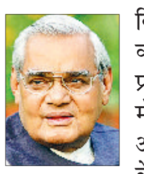

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न से सम्मानित अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। तमाम नेताओं मे उनके योगदान को याद किया। पीएम ने लिखा वाजपेयी जी को पुण्यतिथि पर सादर नमन।

जगन्नाथ मंदिर पर चढ़ने की कोशिश, गिरफ्तार

रांची। झारखंड के रांची निवासी एक शख्स ने शनिवार को पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पर चढ़ने की कोशिश की। पंचम महोत नाम का शख्स 12वीं शताब्दी के इस मंदिर के दक्षिणी हिस्से में लगभग 5 से 7 फुट ऊपर तक चढ़ चुका था। इसी दौरान जगन्नाथ मंदिर पुलिस (जेटीपी) के जवानों ने उसे देख लिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह पर लाल किला नहीं पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल और खरगे

संवैधानिक मर्यादा को तार-तार करना कांग्रेस की दिनचर्या का हिस्सा, देश का किया अपमान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ऐतिहासिक लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ध्वजारोहण किया, लेकिन इस बार कुछ ऐसा हुआ जो आज़ादी के बाद पहली बार देखा गया। समारोह में लोकसभा और राज्यसभा दोनों के नेता विपक्ष मौजूद नहीं थे। वहीं, अब इस बात को लेकर सियासी बहसको जन्म दे दिया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लालकिले पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की गैरमौजूदगी और कांग्रेस ओर ओर से आयोजित समारोह में जगदीश टाइटलर की मौजूदगी की खबरों पर भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने इस मामले में राहुल गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने संवैधानिक मर्यादा को तार-तार करना अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया है। शायद इतिहास में पहली बार विपक्ष के नेता ने स्वतंत्रता दिवस का बहिष्कार किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव चुघ ने कहा कि समारोह का बहिष्कार करना पद का दुरुपयोग

टाइटलर को आमंत्रित कर घृणित सिख विरोधी मानसिकता को उजागर किया

भाजपा ने टाइटलर का नाम लेकर राहुल को घेरा

चुघ ने कांग्रेस दफ्तर में आयोजित समारोह में 1984 के सिख नरसंहार के मास्टरमाइंड और मुख्य आरोपी जगदीश टाइटलर की मौजूदगी पर भी राहुल गांधी को घेरा। प्रवक्ता चुघ ने कहा कि अपनी पार्टी के स्वतंत्रता दिवस समारोह में टाइटलर को सम्मानपूर्वक आमंत्रित करके राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की असली, घृणित सिख विरोधी मानसिकता को उजागर कर दिया है।

विपक्ष का असली चेहरा आया सामने

इस बार अपनी सीट देखे थे दोनों कांग्रेस नेता

भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करसवाल किया कि क्या दोनों ने यह देखा कि इस बार उनके लिए सीट कहां थी? शहजाद पूनावाला ने कहा कि विपक्ष के नेता का संवैधानिक पद है।

आज से राहुल की बिहार में वोट अधिकार यात्रा

16 दिन घूमेंगे, 24 जिले में यात्रा करेंगे

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 17 अगस्त से बिहार यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। कांग्रेस ने इसका नाम वोट अधिकार यात्रा दिया है। राहुल 16 दिन बिहार में रहेंगे। इस दौरान वह 24 जिले में यात्रा करेंगे। इन 24 जिलों में 118 विधानसभा आते हैं। कांग्रेस सांसद अखिलेश सिंह ने कहा कि 17 अगस्त से वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत हो रही है। 1,300 किलोमीटर की यह यात्रा बिहार के करीब 25 जिलों से गुजरेगी। इस यात्रा में इंडिया गठबंधन के सभी दल के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी इस यात्रा में शामिल होंगे।

वोट की मजबूती के लिए यात्रा करेंगे

कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि राहुल गांधी देश में वोट को मजबूत करने निकले हैं। वह भारत के संविधान, लोकतंत्र और मतदाताओं को मजबूत करने बिहार आ रहे हैं। राहुल गांधी बिहार और भारत के भविष्य को मजबूत करने के लिए वोटर अधिकार यात्रा पर निकल रहे हैं।

चुनाव आयोग करेगा प्रेस कॉन्फ्रेंस, सामने रखेगा अहम मुद्दे

'वोट चोरी' के लगे आरोप

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने घोषणा की है कि वह रविवारको दोपहर 3 बजे नई दिल्ली के राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा। यह जानकारी आयोग के डायरेक्टर जनरल (मीडिया) द्वारा दी गई है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारी महत्वपूर्ण घोषणाएं और अपडेट साझा कर सकते हैं, जो आगामी चुनावों और मतदाता सूची संशोधन से संबंधित हो सकते हैं। इसके अलावा, 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों से घिरा भारत निर्वाचन आयोग अब इन आरोपों पर अपनी स्थिति स्पष्ट कर सकता है। दरअसल यह प्रेस कॉन्फ्रेंस ऐसे समय में हो रही है, जब विपक्षी दलों, खास तौर पर कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कथित धांधली और 'वोट चोरी' के आरोप लगाकर आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग कांग्रेस पार्टी द्वारा लगाए जा रहे 'वोट चोरी' के आरोपों पर जवाब दे सकता है।

'वोट चोरी' के आरोपों का सिलसिला

2024 के लोकसभा चुनावों और उसके बाद विधानसभा चुनावों के बाद, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में व्यापक पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 अगस्त को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नाटक के बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का हवाला देते हुए दावा किया था कि लगभग 1,00,250 वोटों की चोरी हुई। उन्होंने मतदाता सूची में डुप्लीकेट वोटर, फर्जी पते, और एक ही पते पर सैकड़ों वोटरों के नाम होने जैसे गंभीर आरोप लगाए। राहुल ने कहा कि अगर यह धांधली न हुई होती, तो कांग्रेस कर्नाटक में 16 लोकसभा सीटें जीत सकती थी, लेकिन उसे केवल 9 सीटें मिलीं। इसके अलावा, राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों में भी मतदाता सूची में अनियमितताओं का दावा किया।

थरूर की सलाह, नेता कृष्ण से सीखें

उनके लिए धर्म सर्वोपरि उनकी सोच थी 'दूरदर्शी'

कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की सोशल मीडिया पर तकरार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस वक्त अपनी ही पार्टी के नेताओं के निशाने पर हैं। वे पार्टी में साइडलाइन किए जाने की अपनी पीड़ा भी अक्सर साझा करते रहते हैं। अब जन्माष्टमी के मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया परएक वीडियो शेयर किया। दरअसल एक्स पर शेयर किए अपने वीडियो में थरूर ने ने गीता और श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े पहलुओं पर बात की थी। इसमें उन्होंने कृष्ण के गुणों का जिक्र करते हुए कहा कि राजनेताओं को उनसे सीखना चाहिए। उनके पोस्ट को रीशेयर करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि क्या पीएम मोदी और अमित शाह इसका पालन करते हैं? थरूर ने श्रीकृष्ण के गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि नेताओं को भी भगवान कृष्ण की तरह अपने से पहले जनता के कल्याण के बारे में सोचना चाहिए। थरूर ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा कि हम भगवान नहीं बन सकते हैं, लेकिन उनके गुणों से सीख सकते हैं। अब उनकी पोस्ट पर तंज कसते हुए दिग्गी राजा ने कहा कि गीता के जिस उपदेश को आपने शेयर किया है।

गीता उपदेश का किया जिक्र

शशि थरूर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि श्रीकृष्ण के लिए धर्म सर्वोपरि था। उनकी दूरदर्शी सोच और कूटनीति ही उन्हें विशिष्ट बनाती है। उन्होंने नेताओं से निजी हित के बजाय देश सेवा और समाज कल्याण के बारे में सोचने की अपील की। श्रीकृष्ण की कूटनीति का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता दी थी। थरूर ने गीता उपदेश का जिक्र करते हुए पोस्ट में आगे कहा कि महाभारत का युद्ध रोकने के लिए उन्होंने बातचीत की कोशिश की थी। अजब कूटनीति सफल नहीं हुई, तो उन्होंने पांडवों का मार्गदर्शन किया और सैन्य नीति से युद्ध जिताने में सफल रहे।

दिग्विजय ने पोस्ट के बहाने ली चुटकी

दिग्विजय सिंह ने इसे शेयर करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी की बधाई! दिग्विजय ने भले ही अपनी पोस्ट में तंज पीएम मोदी और शाह के लिए किया हो, लेकिन निशाने पर थरूर ही हैं। इस वीडियो के बहाने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है।

पेज एक का शेष

लागू हुई नौजवानों...

अलग-अलग सेक्टर्स जैसे मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज और टेक्नोलॉजी में नौकरियां बढ़ाने पर फोकस है।

न्यूक्लियर की धमकियों को सहने नहीं वाले : पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर की धमकियों को सहने नहीं वाले हैं, हम किसी भी तरह के ब्लैकमेल को नहीं सहेंगे। आगे भी अगर दुश्मनों ने कोशिश जारी रखी, हमारी सेना तय करेगी, सेना की शर्तों पर, जो समय वे निर्धारित करें, जो तौर-तरीके वो तय करें, जो लक्ष्य वो तय करें, अब हम उसी पर अमल करने वाले हैं। हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। इसके बाद पीएम मोदी ने सिंधू जल समझौते का जिक्र करते हुए बोला कि भारत की नदियों का पानी पहले दुश्ननों के खेतों को सींच रहा है और मेरा किसान, मेरा देश प्यासा था। ये एक ऐसा समझौता था जिसने पिछले सात दशक से मेरे देश के किसानों का, अकल्पनीय नुकसान किया था। हिंदुस्तान के हक का जो पानी है, उस पर अधिकार सिर्फ और सिर्फ हिंदुस्तान का है, हिंदुस्तान के किसानों का है। भारत कतई सिंधू समझौते को लेकर आगे नहीं चलेगा। किसान हित में, राष्ट्रहित में ये समझौता हमे मंजूर नहीं है।

टैरिफ धमकी के....

इसके बाद पीएम मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की भी बात की। उन्होंने दो टूक कहा कि दाम कम दम ज्यादा वाले मंत्र पर आगे बढ़ना पड़ेगा। एक बड़ा संदेश देते हुए पीएम मोदी ने यहां तक कहा कि भारत को अपनी खुद की क्षमताओं पर भरोसा होना चाहिए और दूसरों को विचार दिखाने के लिए बारे में नहीं सोचना चाहिए।

पूरे देश में ....

वातावरण के अनुकूल और भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने के संदर्भ में इस टास्क फोर्स की रचना की गई है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर बोला कि ये आगे बढ़ने का अवसर है, बड़े सपने देखने का अवसर है, बड़े संकल्पों के लिए समर्पित होने का अवसर है। अब देश रुकना नहीं चाहता है, आगे बढ़ना चाहता है। एक-एक पल की कीमत है और हम एक भी पल गंवाना नहीं चाहते।

आधी रात को ...

पलक-पावड़े बिछाए बैठे रहे। चहुओर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम मची हुई थी। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी भी बांटी जा रही थी। बलदेव के दाऊजी महाराज मंदिर में जन्माष्टमी के मौके पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही।

कल मनेगा नंदोत्सव : हर ओर श्रद्धा व भक्ति भाव नजर था। श्रद्धालु दाऊजी महाराज के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किए। दाऊजी महाराज का विशेष अभिषेक व श्रृंगार के दर्शन मध्य रात्रि में भी हुए। नंदगांव में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व आज यानी रविवार तथा नंदोत्सव 18 अगस्त को मनाया जाएगा। 17 अगस्त को मध्यरात्रि में अजन्मे कृष्ण अवतरित होंगे। 18 अगस्त को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन नंदभवन में होगा। जिसमें नंदगांव बरसाना के समाजियों द्वारा बधाई गायन, बांस बधाई, दधी कंधौ लीला, प्रतीकात्मक मल्ल युद्ध आदि आकर्षण होंगे।

कन्हैया के दर्शन के लिए उमड़े भक्त: जहां एक ओर देश भर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में रात को दुनिया भर में अभिषेक किया जाता है वहीं वृंदावन के प्रमुख सप्तदेवायलों में शामिल राधा दमोदर लाल मंदिर और राधा रमण मंदिर में दिन में भी आराध्य का महाभिषेक किया जाता है। इस पल के साक्षी बनने के लिए लाखों श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर से श्रद्धालु अपने कृष्ण कन्हैया के दर्शन हेतु यहां पहुंच चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जन्मभूमि पहुंचकर कान्हा का आशीर्वाद लिया और लोगों को जन्माष्टमी की बधाई दी।

भारत विभाजन के लिए ....

जीवन भी हमेशा के लिए बदल दिया था। विभाजन की इस विभीषिका को छात्रों तक पहुंचाने के लिए एनसीईआरटी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक नया मॉड्यूल जारी किया है, जिसमें बंटवारे के पीछे जिम्मेदार लोगों के बारे में बताया गया है। आजाद भारत में ऐसा पहली बार हुआ है जब विभाजन की विभीषिका पर आधिकारिक तौर पर छात्रों के बीच जानकारी साझा की जा रही है। एनसीईआरटी का नया मॉड्यूल भारत विभाजन के लिए इतिहास के तीन बड़े नामों को जिम्मेदार मानता है, जिसमें पहला नाम पाकिस्तान के जनक कहने जाने वाले मोहम्मद अली जिन्ना, दूसरा नाम कांग्रेस और तीसरा नाम लॉर्ड माउंटबेटन का है। एनसीईआरटी मॉड्यूल के अनुसार, मोहम्मद अली जिन्ना की अलग देश पाकिस्तान बनाने की मांग पर कांग्रेस पार्टी ने झुकना स्वीकार किया और उसके बाद लॉर्ड माउंटबेट द्वारा बंटवारे की पूरी प्रक्रिया को बहुत जल्दबाजी में पूरा किया किया।

एनसीईआरटी के 14 अगस्त को जारी किया विशेष मॉड्यूल: एनसीईआरटी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को 14 अगस्त के दिन जारी किया था, जिसके अनुसार, 1947 में हुआ भारत-पाकिस्तान के बंटवारे का प्रभाव सिर्फ उस समय ही नहीं बल्कि वर्तमान में नजर आता है, जिसमें पाकिस्तान के साथ बिगड़ते संबंध, पीओके विवाद और रक्षा बजट में होती बढ़ोतरी प्रमुख रूप से देखी जा सकती है।

क्या भारत विभाजन जरूरी था ?: एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल में भारत विभाजन के इस पक्ष पर भी प्रकाश डाला गया है कि क्या भारत का विभाजन कर नया देश पाकिस्तान बनाना जरूरी था। मॉड्यूल कहता है कि उन हालातों में भारत विभाजन जरूरी नहीं था लेकिन गलत विचारों और परिस्थितियों के चलते ये बंटवारा हुआ। जिन्ना की पाकिस्तान जिद के आगे झुकते हुए कांग्रेस ने इसे स्वीकार किया जिसके लिए इसे देश को गृहयुद्ध से बचाने का शांतिपूर्ण तरीका बताया गया, हालांकि, इस बंटवारे का विरोध महात्मा गांधी ने किया था।

भाजपा संसदीय दल की...

की बैठक आयोजित करेगी। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार पर भी चर्चा होने की संभावना है। इसमें उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार पर भी चर्चा हो सकती है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय बोर्ड के अन्य सदस्यों के मौजूद रहने की उम्मीद है। 6 अगस्त को, सत्तारूढ़ एनडीए के नेताओं ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा प्रमुख एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार को अंतिम रूप देने का अधिकार दिया गया था। ज्ञात हो कि 74 वर्षीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। चुनाव आयोग ने भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। यदि चुनाव होता है, तो मतदान 9 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संसद भवन के प्रथम तल पर होगा।

ग्वालियर के गोपाल...

की प्रतिमाओं को रत्नजड़ित आभूषणों से सुसज्जित किया गया है, जिनकी कीमत लगभग 100 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। हीरे, मोती, पन्ना जैसे बेशकीमती रत्नों से सुसज्जित भगवान के मुकुट और अन्य आभूषण हैं। देश की स्वतंत्रता से पहले तक भगवान इन जेवरातों से श्रृंगारित रहते थे, लेकिन देश आजाद होने के बाद से जेवरात बैंक के लॉकर में कैद पड़े थे जो 2007 में नगर निगम की देखरेख में आए और तब से लेकर हर जन्माष्टमी पर राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं को बेशकीमती जेवरात पहनाए जाते हैं। गोपाल मंदिर की स्थापना 1921 में ग्वालियर रियासत के तत्कालीन शासक माधवराव सिंधिया प्रथम ने की थी। उन्होंने भगवान की पूजा के लिए चांदी के बर्तन और पहनाने के लिए रत्न जड़ित सोने के आभूषण बनवाए थे। इनमें राधा-कृष्ण के 55 पन्ना जड़ित सात लड़ी का हार, सोने की बांसुरी जिस पर हीरे और माणिक लगे हैं, सोने की नथ, जंजीर और चांदी के पूजा के बर्तन हैं। हर साल जन्माष्टमी पर इन जेवरातों से राधा-कृष्ण का श्रृंगार किया जाता है। इस स्वरूप को देखने के लिए भक्त सालभर का इंतजार करते हैं। जन्माष्टमी के दिन सुरक्षा व्यवस्था के बीच इन जेवरातों को बैंक के लॉकर निकालकर राधा और गोपाल जी का श्रृंगार किया जाता है। श्रृंगार के बाद सबसे पहले ग्वालियर के नगर निगम कमिश्नर सहित तमाम अधिकारियों ने गहनों से लदे राधा कृष्ण की पूजा अर्चना की गई। वहीं, बेशकीमती गहनों और भक्तों की सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल भी मंदिर में तैनात है। मंदिर के अंदर और बाहर की सुक्षा के लिए करीब 200 से अधिक जवान तैनात किए गए हैं। वर्दीधारियों के साथ ही सादा वर्दी में सुरक्षा अमला तैनात है। सीएसपी स्तर के अधिकारी इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

श्री राधा-कृष्ण जी के खास गहने: पुखराज, माणिक, पन्ना रत्न लगा बेशकीमती मुकुट है यह तीन किलो का है, सोने के मुकुट है। और सफेद मोती वाला पंचमढ़ी हार, सात लड़ी का हार जिसमें 62 असली मोती और 55 पन्ने लगे हैं। श्री राधा-कृष्ण जी के पास झुमके सोने की नथ, कंठी चूड़ियां कड़े इत्यादि है। इसके अलावा भोजन के लिए सोने चांदी के बर्तन है। साथ ही इत्र दान, पिचकारी चलनी, धूपदान, सांकड़ी, छात्र, मुकुट कुंभकर्णी, निरंजनी आदि सोने चांदी की है। रत्नजड़ित इन सभी आभूषणों की कीमत लगभग 100 करोड़ रुपए से अधिक है। श्रृंगार देखने जुटी भक्तों की भीड़: साल में एक बार जन्माष्टमी के मौके पर बेशकीमती श्रृंगार किया जाता है। इसे देखने के लिए हर व्यक्ति को इंतजार होता है। यही वजह है कि जन्माष्टमी के दिन सुबह 6:00 बजे से ही श्रद्धालुओं की लाइन लगाना शुरू हो जाती है। श्रृंगार को देखने के लिए श्रीकृष्ण और श्री राधा रानी को हजारों और लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां पर पहुंचते हैं। दर्शन करने आए श्रद्धालुओं का कहना है कि दुनिया में कहीं ऐसा श्रृंगार कभी नहीं होता है, जो एक बार कृष्ण जी और राधा जी को देख लेता है उसको मोहित हो जाता है।

चुनाव आयोग की प्रेस....

करने को कहा है। बता दें कि इससे पहले सात अगस्त को राहुल गांधी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर वोट चोरी के कथित आरोप लगाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक सेंट्रल की एक विधानसभा सीट महादेव पुरा में एक लाख फर्जी वोटर होने का दावा किया था। उन्होंने मतदाता सूची में डुप्लीकेट वोटर, फर्जी पते, और एक ही पते पर सैकड़ों वोटरों के नाम होने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। राहुल ने यह भी कहा कि अगर यह धांधली न हुई होती, तो कांग्रेस कर्नाटक में 16 लोकसभा सीटें जीत सकती थी, लेकिन उसे केवल 9 सीटें मिलीं। जिसके बाद चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से शपथपत्र के साथ शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा था।

राहुल गाँधी की...

चोरी की यह साजिश और स्पष्ट रूप से सामने आई है। अब सामान्य नागरिक भी वोट चोरी के सबूत निकालकर दे रहे हैं। कांग्रेस नेता ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का हवाला देते हुए चुनाव आयोग को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा, जिसके बाद चुनाव आयोग को इंडिया गठबंधन और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मांगों को मानना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ वोट छीनने का षड्यंत्र नहीं था, बल्कि दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, वंचितों, शोषितों, पीड़ितों और अल्पसंख्यकों की पहचान छीनने की साजिश थी। उन्होंने आगे कहा कि आज उनका वोट देने का अधिकार छिन जाता है तो भविष्य में सरकारी योजनाओं से भी उन्हें वंचित किए जाने का खतरा पैदा हो जाता। पवन खेड़ा ने कहा कि यह यात्रा ऐतिहासिक है क्योंकि यह वोट देने के अधिकार की लड़ाई है, जो आजाद भारत में आजादी से सांस लेने के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने बिहार की जनता से इस संघर्ष में साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि साजिश रचने वाले बाज नहीं आएंगे और वे वोट चुराने तथा छीनने की कोशिश करते रहेंगे, इसलिए सभी को सजग रहना होगा। उन्होंने कहा कि जब भी राहुल गांधी यात्रा पर निकले हैं, देश के लोकतंत्र ने एक नई करवट ली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह ऐतिहासिक यात्रा लोकतंत्र के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

सोनीपत,बहादुरगढ़ के लिए 2,000 करोड़ की लागत से निर्मित मार्गों से कनेक्टिविटी होगी बेहतर

हरियाणा को आज मिलेगी दो बड़ी सड़क परियोजनाओं की सौगात, मोदी करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के सड़क ढांचे को नई गति देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अगस्त को प्रदेश को दो बड़ी सड़क परियोजनाओं की सौगात देंगे। सोनीपत और बहादुरगढ़ को जोड़ने वाले लगभग 2,000 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित दो नए 4-लेन संपर्क मार्गों से इन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री 17 अगस्त को दिल्ली के रोहिणी से लगभग 11 हजार करोड़ रुपए लागत की 6 सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें से दो परियोजनाएं हरियाणा से जुड़ी हैं। इनसे एनसीआर क्षेत्र को ट्रैफिक जाम और कनेक्टिविटी की चुनौतियों से मुक्ति मिलेगी।

सैनी ने कहा कि ये परियोजनाएं एनसीआर क्षेत्र में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इनमें अर्बन एक्सटेंशन रोड - 2 परियोजना के अंतर्गत पैकेज-4 में 1490 करोड़ रुपए की लागत से बना 29.6 किमी लंबा मार्ग सोनीपत को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह अब एनएच -44 के भारी ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाएगा। यह बवाना औद्योगिक क्षेत्र को सीधे एनएच-352A जींद-गोहाना मार्ग से जोड़कर व्यापार और उद्योग को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि पैकेज-5 में 487 करोड़ रुपए की लागत से बना 7.3 किमी का मार्ग दिल्ली के दिचाऊं कलां को सीधे बहादुरगढ़ और केएमपी एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। इससे बहादुरगढ़ और केएमपी एक्सप्रेसवे तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के लोकार्पण से क्षेत्र में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और यातायात सुगमता को नया आयाम मिलेगा। साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से हरियाणा के प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी और सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए जा रहे ये उपहार हरियाणा की प्रगति यात्रा में मील का पत्थर साबित होंगे।

कोलकाता पुलिस ने रोका भड़के निर्देशक व अभिनेत्री

कोलकाता। विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर शनिवार को रिलीज हुआ। यह ट्रेलर पहले दोपहर 12 बजे रिलीज होना था पर कोलकाता पुलिस ने बीच कार्यक्रम में पहुंचकर इसे रुकवा दिया। इसके चलते हंगामा मच गया और फिल्म का ट्रेलर भी एक घंटे देरी से रिलीज हुआ। इस मामले पर विवेक अग्निहोत्री और उनकी पत्नी व एक्ट्रेस पल्लवी जोशी ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी आवाज को दबाया जा रहा है। अग्निहोत्री ने कहा राजनीतिक दबाव के कारण ऐसा किया गया है। उनका कहना था कि फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया तो राजनीतिक उथल-पुथल होगी। फिर हमने एक अन्य मल्टीप्लेक्स से बात की तो उन्होंने भी कहा कि माफ कीजिए सर बहुत अधिक राजनीतिक दबाव है, हम ऐसा नहीं कर सकते। इसके साथ ही फिल्म की अबिनेत्री पल्लवी बोलीं, मैं भी हार मानने वालों से नहीं हूं।

☞ यात्रीगण कृपया ध्यान दें ☜

विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन अवधि में विस्तार

समस्त रेल यात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिये मौजूदा ठहरावों, समय, रेलमार्गों, चलने के दिनों आदि पर निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन को जारी रखने/विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	आवृत्ति	पूर्व अधिसूचित	विस्तारित अवधि	कुल अतिरिक्त फेरे	स्थान
03697 गया जं. – दिल्ली जं. सुपरफास्ट स्पेशल	6 दिन रविवार को छोड़कर	15.08.25	16.08.25 से 21.08.25	06	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
03698 दिल्ली जं. – गया जं. सुपरफास्ट स्पेशल	6 दिन सोमवार को छोड़कर	16.08.25	17.08.25 से 22.08.25	06	
03309 धनबाद जं. – जम्मू तवी स्पेशल	मंगल एवं शनि	12.08.25	16.08.25 से 13.09.25	09	3 टियर इकॉनोमी
03310 जम्मू तवी – धनबाद जं. स्पेशल	बुध एवं रवि	13.08.25	17.08.25 से 14.09.25	09	
02397 गया जं. – आनंद विहार (ट) क्लोन स्पेशल	रवि	10.08.25	17.08.2025	01	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य
02398 आनंद विहार (ट) – गया जं. क्लोन स्पेशल	सोम	11.08.25	18.08.2025	01	
03223 राजगीर – हरिद्वार जं. स्पेशल	शुक्र	15.08.25	22.08.25 से 12.09.25	04	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
03224 हरिद्वार जं. – राजगीर स्पेशल	शनि	16.08.25	23.08.25 से 13.09.25	04	
03221 राजगीर–शहीद कप्तान तुषार महाजन स्पेशल	सोम	11.08.25	18.08.25 से 15.09.25	05	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
03222 शहीद कप्तान तुषार महाजन–राजगीर स्पेशल	बुध	13.08.25	20.08.25 से 17.09.25	05	
03311 धनबाद जं. – चंडीगढ़ स्पेशल	मंगल, शुक्र	15.08.25	19.08.25 से 12.09.25	08	3 टियर इकॉनोमी
03312 चंडीगढ़ – धनबाद जं. स्पेशल	गुरु, रवि	17.08.25	21.08.25 से 14.09.25	08	
05219 मुज़फ़्फ़रपुर जं. – आनंद विहार (ट) स्पेशल	शनि	09.08.25	16.08.25 से 13.09.25	05	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य
05220 आनंद विहार (ट) – मुज़फ़्फ़रपुर जं. स्पेशल	रवि	10.08.25	17.08.25 से 14.09.25	05	
05575 सहरसा जं. – आनंद विहार (ट) स्पेशल	बुध	13.08.25	20.08.25 से 10.09.25	04	3 टियर इकॉनोमी
05576 आनंद विहार (ट) – सहरसा जं. स्पेशल	मंगल	12.08.25	19.08.25 से 09.09.25	04	
05579 पूर्णियाँ कोर्ट – आनंद विहार (ट) स्पेशल	सोम, मंगल, शुक्र, रवि	15.08.25	17.08.25 से 15.09.25	18	3 टियर इकॉनोमी
05580 आनंद विहार (ट) – पूर्णियाँ कोर्ट स्पेशल	बुध, गुरु, रवि, शुक्र	17.08.25	20.08.25 से 17.09.25	18	

रेलगाड़ी सं. 05575/76 सहरसा जं. – आनंद विहार (ट.) – सहरसा जं. एवं 05579/80 पूर्णियाँ कोर्ट – आनंद विहार (ट.) – पूर्णियाँ कोर्ट स्पेशल ट्रेनों का ठहराव दरभंगा जं. (रिवर्सल से बचने के लिए दरभंगा जं. को बाईपास करते हुए) के बजाए शिशो हॉल्ट स्टेशन पर किया गया है।

गाड़ी संख्या	वर्तमान ठहराव		परिवर्तित ठहराव	
	दरभंगा जं.		शिशो हॉल्ट	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
05575/79	23:35	00:05	23:35	23:40
05576/80	04:50	05:20	04:00	04:05

अधिसूचित अन्य जानकारी मान्य होगी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिये रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा भारतीय रेल की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे आपकी सुविधा – हमारा ध्येय हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें 2510/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

■ एसआईपी के अलावा भी कुछ विकल्प दे सकते हैं बढ़िया मुनाफा

■ मोटा पैसा कमाने के लिए आपको रणनीति बनाकर आगे बढ़ना होगा

■ रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर के लिए एसआईपी पर्याप्त नहीं

करोड़पति बनना है तो आप जान लें निवेश के कुछ 'ब्लॉकबस्टर' टिप्स

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

आजकल ज्यादातर लोग, स्पेशली युवा, अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को पूरा करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को अपना रहे हैं। एसआईपी शुरू करना फाइनेंशियल अनुशासन की दिशा में एक शानदार पहला कदम है, लेकिन, क्या केवल एसआईपी शुरू कर देना ही आने वाले कल के लिए काफी है? असल में लंबी अवधि के टारगेट जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने के लिए, केवल एसआईपी करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक संपूर्ण और मजबूत प्लानिंग की आवश्यकता होती है। तो फिर आइए इस रिपोर्ट के जरिये जानते हैं निवेश के कुछ ब्लॉक बस्टर कदम जो आपको करोड़पति बनने में अहम भूमिका निभा सकते हैं और आपकों कम समय में ही अच्छा मुनाफा दिलवाने में सक्षम हैं।

फाइनेंशियल टारगेट को परिभाषित करें

एसआईपी तो बस एक निवेश का एक जरिया है, लेकिन टारगेट क्या है? सबसे पहले, आपको अपने सभी दीर्घकालिक लक्ष्यों को साफ रूप से परिभाषित करना चाहिए और एक गोल बनाकर आगे बढ़ना होगा।

- **लक्ष्यों को पहचानें :** क्या आपका टारगेट 10 साल में बच्चों की हाई एजूकेशन है, 20 साल में रिटायरमेंट है, या 5 साल में घर के लिए डाउन पेमेंट है?
- **लागत का अनुमान लगाएं :** हर टारगेट के लिए जरूरी राशि का अनुमान लगाएं. इसमें फ्यूचर की महंगाई को भी शामिल करें. उदाहरण के लिए, अगर आज बच्चों की इंजीनियरिंग की पढ़ाई पर 20 लाख रुपये खर्च होते हैं, तो 15 साल बाद महंगाई के साथ यह राशि कहीं अधिक होगी।
- **क्यों जरूरी :** जब आपको पता होगा कि आपको कब और कितने पैसे की जरूरत हो सकती है, तभी आप सही निवेश रणनीति बना पाएंगे।

पोर्टफोलियो को विविधतापूर्ण बनाएं

- एसआईपी तो इक्विटी में है, लेकिन क्या इतना काफी है? 'अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें' यह निवेश का सबसे पुराना और सबसे अहम नियम है।
- **इक्विटी के अलावा निवेश करें :** हमेशा अपने पोर्टफोलियो में सिर्फ एसआईपी ही ना रखें। उसमें इक्विटी के साथ-साथ डेट और अन्य संपत्तियों का मिश्रण भी होना ही चाहिए।
- **विविधता के विकल्प :** आप अपनी रिस्क लेने की क्षमता अनुसार पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ), फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), और यहां तक कि सोना या रियल एस्टेट जैसे ऑप्शन में भी निवेश कर सकते हैं।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके पोर्टफोलियो में स्थिरता ला सकता है। यानी कि यदि शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो आपके दूसरे निवेश आपके पोर्टफोलियो को गिरने से बचाते हैं।

बीमा और आपातकालीन निधि बनाएं

- आपकी यात्रा की सुरक्षा कैसे होगी? यानी कि एक मजबूत फाइनेंशियल योजना की नींव सुरक्षा पर टिकी होती है। अगर आप बिना बीमा और इमरजेंसी के निवेश करते हैं, तो एक भी दुर्घटना आपकी पूरी योजना को ध्वस्त कर सकती है।
- **आपातकालीन निधि :** कम से कम 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर की राशि एक ऐसे खाते में रखें, जिसे आप आसानी से निकाल सकें। ये इमरजेंसी फंड नौकरी छूटने या मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थितियों में आपके एसआईपी को तोड़ने से बचाएगा।
- **पर्याप्त बीमा :** अपने परिवार को फाइनेंशियल रूप से सेफ रखने के लिए पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस (खासकर टर्म प्लान) और हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके लॉन्ग टर्म निवेश को अप्रत्याशित वित्तीय झटकों से बचाता है।

निवेश की राशि को बढ़ाएं

- आपकी इनकम तो बढ़ेगी, तो निवेश क्यों नहीं? जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपके निवेश को भी बढ़ना चाहिए।
- **क्या करें :** हर साल अपनी एसआईपी की राशि को अपनी आय में हुई ग्रोथ के अनुसार 10-15% तक बढ़ाएं। इसे 'स्टेप-अप एसआईपी' कहा जाता है। ऐसा करने से निवेशक कम समय में अपने टारगेट तक पहुंच सकते हैं और महंगाई के प्रभाव को भी कम कर सकते हैं।
- **क्यों करें :** मुद्रास्फीति आपके पैसे की क्रय शक्ति को घटाती है। निवेश को बढ़ाकर आप यह तय करते हैं कि आपके लक्ष्य की वाकई में लागत कवर हो।

योजना की समय पर समीक्षा करें

- क्या आपकी गाड़ी सही रास्ते पर है? आपकी वित्तीय यात्रा एक सीधी रेखा नहीं है. इसमें कई मोड़ आते हैं।
- **क्या करें :** साल में आप कम से कम एक बार तो जरूर ही अपनी वित्तीय योजना और निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करें। इसमें देखें कि क्या आपके निवेश आपके लक्ष्यों के अनुरूप प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर नहीं। अगर आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव (जैसे शादी, बच्चा या नई नौकरी) आता है, तो अपनी योजना में जरूरी बदलाव करना चाहिए।
- **क्यों जरूरी :** समीक्षा करने से आप यह तय करते हैं कि आप हमेशा सही रास्ते पर हैं और अपने टारगेट को समय पर प्राप्त कर पाएंगे।

एसआईपी सिर्फ एक मंजिल

- अब आप समझ रहे होंगे कि एसआईपी शुरू करना एक बहुत अच्छी शुरुआत है, लेकिन यह मंजिल नहीं है। अपने लॉन्ग टर्म के फाइनेंशियल टारगेट को पाने के लिए एक पूरी प्लानिंग की जरूरत होती है, जिसमें लक्ष्य-आधारित इन्वेस्टमेंट, विविधीकरण, सुरक्षा और नियमित समीक्षा शामिल हो। ■

पत्नी के साथ मिलकर बनाएं कल की प्लानिंग

- 1, 2 नहीं इन 5 ऑप्शन को फॉलो करके फुल मौज में कटेगा बुढ़ापा
- रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार की जिम्मेदारी
- कपल मिलकर सही समय पर निवेश और फाइनेंशियल प्लान बनाएं

अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अपनी पत्नी के साथ मिलकर अच्छी प्लानिंग करें। इससे आपका बुढ़ापा मस्ती में कटेगा। कहा भी गया है कि रिटायरमेंट प्लानिंग एक व्यक्ति की नहीं, बल्की पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी है। आने वाले कल को सुरक्षित करने के लिए सही समय पर सही इन्वेस्टमेंट प्लानिंग की बहुत जरूरत होती है। यही कारण है कि समय रहते रिटायरमेंट की प्लानिंग करना भी बहुत जरूरी होता है। आज के समय में रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए एक शेयर होने वाली जिम्मेदारी होती है, खासकर कपल के लिए। अब आप रिटायरमेंट के लिए अपनी पत्नी के मिलकर बेहतरीन प्लानिंग करें। वाइफ के साथ मिलकर प्लानिंग बनाने से आप शानदार फ्यूचर बना सकते हैं।

पत्नी के टारगेट पर चर्चा करें

सबसे पहला और सबसे जरूरी कदम होता है कि एक-दूसरे के साथ खुलकर बात करना चाहिए। यह प्लान करें कि रिटायरमेंट के बाद आप किस तरह की लाइफ को जीना चाहते हैं, जैसे कि क्या आप यात्रा करना चाहते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, या शांतिपूर्ण जीवन बिताना चाहते हैं? जब आप दोनों ये तय कर लेंगे तभी आप अच्छी बचत अपने आने वाले कल के लिए कर सकेंगे।

खर्चों का आकलन करें

रिटायरमेंट के बाद की लाइफ के लिए जरूरी मंथली खर्चों का अनुमान लगाना बहुत जरूरी होता है। इसमें घर का किराया या ईएमआई, खाने-पीने का खर्च, हेल्थ और मनोरंजन जैसे सभी खर्च शामिल करें। पार्टनर के साथ मिलकर एक ज्वाइंट बजट बनाएं जो आपकी फिलहाल की इनकम और खर्चों को पेश करता हो। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि आप कहां बचत कर सकते हैं और कहां अनावश्यक खर्चों में कटौती की जा सकती है।

बीमा स्कीम की समीक्षा करें

हर किसी के लिए एक सेफ रिटायरमेंट के लिए बीमा बहुत जरूरी होता है। अपनी हेल्थ बीमा पॉलिसियों की समीक्षा करें और तय करें कि वे रिटायरमेंट के बाद के चिकित्सा खर्चों को कवर करती हैं.आपकी बढ़ती उम्र के साथ मेडिकल खर्च भी बढ़ते हैं, तो इसलिए पर्याप्त कवरेज होना हर किसी के लिए बहुत जरूरी होता है।

टाइम टू टाइम समीक्षा करें

आपकी रिटायरमेंट योजना हमेशा एक ऐसी नहीं रह सकती है वो इसलिए जीवन में बदलाव आते रहते हैं, तो ऐसे नें अपनी वित्तीय योजना की समय-समय पर समीक्षा करना जरूरी है और उसमें जरूरत के अनुसार बदलाव करना अहम होता है। हर साल या कुछ सालों में अपने निवेश, लक्ष्यों और बजट की समीक्षा करें ताकि आप सही रास्ते पर बने रहें। यानी कि ये कदम आपको और आपके जीवनसाथी को फाइनेंशियल स्थिरता और सुरक्षा के साथ-साथ एक आरामदायक और खुशहाल रिटायरमेंट के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। ■

आज ही बना लें मुश्किल वक्त के लिए 'एटीएम'

मुसीबत हम सभी की लाइफ में कब आ जाए हममें से कोई नहीं जानता है, लेकिन मुसीबत से पार पाने के लिए इमरजेंसी फंड का होना बहुत जरूरी होता है। असल में इमरजेंसी फंड एक ऐसी धनराशि होती है, जिसे आप किसी भी अप्रत्याशित खर्च या वित्तीय संकट के समय यूज करने के लिए अलग से रखते हैं। यह आपको अचानक आई परेशानियों, जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या घर की मरम्मत आदि से निपटने में मदद करता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इमरजेंसी फंड कैसे तैयार करें।

बजट बनाएं और लक्ष्य तय करें : आप सबसे पहले, अपने मंथली खर्चों का हिसाब लगाएं। इसके बाद आपयह तय करें कि आपको कम से कम 3 से 6 महीने के खर्चों को कवर करने के लिए कितने फंड की जरूरत पड़ा सकती है। यह साफ टारगेट आपको बचत करने में मदद कर सकता है।

छोटे कदम से शुरुआत करें : लाइफ में हमेशा एक बड़ा फंड बनाने में सभी को टाइम लगता है। तो आप हर महीने अपनी इनकम का एक छोटा हिस्सा बचाना शुरू कर सकते हैं, भले ही यह छोटी राशि हो, नियमित रूप से बचत करने से यह समय के साथ एक बड़ा फंड बन जाएगा।

बचत को ऑटोमेट करें : आप हमेशा के लिए बचत को अपनी आदत बनाने के लिए, अपनी सैलरी अकाउंट से एक अलग बचत खाते में हर मंथ एक फिक्स अमाउंट का ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट कर दें। ऐसा करने से आपकी सैलरी आते ही इमरजेंसी के लिए बचत हो जाएगी और आप इसे खर्च करने से बच जाएंगे।

कर्ज कम करने को प्राथमिकता दें : तो अगर आप पर कोई हाई ब्याज वाला कर्ज (जैसे क्रेडिट कार्ड का कर्ज) है, तो सबसे पहले उसे चुकाने पर ध्यान देना चाहिए। हमेशा कर्ज से पूरी तरह से फ्री होने के बाद, आप अपने इमरजेंसी फंड के लिए अधिक बचत कर सकते हैं।

अलग और सुरक्षित जगह पर रखें : अपने इमरजेंसी फंड को अपने सामान्य बचत खाते से अलग रखें। इसको ऐसे ऑप्शन में इन्वेस्टमेंट करें जो सेफ हो और जिन्हें जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला भी जा सके।

कारोबार आइडिया

- ■ अगर आप ऐसा बिजनेस चाहते हैं जिसकी मांग कभी कम न हो, तो आटे का बिजनेस करें
- ■ भारत के कई हिस्सों में रोटी रोजमर्रा के भोजन का अहम हिस्सा, गुणवत्तापूर्ण आटे की डिमांड हमेशा रहती है व कमाई की संभावना लगातार

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरी के अलावा बिजनेस करके खुद को स्टेबल कर मोटी कमाई करना चाहते हैं तो आपके लिए आटे का बिजनेस बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इससे आप कम लागत में अच्छी कमाई का जुगाड़ लगा सकते हैं। रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। हर कोई चाहता है कि उसका बिजनेस लगातार चलता रहे और उसकी मांग कभी कम न हो। ऐसे में आटे का बिजनेस एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बन सकता है। इसे शुरू करने के लिए लगभग 2.50 लाख रुपये तक का निवेश पर्याप्त है। भारत के उत्तर, मध्य और पूर्वी राज्यों में रोटी रोजना के खानपान का जरूरी हिस्सा है, जिससे गेहूं के आटे की खपत हमेशा बनी रहती है। यही कारण है कि इस कारोबार में मंदी आने की संभावना बेहद कम है। अगर आप सही मशीनरी, साफ-सुथरी प्रोसेसिंग और आकर्षक पैकिंग का इस्तेमाल करें, तो ये बिजनेस जल्दी ही स्थायी कमाई का जरिया बन सकता है। गुणवत्तापूर्ण आटे की हमेशा डिमांड रहती है और ग्राहक अच्छे ब्रांड को पसंद करते हैं। सही प्लानिंग के साथ आप कम लागत में इस बिजनेस की मजबूत शुरुआत कर सकते हैं और धीरे-धीरे इसे बड़े स्तर पर ले जा सकते हैं।

2.50 लाख में शुरू कर सकते हैं आटे का बिजनेस, हर महीने कर लेंगे मोटी कमाई

कहां से मिलेगा कच्चा माल

गेहूं की उपलब्धता ग्रामीण इलाकों और उनके आसपास आसानी से हो जाती है। लोग हमेशा शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण आटा पसंद करते हैं, जिससे इस कारोबार का बाजार लगातार मजबूत बना रहता है। गेहूं के लिए किसानों से संपर्क करें। इसके बाद जैसे ही फसल आए किसानों से गेहूं खरीद लें। फसल के मौके पर आपको सस्ता अनाज मिल सकता है। इसे एक कमरे में स्टोर कर लें। इसके बाद असानी से इसकी पिसाई कर बेचते रहें। गेहूं को अच्छे से सुखाकर स्टोर करेंगे तो यह खराब नहीं होगा और रोटी भी बढ़िया आएगी। खेतों में गेहूं की फसल होली के बाद आ जाती है। इसलिए आपको गेहूं खरीदने के लिए मार्च में की प्रयास शुरू कर देना चाहिए। सीधे खेतों से बढ़िया क्वालिटी का गेहूं खरीदें और आ बनाकर बेचते रहें। सबसे पहले गेहूं की धुलाई और सुखाने की प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद सुखाए हुए गेहूं को मशीन से पीसकर आटा तैयार करें। अंत में इसे आकर्षक पैकिंग में भरें, ताकि ग्राहक तुरंत आकर्षित हों और ब्रांड पर भरोसा करें।

शुरुआती लागत पर ध्यान

इस बिजनेस में मशीनरी के लिए लगभग 1.25 लाख रुपये की जरूरत होगी, जिसमें चक्की, रोस्टर, सीलिंग मशीन, वजन तराजू, गैस कनेक्शन और बर्तन शामिल हैं। वर्किंग कैपिटल के रूप में करीब 1 लाख रुपये लगेंगे, जिसमें कच्चा माल, वेतन, बिजली और गैस का खर्च शामिल होगा। इसके अलावा, बिल्डिंग पर 25,000 तक खर्च रुपये आ सकता है। इस तरह कुल निवेश 2.50 लाख रुपये के आसपास होगा।

हर महीने कितना मुनाफा

मौजूदा आंकड़ों के मुताबीक, इस बिजनेस से हर महीने करीब 1.15 लाख रुपये की बिक्री हो सकती है। वहीं, मासिक खर्च करीब 1.05 लाख रुपये तक रहेगा। यानी आपको हर महीने लगभग 10,000 रुपये या उससे ज्यादा का शुद्ध मुनाफा मिल सकता है, जो बिजनेस बढ़ने के साथ और बढ़ेगा।

क्यों है आटे का बिजनेस फायदेमंद

रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। छोटे निवेश से भी इसकी शुरुआत की जा सकती है और क्वालिटी व पैकिंग पर ध्यान देकर इसे तेजी से बढ़ाया जा सकता है। सही मार्केटिंग के साथ आप इसे एक भरोसेमंद ब्रांड में बदल सकते हैं।

आटा बेचने के लिए विकल्प

- **भारत आटा बिक्री केंद्र :** सरकार द्वारा संचालित भारत आटा बिक्री केंद्रों पर आटा बेचा जा रहा है, जहां इसकी कीमत 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम है। ये केंद्र देशभर में 800 मोबाइल वैन और 2,000 से अधिक दुकानों के माध्यम से आटा बेच रहे हैं।
- **मदर डेयरी के सफल स्टोर :** आप मदर डेयरी के सफल स्टोर से भी भारत ब्रांड का आटा खरीद सकते हैं।
- **नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार :** सरकार ने नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के माध्यम से भारत आटा और चावल की खुदरा बिक्री शुरू की है।
- **स्थानीय बाजार :** आप अपने स्थानीय बाजार में भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई स्थानीय बाजारों में आटे की दुकानें होती हैं जो ताजा और स्वादिष्ट आटा बेचती हैं।
- **आनलाइन प्लेटफ़ॉर्म :** आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई ऑनलाइन स्टोर और वेबसाइटें आटे की बिक्री करती हैं।

अब नया इनकम टैक्स कानून देगा लाखों टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत

जानकारी

बिजनेस डेस्क

संसद ने इनकम टैक्स बिल 2025 का संशोधित रूप से पास करते समय ऐसी कई गलतियों या खामियों को ठीक कर दिया है, जो पुराने ड्राफ्ट में हो गई थीं। इन संशोधनों को पास किए जाने से देश के लाखों टैक्सपेयर्स को भारी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार द्वारा किए गए इन बदलावों में निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन, नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में सुधार जैसे कई अहम प्रावधान शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी कुछ बहम बदलाव जो टैक्सपेयर्स के ऊपर कई अच्छे असर डालेंगे। इससे आयकर रिटर्न भरना भी आसान हो जाएगा और कोई दिक्कत नहीं आएगी।

जीरो टीडीएस सर्टिफिकेट पर सुधारी गड़बड़ी

पुरानेइनकम टैक्स एक्ट 1961 में धारा 197 के तहत निल यानी जीरो और लोअर टीडीएस सर्टिफिकेट दोनों का प्रावधान था, लेकिन नए बिल के शुरुआती ड्राफ्ट में निल शब्द हटा दिया गया था। इससे उन टैक्सपेयर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती थी, जिनकी आय बेसिक छूट सीमा या सेक्शन 87ए रिबेट के बाद टैक्स फ्री होती है। संशोधित बिल में अब फिर से निल शब्द जोड़ दिया गया है, जिससे साफ हो गया है कि जरूरत पड़ने पर टैक्सपेयर्स निल टीडीएस सर्टिफिकेट ले सकते हैं। इससे अनावश्यक विवाद और रिफंड के झंझट से बचा जा सकेगा।

नॉन-एम्प्लॉइज को मिलेगी पेंशन टैक्स छूट

पहले ड्राफ्ट में कम्यूटेड पेंशन पर छूट सिर्फ कर्मचारियों को दी गई थी, जबकि मौजूदा कानून में यह सुविधा नॉन-एम्प्लॉइज को भी मिलती है, बशर्ते पेंशन अप्रूव्ड पेंशन फंड से आई हो। समिति ने इस असमानता को दूर करते हुए सिफारिश की कि नॉन-एम्प्लॉइज को भी यह छूट दी जाए. संशोधित बिल में यह बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब सभी पात्र लोग, चाहे वे सैलरीड हों या न हों, पेंशन की पूरी राशि पर छूट पा सकेंगे।

हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन की स्पष्टता

नए बिल में साफ कर दिया गया है कि हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर 30% का स्टैंडर्ड डिडक्शन म्यूनिसिपल टैक्स घटाने के बाद ही मिलेगा, जैसा कि मौजूदा कानून में है। इसके अलावा, पहले ड्राफ्ट में प्री-कंस्ट्रक्शन लोन इंटरेस्ट डिडक्शन सिर्फ सेल्फ-ऑक्यूपाइड प्रॉपर्टी के लिए था, जिससे किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के मालिकों को नुकसान होता. संशोधित बिल में अब किराए पर दी गई या मानी हुई किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के लिए भी यह डिडक्शन बहाल कर दिया गया है।

गोपनीय दान पर छूट के पुराने नियम बहाल

गैर-लाभकारी संगठनों के लिए पुराने कानून में कुल डोनेशन का 5% तक गुमनाम या गुप्त दान टैक्स फ्री होता था. नए बिल के पहले ड्राफ्ट में इसे गुमनाम दान का 5% कर दिया गया था, जिससे छूट का दायरा काफी घट जाता। समिति की सिफारिश के बाद संशोधित बिल में अब फिर से कुल डोनेशन का 5% वाला प्रावधान बहाल कर दिया गया है। इससे एनजीओ और चैरिटेबल ट्रस्ट पर टैक्स का बोझ नहीं बढ़ेगा।

- संसद ने नए कानून को पास करते समय कई खामियों को ठीक किया
- पुराने ड्राफ्ट में कई खामियां सामने आई थी, लोगों को हो रही थी परेशानी
- निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन बदले
- नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में भी सुधार किए

कमर्शियल प्रॉपर्टी पर नियम में सुधार

पहले ड्राफ्ट में सिर्फ ऑक्यूपाइड कमर्शियल प्रॉपर्टी को हाउस प्रॉपर्टी इनकम के टैक्स से बाहर रखा गया था, जिससे खाली पड़ी बिजनेस प्रॉपर्टी पर भी नोशनल रेंट लगने का खतरा था। समिति ने सुझाव दिया कि मौजूदा कानून की तरह ऑक्यूपाइड और वैकेंट दोनों तरह की कमर्शियल प्रॉपर्टी को बाहर रखा जाए। संशोधित बिल में यह सुधार कर दिया गया है, जिससे बिजनेस के लिए रखी गई लेकिन फिलहाल खाली पड़ी प्रॉपर्टीज पर अनावश्यक टैक्स का टेंशन टल गया है।

कर ढांचे में बदलाव

- नई कर व्यवस्था में छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे 12 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना होगा।
- 80एम कटौती को बहाल किया, जो कंपनियों को अंतर-कॉर्पोरेट लाभांश को कटौती के दावे की अनुमति देता है।

टीडीएस और टीसीएस में बदलाव

- टीडीएस की सीमा बढ़ा दी गई है, जैसे कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर टीडीएस की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है।
- टीसीएस की दरें बदली हैं, जैसे ओवरसीज रेमिटेंस स्कीम के तहत 7 लाख से लेनदेन पर टीसीएस की दर 0.5% से हटा दी है। अब 10 लाख से अधिक लेनदेन पर लागू होगी।

अन्य बदलाव

- धारा 206एबी और 206सीसीए को हटा दिया गया है, जिससे छोटे करदाताओं को राहत मिलेगी।
- यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के तहत कर लाभ बढ़ा दिए गए हैं।
- स्टार्टअप्स के लिए 100% कर छूट की अनुमति होगी जो 1 अप्रैल, 2030 से पहले स्थापित किए गए हैं।

नया इनकम टैक्स कानून, जिसे आयकर (नंबर 2) विधेयक, 2025 के रूप में जाना जाता है, लोकसभा द्वारा पारित किया गया है। यह विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

एशिया कप 2025: टी-20 में कौन है सबसे आगे? गिल, जायसवाल, संजू और अभिषेक के बीच कड़ी टक्कर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशिया कप 2025 में कुल 8 टीमें खेलती हुई नजर आएंगी और इस बार इस टूर्नामेंट को यूएई की धरती पर आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सभी टीमों ने कमर कस ली है और अब ऐसा माना जा रहा है कि अगले हफ्ते एशिया कप के लिए भारतीय टीम के स्क्वाड का ऐलान हो सकता है।

इसमें मौजूदा टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी जगह बनाने के दावेदार हैं। इन दोनों प्लेयर्स ने इंग्लैंड दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था। दूसरी तरफ भारतीय टी20 टीम में पहले से ही ओपनिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के पास है। ऐसे में आइए जानते हैं, इन चारों बल्लेबाजों में किसने टी20I क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

अभिषेक शर्मा

अभिषेक शर्मा बहुत ही तेजी के साथ रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। एक बार वह क्रीज पर जम गए, तो उनके बल्ले से बड़ी पारी आना तय है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए टी20I क्रिकेट में साल 2024 में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम की अहम कड़ी बने हुए हैं। उन्होंने अभी तक 17 T20I क्रिकेट में कुल 535 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। अभिषेक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले प्लेयर हैं। उन्होंने साल 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ T20I मैच में 135 रनों की पारी खेली थी।

संजू सैमसन

संजू सैमसन पिछले कुछ समय से भारतीय टी20 टीम के परमानेंट मेंबर बने हुए हैं और विकेटकीपर की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। उन्होंने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया है। संजू ने भारतीय टीम के लिए T20I क्रिकेट में साल 2015 में डेब्यू किया था। लेकिन इसके बाद वह खराब फॉर्म की वजह से टीम से अंदर-बाहर होते रहे। फिर जब से सूर्यकुमार यादव कप्तान बने हैं। उनकी तो लॉटरी ही लग गई और उन्हें ओपनिंग करने के लिए भेजा गया। इसके बाद उनके बल्ले से लगातार रन निकल रहे हैं। उन्होंने अभी तक 42 टी20I मुकाबलों में कुल 861 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे हैं।

यशस्वी जायसवाल

यशस्वी जायसवाल ने भारतीय टीम के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में साल 2023 में डेब्यू किया था और इसके बाद से ही उन्होंने 23 मैचों में कुल 723 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे हैं। वह एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं।

शुभमन गिल

शुभमन गिल ने भारतीय टीम के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में साल 2023 में डेब्यू किया था और इसके बाद से ही उन्होंने 21 टी20I मैचों में कुल 578 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे हैं। लेकिन उन्होंने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच साल 2024 में खेला था।

चारों बल्लेबाजों में संजू ने बनाए सबसे ज्यादा रन

शुभमन गिल (578 रन), यशस्वी जायसवाल (723 रन), संजू सैमसन (861 रन) और अभिषेक शर्मा (535 रन) चारों बल्लेबाजों में टी20I क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन संजू ने बनाए हैं। उनके नाम पर 861 रन दर्ज हैं। जबकि चारों में T20I में सबसे ज्यादा 3 शतक भी संजू ने ही लगाए हैं।

खबर संक्षेप

एनएसडब्ल्यू बेगा ओपन फाइनल में अनाहत

बेगा (आस्ट्रेलिया)। भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने मिस्र की नूर काफागी को कड़े मुकाबले में हराकर एनएसडब्ल्यू बेगा ओपन 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। एशियाई खेलों की दोहरी कांस्य पदक विजेता 17 वर्ष की अनाहत ने सेमीफाइनल में 3-2 से जीत दर्ज की। पीएसए कूपर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय अनाहत का सामना अब मिस्र की हबीबा रानी से होगा, जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत की आकांक्षा सालुंके को 3-1 से हराया। अनाहत को मैच के दौरान चोट भी लगी लेकिन वह खेलती रही। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की हेली वार्ड को 3-0 से हराया था।

'इंटरनेशनल यूथ गाला' में चुनौती पेश करेंगे भारतीय मुक्केबाज

नई दिल्ली। भारत का 40 खिलाड़ियों सहित 59 सदस्यीय दल चीन के झिंजियांग प्रांत के उरुमकी में 17 से 30 अगस्त तक चलने वाले तीसरे ' बेल्ट एवं रोड ' ' इंटरनेशनल यूथ गाला ' मुक्केबाजी प्रशिक्षण शिविर एवं टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेगा। भारतीय दल में 20 लड़कों और 20 लड़कियों के अलावा 12 कोच , छह सहायक कर्मचारियों और एक रेफरी शामिल हैं। यह दल चीन पहुंच चुका है। चीन मुक्केबाजी महासंघ और झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र सरकार की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता की शुरुआत 17 से 25 अगस्त तक उरुमकी में एक प्रशिक्षण शिविर से होगी। इसके बाद 26 से 29 अगस्त तक उरुमकी और यिली में प्रतियोगिता चरण आयोजित होंगे।

मेरा किया जो काटे उसे ईनाम
गुरूजी सम्राट

ज्योतिष द्वारा सभी समस्याओं का तुरंत समाधान। घर बैठे फोन पर समस्याओं का समाधान जानें। वशीकरण, पति - पत्नी, सास - बहु में अनबन, मुकदमा, गृह क्लेश, सौतन, दुश्मनी से छुटकारा, शादी, कारोबार, विदेश यात्रा आदि।
7534997731

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आस्ट्रेलिया ने टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की

बेबी एबी ने 4 गेंदों पर लगाए लगातार 4 छक्के, 22 बॉल में पूरा किया अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| केंर्स

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में साउथ अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस यानी बेबी एबी का तूफान मैदान पर देखने को मिला। डेवाल्ड ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 22 गेंदों पर ही पूरा किया। ब्रेविस ने अपना अर्धशतक लगातार 4 गेंदों पर चार छक्के लगाते हुए पूरा किया। उन्होंने 10वें ओवर में ये कमाल किया और इस ओवर को फेंकने के लिए आरोन हार्डी आए थे। ब्रेविस ने इस ओवर की तीसरी, चौथी, पांचवीं और छठी गेंद पर लगातार 4 छक्के लगाए। हार्डी के इस ओवर में कुल 27 रन भी बने। हालांकि इसके बाद वो ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक पाए, लेकिन उन्होंने 26 गेंदों पर 6 छक्के और एक चौके की मदद से 53 रन की पारी खेली डाली। उनका स्ट्राइक रेट इस पारी के दौरान 203.85 का रहा।

ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 203 के स्ट्राइक रेट से ठोक 53 रन

ब्रेविस ने अपने ही रिकॉर्ड को सुधारा

ब्रेविस ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और अपने ही रिकॉर्ड को सुधारा। ब्रेविस ने इससे पहले यानी कंगारू टीम के खिलाफ इस टी20 सीरीज के दूसरे मैच में 25 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लिए टी20 प्रारुप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बैटर बने थे। 22 साल के ब्रेविस ने कंगारू टीम के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में नाबाद 125 रन की पारी खेली थी।

आस्ट्रेलिया ने जीती सीरीज

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में बल्ले से दमदार प्रदर्शन किया, जिसकी मदद से कंगारूओं ने दो विकेट से जीत दर्ज की। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 172 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने एक गेंद शेष रहते आठ विकेट पर 173 रन बनाकर मैच तथा सीरीज अपने नाम कर ली।

ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विदेशी खिलाड़ी

डेवाल्ड ब्रेविस	- 14 छक्के
विराट कोहली	- 13 छक्के
शिखर धवन	- 9 छक्के
आंद्रे रसेल	- 9 छक्के

ब्रेविस चार छक्के लगाने वाले बने पहले खिलाड़ी

तीन मैचों की इस टी20 सीरीज में डेवाल्ड ब्रेविस के बल्ले का कमाल देखने को मिला। ब्रेविस ने तीसरे मैच में अपनी बल्लेबाजी के दौरान पारी के 10वें ओवर में जो अरोन हार्डी ने फेंका था उसमें लगातार चार छक्के लगाने के साथ अपनी फिफ्टी भी पूरी की। इसी के साथ डेवाल्ड ब्रेविस अब टी20 इंटरनेशनल में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी मुकाबले में चार गेंदों में लगातार चार छक्के लगाने में कामयाब हुए हैं। इस सीरीज में ब्रेविस के बल्ले से कुल 14 छक्के देखने को मिले।

मैक्सवेल ने की वॉर्नर की बराबरी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ केर्न्स में तीसरे टी20 मैच के दौरान ग्लेन मैक्सवेल ने डेविड वॉर्नर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मैक्सवेल टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा आउटफील्ड कैच लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई बन गए हैं। ग्लेन मैक्सवेल ने यह कारनामा साउथ अफ्रीकी पारी के 12वें ओवर में किया। नाथन एलिस पारी का 12वां ओवर फेंक रहे थे। चौथी गेंद पर ब्रेविस ने हवाई शॉट खेला और गेंद मैक्सवेल ने लपक ली। यह ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल का टी20 फॉर्मेट में 62वां आउटफील्ड कैच था। इस मामले में उन्होंने डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली, जिन्होंने 110 टी20 मुकाबलों में इतने ही कैच लपके थे। इस मामले में आरोन फिंच दूसरे पायदान पर मौजूद हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए 50 आउटफील्ड कैच लिए, जबकि स्टीव स्मिथ 41 कैच के साथ लिस्ट में तीसरे स्थान पर मौजूद हैं।

सेंट लुई रैपिड और ब्लिट्ज

गुकेश का सफर समाप्त आरोनियन ने जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| सेंट लुई

विश्व चैंपियन ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश सेंट लुई रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज में संयुक्त छठे स्थान पर रहे जबकि अमेरिका के लेवोन आरोनियन ने खिताब जीता। गुकेश ने आखिरी दिन वापसी की उम्मीद जताई और पहले चार गेम में 3.5 अंक बनाए । पहला गेम आरोनियन से ड्रॉ खेलने के बाद उन्होंने अमेरिका के शैंकलैंड, वेसली सो और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया लेकिन फिर लय कायम नहीं रख सके । आखिरी पांच गेम में उन्होंने तीन ड्रॉ खेले और दो गंवाए, जिससे कुल 18 अंक लेकर अपने अभियान का समापन किया। आरोनियन ने दो राउंड बाकी रहते ही 24 . 5 अंक लेकर खिताब अपने नाम कर लिया।

■ गुकेश ने अमेरिका के शैंकलैंड, वेसली सो और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया

कारुआना 21.5 अंक लेकर दूसरे स्थान पर

अमेरिका के फेबियानो कारुआना 21.5 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे जबकि फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव तीसरे स्थान पर रहे। अब्दुसत्तोरोव 20.5 अंक के साथ चौथे और वेसली सो पांचवें स्थान पर रहे। गुकेश और वियतनाम के लियेम ली कुआंग उनसे पीछे रहे। आरोनियन को जीत के साथ 40 हजार डॉलर मिले। गुकेश अब सिनक्यूफील्ड कप खेलेंगे, जो दो दिन बाद शुरू होगा, जिसमें आर. प्रज्ञानानंदा भी हिस्सा लेंगे।

गोल्फ

भाटिया, अहलावत और अदिति का शानदार प्रदर्शन जारी

बीएमडब्ल्यू चैंपियनशिप भाटिया संयुक्त 37वें स्थान पर

ओविंग्स मिल्स (अमेरिका)। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया ने टूर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की ओर कदम बढ़ा दिया और वह बीएमडब्ल्यू चैंपियनशिप में संयुक्त 46वें से संयुक्त 37वें स्थान पर आ गए हैं। भाटिया का कुल स्कोर चार ओवर (75 और 69) है। टूर चैंपियनशिप के लिए शीर्ष 30 खिलाड़ी ही क्वालीफाई करते हैं। स्कॉटलैंड के रॉबर्ट मैकलिंटायर छह अंडर 64 और आठ अंडर 62 के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं। उनसे पांच शॉट पीछे स्कॉटी शेफलेर हैं।

कोपेनहेगन गोल्फ अहलावत ने किया कट में प्रवेश

कोपेनहेगन। भारत के वीर अहलावत ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए डीपी वर्ल्ड टूर की डेनिश गोल्फ चैंपियनशिप के कट में प्रवेश कर लिया। अहलावत एक अंडर (73 और 68) स्कोर के साथ संयुक्त 45वें स्थान पर हैं। वहीं शुभंकर शर्मा का खराब फॉर्म जारी रहा और वह कट में जगह नहीं बना सके। रास्मस होगार्ड ने दूसरे दौर में सात अंडर 64 और कुल 12 अंडर स्कोर करके एकल बढ़त बना ली है। वह डेनमार्क के मार्को पेंगे से दो शॉट आगे हैं।

अदिति ने पोर्टलैंड में कट में किया प्रवेश

पोर्टलैंड। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने एलपीजीए टूर पर स्टैंडर्ड पोर्टलैंड क्लासिक में दूसरे दौर में दो अंडर 70 के स्कोर के साथ कट में प्रवेश कर लिया। अदिति ने पांच बर्डी लगाये और तीन बोगी किए। वह अब संयुक्त 27वें स्थान पर है। भारतीय मूल की अमेरिकी गुरलीन कौर संयुक्त दूसरे स्थान पर है जबकि भारतीय मूल की कनाडा की गोल्फर सावन्नाह ग्रेवाल संयुक्त 11वें स्थान पर है। कोरिया की जियोंगियुन ली ने छह अंडर 67 के स्कोर के साथ बढ़त बना ली।

डीपीएल: साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स जीता

नई दिल्ली। तेजस्वी दहिया के 30 गेंद में नाबाद 70 रन की मदद से साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग के वर्षाबाधित मैच में आउटर दिल्ली वारियर्स को तीन विकेट से हरा दिया। जीत के लिए 16 ओवर में 140 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरस्टार्स की शुरुआत खराब रही और शीर्षक्रम के तीन बल्लेबाज पहले पांच ओवर में आउट हो गए। दसवें ओवर में अनमोल शर्मा भी आउट हो गए, जिससे आखिरी छह ओवर में 70 रन का लक्ष्य रह गया। पांचवें नंबर पर उतरे तेजस्वी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए रनगति को बढ़ाया। आखिरी दो गेंद में सात रन चाहिए थे तब उन्होंने पांचवीं गेंद पर छक्का लगाया और लगातार दूसरे छक्के के साथ टीम को जीत दिलाई। अपनी पारी में उन्होंने चार चौके और छह छक्के जड़े। सुमित कुमार बेनीवाल ने सात गेंद में 19 रन बनाए। आउटर दिल्ली वारियर्स के लिए आईपीएल खिलाड़ी सुयश शर्मा और अंशुमान हुड्डा ने दो-दो विकेट लिए।

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप अमेरिका ने किया क्वालीफाई

कनाडा, बरमूडा और अर्जेंटीना को हराकर वैश्विक प्रतियोगिता में जगह की पक्की

एजेंसी ▶▶| दुबई

विकेटकीपर-बल्लेबाज अर्जुन महेश की अगुवाई में अमेरिका की टीम अगले साल जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाने वाली 16वीं और अंतिम टीम बन गई।

टीम ने जॉर्जिया के राइडल में खेले गए डबल राउंड-रॉबिन क्वालीफायर में कनाडा, बरमूडा और अर्जेंटीना को हराकर एक मैच रहते इस वैश्विक प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की कर ली। अमेरिका ने कनाडा पर 65 रन की जीत के साथ शुरुआत की। इसके बाद उसने बरमूडा और अर्जेंटीना के खिलाफ बड़ी जीत हासिल की।अमेरिका के गेंदबाजों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 'रिटर्न' चरण में बरमूडा और अर्जेंटीना को हराकर 10 अंक हासिल किए, जो विश्व कप में उनकी जगह पक्की करने के लिए काफी थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अमरिंदर सिंह गिल ने तीन पारियों में 199 रन बनाए जबकि अंश राय और साहिर भाटिया की स्पिन गेंदबाजी जोड़ी ने सात-सात विकेट लिए। अब अमेरिका की टीम अपना आखिरी मैच शनिवार को कनाडा के खिलाफ खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका में हुए 2024 चरण की शीर्ष 10 टीमों ने पूर्ण सदस्य मेजबान जिम्बाब्वे के साथ 2026 के टूर्नामेंट के लिए स्वतः ही क्वालीफाई कर लिया है। बची हुई पांच टीम क्षेत्रीय क्वालीफायर से तय हुईं। जिम्बाब्वे, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने स्वतः क्वालीफाई किया जबकि अमेरिका, तंजानिया, अफगानिस्तान, जापान और स्कॉटलैंड क्षेत्रीय क्वालीफाइंग प्रतियोगिता से तय हुईं।

जोटा को खिलाड़ियों ने किया याद

प्रीमियर लीग: लिवरपूल का जीत के साथ आगाज

एजेंसी ▶▶| लिवरपूल

गत चैंपियन लिवरपूल ने जज्बात से भरे मुकाबले में बूर्नमाउथ को 4-2 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल में जीत के साथ आगाज करके डियोगो जोटा को श्रृद्धांजलि दी जबकि इस मैच में एक खिलाड़ी नस्लीय टिप्पणी का भी शिकार हुआ। दो गोल की बढ़त गंवाने के बाद लिवरपूल के लिए 88वें मिनट में फेडरिको चिएसा और स्टॉपेज टाइम में मोहम्मद सालाह ने गोल दागे। इससे पहले हुगो एकिटिके और कोडी गाकपो ने लिवरपूल को 2-0 से बढ़त दिलाई थी।

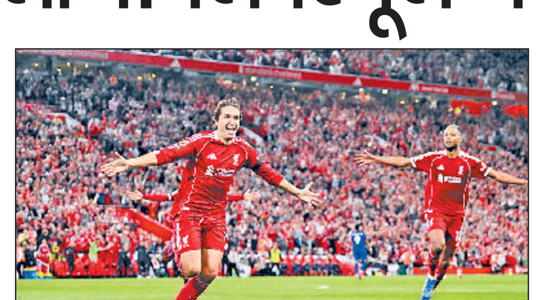

सेमेन्यो हुए नस्लीय टिप्पणी का शिकार

मैच 28वें मिनट में कुछ देर के लिए रुका जब बूर्नमाउथ के फॉरवर्ड अंतोइने सेमेन्यो ने रैफरी एंथोनी टेलर से शिकायत की कि एक दर्शक ने उन पर नस्लीय टिप्पणी की है। टीम के मैनेजर ने कहा कि टिप्पणी करने वाले को पहचान लिया गया है। घाना के 25 वर्ष के सेमेन्यो को उनके साथी खिलाड़ियों ने ढांढस बंधाया। सेमेन्यो ने 64वें और 76वें मिनट में गोल करके लिवरपूल की बढ़त उतार दी।

जोटा को दी श्रृद्धांजलि

पिछले पांच साल में लिवरपूल के लोकप्रिय खिलाड़ियों में शुमार जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की तीन जुलाई को एक कार हादसे में मौत के बाद टीम का यह पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। मैच शुरू होने से पहले प्रशंसकों ने हाथ में पुर्तगाल के इन दोनों खिलाड़ियों के लिए 'डीजे20 ' और 'एएस 30' के प्लेकार्ड ले रखे थे। लिवरपूल के खिलाड़ियों ने मैदान पर घेरा बनाया जबकि दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ ने बांह पर काली पट्टी बांधी थी। आखिरी सीटी बजने के बाद सालाह अपने आंसू नहीं रोक सके। वह कोप स्टैंडके सामने खड़े रहे। उन्होंने मैच में अपने गोल के बाद जोटा की तरह जश्न भी मनाया।

मेसी के भारत दौरे को मंजूरी

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के भारत दौरे को आखिरकार मंजूरी मिल गई है। वहीं मेसी का ये तीन दिवसीय दौरा 12 दिसंबर से शुरू होगा। कार्यक्रम के प्रमोटर सताद्रु दत्ता ने ये जानकारी दी। मेसी के दौरे जीओएटी टूर ऑफ इंडिया 2025 का पहला पड़ाव कोलकाता होगा, जिसके बाद वह अहमदाबा, मुंबई और दिल्ली जाएंगे। यात्रा का समापन 15 दिसंबर को पीएम मोदी से उनके आवास पर मुलाकात के साथ होगा। बता दें कि ये 2011 के बाद मेसी की पहली भारत यात्रा होगी। उस समय वह वेनेजुएला के खिलाफ यहां साल्ट लेक स्टेडियम में फीफा का मैत्री मैच खेलने आए थे। दत्ता ने कहा कि मुझे पुष्टि मिल गई है और उसके बाद ही मैंने इसकी घोषणा की। मेसी हर शहर में बच्चों के साथ मास्टरक्लास में भी भाग लेंगे। वह 12 दिसंबर को कोलकाता पहुंचेंगे और वहां दो दिन और एक रात रुकेंगे। वह 13 दिसंबर को मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम में भाग लेंगे।

निसार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा इसका 12 मीटर व्यास का ड्रमनुमा रडार एंटीना रिफ्लेक्टर है। इसे लॉन्च के बाद सिकुड़ा हुआ रखा गया था। 9 अगस्त से 13 अगस्त तक इसे 9 मीटर के बूम पर धीरे-धीरे खोला गया। फिर 15 अगस्त को छोटे विस्फोटक बोल्ट फायर किए गए, जिससे यह 'ब्लूम' प्रक्रिया शुरू हुई

खुल गई उपग्रह निसार की छतरी

अब धरती की निगरानी के लिए तैयार जल्द देगा 'आपदाओं' की जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नासा और इसरो के संयुक्त धरती-निगरानी उपग्रह मिशन निसार ने एक बड़ा कीर्तिमान हासिल किया है। इस मिशन का विशाल रडार एंटीना रिफ्लेक्टर अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक खुल गया है, जिसकी पुष्टि नासा जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) ने की है। यह मील का पत्थर है, जो इसे धरती के बदलते सतह का सटीक अध्ययन करने के लिए तैयार करता है। नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के प्रोजेक्ट मैनेजर फिल बेरेला ने कहा कि यह नासा का अब तक का सबसे बड़ा एंटीना रिफ्लेक्टर है। इसे अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक खुलते देखना सालों की डिजाइन, टेस्टिंग और सहयोग का नतीजा है। यह एंटीना 64 किलोग्राम वजनी है। 123 कम्पोजिट स्ट्रट्स और सोने की परत वाली जाल से बना है।

सोने की परत वाली जाल से निर्मित

एंटीना 64 किलोग्राम वजनी

123 कंपोजिट स्ट्रट्स, सोने की परत वाला जाल

15 अगस्त को ब्लूम प्रक्रिया शुरू

निसार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा इसका 12 मीटर व्यास का ड्रमनुमा रडार एंटीना रिफ्लेक्टर है। इसे लॉन्च के बाद सिकुड़ा हुआ रखा गया था। 9 अगस्त से 13 अगस्त तक इसे 9 मीटर के बूम पर धीरे-धीरे खोला गया। फिर 15 अगस्त को छोटे विस्फोटक बोल्ट फायर किए गए, जिससे यह 'ब्लूम' प्रक्रिया शुरू हुई। यह प्रक्रिया एक छाता खोलने जैसी है।

निसार का उद्देश्य और फायदा

निसार धरती के कई पहलुओं पर नजर रखेगा। यह ग्लेशियर के हिलने और पिघलने की जानकारी देगा। भूकंप के फॉल्ट जोन और ज्वालामुखी के बदलाव मापेगा। जंगल, दलदल, वनस्पति, गीले इलाकों और पारिस्थितिकी में बदलाव दिखाएगा। प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, भूस्खलन और ज्वालामुखी विस्फोट की चेतावनी देगा।

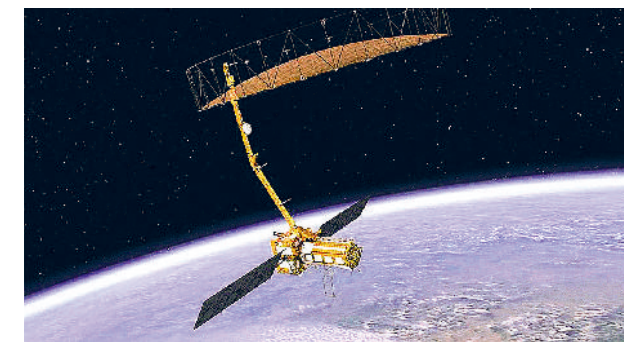

धरती की सतह के बदलावों को मापा जाएगा

निसार में लगे एंटीना की मदद से धरती की सतह में होने वाले बदलावों को सेंटीमीटर तक माप सकता है, चाहे मौसम बादल भरा हो, अंधेरा हो या जंगल हों। इसमें दो रडार सिस्टम हैं। एल-बैंड रडार, जो बादलों और जंगलों को भेदकर काम करता है। एस-बैंड रडार, जो हल्की वनस्पति और बर्फ में नमी को मापता है।

30 जुलाई को लॉन्च किया था

निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) एक ऐसा उपग्रह है, जो धरती की सतह पर होने वाले बदलावों को मापने के लिए बनाया गया है। इसे 30 जुलाई 2025 को भारत के श्रीहरिकोटा से इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था। यह उपग्रह धरती के ज्यादातर इलाकों को हर 12 दिन में दो बार स्कैन करेगा।

अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की 3 घंटे मुलाकात

यूरोपियन यूनियन बोला- यूक्रेन को मिले सुरक्षा गारंटी

पुतिन के तेवर गरम पर ट्रंप रहे नरम, एक मुलाकात और होगी

बैठक के बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप से सहमत हूं, यूक्रेन की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। हम इसका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। मैं आशा करता हूं कि हम जिस समझौते पर पहुंचे हैं, उससे हमें उस लक्ष्य के करीब पहुंचने में मदद मिलेगी और यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त होगा

एजेंसी ▶▶ अलास्का

रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से भी ज्यादा समय से जंग जारी है। इस जंग को रुकवाने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अलास्का के एल्मेडॉर्फ-रिचर्डसन सैन्य बेस पर बैठक हुई। बंद कमरे में हुई बैठक में ट्रंप के साथ मार्को रूबियो और विटकॉफ के साथ कुछ अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। वहीं रूसी पक्ष में पुतिन के साथ सर्गेई लावरोव और वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव और आर्थिक सलाहकार किरिल दिमित्रिएव भी मौजूद थे।

हालांकि बैठक में दोनों पक्षों में कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई। इस बैठक के बाद पुतिन ने अगली मुलाकात के लिए ट्रंप को रूस आने का सुझाव दिया है। पुतिन ने संकेतों में ट्रंप को रूस आने का न्यौता भी दिया। ये तब हुआ जब कहा जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बैठक के लिए अपने समकक्ष को धन्यवाद दिया। इस दौरान पुतिन ने कहा कि 'अगली बार मॉस्को में'। इस पर ट्रंप ने भी जवाब में कहा कि मैं इसे होते हुए देख सकता हूं।

इससे पहले ट्रंप ने पुतिन को अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप का पत्र सौंपा। इसमें यूक्रेन और रूस में बच्चों की दुर्दशा का मुद्दा उठाया गया था। उनके पत्र में युद्ध के दौरान बच्चों के अपहरण का उल्लेख था।

खास बातें

- ट्रंप ने पुतिन को सौंपा पत्नी मेलानिया का पत्र
- पुतिन ने ट्रंप को रूस आने का दिया न्यौता

यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त होगाः पुतिन

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन की स्थिति हमारी सुरक्षा के लिए एक बुनियादी खतरा है। साथ ही, हम इस बात से आश्वस्त हैं कि समझौते को स्थायी और दीर्घकालिक बनाने के लिए, हमें संघर्ष के सभी प्राथमिक कारणों को समाप्त करना होगा। मैं राष्ट्रपति ट्रंप से सहमत हूं, यूक्रेन की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। हम इसका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। मैं आशा करता हूं कि हम जिस समझौते पर पहुंचे हैं, उससे हमें उस लक्ष्य के करीब पहुंचने में मदद मिलेगी और यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। हम उम्मीद करते हैं कि कीव और यूरोपीय राजधानियां इसे सकारात्मक रूप से समझेंगी और काम में कोई बाधा नहीं डालेंगी।

सोमवार को वॉशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात करेंगे जेलेंस्की

ट्रंप ने पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की। ट्रंप ने शनिवार को तड़के नाटो नेताओं से भी फोन पर लंबी बात की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि वह अगले हफ्ते वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। उन्होंने ट्रंप के साथ लंबी और सार्थक बातचीत की। उन्होंने सोमवार को वाशिंगटन में व्यक्तिगत रूप से मिलने के निमंत्रण के लिए ट्रंप का धन्यवाद दिया और कहा कि वे हत्या और युद्ध को समाप्त करने से संबंधित सभी विवरणों पर चर्चा करेंगे।

ट्रंप राष्ट्रपति होते तो युद्ध नहीं होता

पुतिन ने आगे कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं कि यदि वे उस समय राष्ट्रपति होते, तो कोई युद्ध नहीं होता, और मुझे पूरा यकीन है कि ऐसा वास्तव में होता। उन्होंने कहा कि 2022 में पिछले प्रशासन के साथ आखिरी संपर्क के दौरान, मैंने अपने पूर्व अमेरिकी सहयोगी को यह समझाने की कोशिश की थी कि जब शत्रुता की बात आती है।

जेलेंस्की के समर्थन में उतरा यूरोपियन यूनियन

सीमा में बदलाव मंजूर नहीं यह यूक्रेन का अधिकार

ट्रंप और पुतिन के बीच मुलाकात के बाद यूरोपियन यूनियन (ईयू) देशों के नेताओं ने यूक्रेन का समर्थन जारी रखने का ऐलान किया है। यह मांग की गई है कि यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी मिले। बयान में कहा गया कि यूरोपीय देश अपनी भूमिका निभाने का तैयार है। ईयू जबरदस्ती यूक्रेन की सीमा में बदलाव मंजूर नहीं करेगा। ईयू की प्रेसिडेंट वॉन डेर लेयेन, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की पीएम मेलोनी, जर्मनी के चांसलर मर्ज, ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर, राष्ट्रपति स्टब, पीएम टस्क, राष्ट्रपति कोस्टा की ओर जारी संयुक्त बयान में यूक्रेन में हत्याओं को रोकने, रूस के आक्रामक युद्ध को समाप्त करने और न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति स्थापित करने के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रयासों का स्वागत किया। बयान में कहा गया है यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं या तीसरे देशों के साथ उसके सहयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए। रूस, यूरोपीय संघ और नाटो तक पहुंचने के यूक्रेन के रास्ते पर वीटो का अधिकार नहीं रख सकता है। अपने क्षेत्र पर निर्णय लेना यूक्रेन पर निर्भर होगा। अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को बलपूर्वक नहीं बदला जाना चाहिए। यूक्रेन को हमारा समर्थन जारी रहेगा।

किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना

अब तक 60 की मौत 100 से अधिक घायल

पीड़ितों से मिले सीएम, मृतकों के परिजनों को दो लाख देने का ऐलान

एजेंसी ▶▶ जम्मू

तीसरे दिन बचाव और राहता अभियान जारी

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ ज़िले के सुदूर गांव चशोती में शनिवार को लगातार तीसरे दिन बचाव और राहत अभियान जारी है। इस गांव में 60 लोगों की जान चली गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सीएम उमर अब्दुल्ला भी आपदा प्रभावित गांव चशोती पहुंचे।

किश्तवाड़ में बादल फटने से प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री राहत कोष से अनुग्रह राशि की घोषणा की है। प्रत्येक मृतक के लिए दो लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों के लिए एक लाख रुपए, मामूली रूप से घायलों के लिए 50,000 रुपए, पूरी तरह से क्षतिग्रस्त संरचनाओं के लिए एक लाख रुपए, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त संरचनाओं के लिए 50,000 रुपए और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त संरचनाओं के लिए 25,000 रुपए का ऐलान किया।

उपराज्यपाल ने समीक्षा की

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किश्तवाड़ के चाशोती क्षेत्र में बाढ़ राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत और आवश्यक आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, बाढ़ में क्षतिग्रस्त घरों के पुनर्निर्माण का आश्वासन भी दिया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने किश्तवाड़ के बादल फटने से प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और बताया कि, बड़ी संख्या में एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। सीआईएसएफ, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस को बचाव कार्य में लगाया गया है। प्रभावित लोगों को मकान बनाने के लिए जमीन दी जाएगी और सरकार उनकी हरसंभव मदद करेगी। प्रशासन राहत और पुनर्वास कार्यों को पूरी तत्परता से अंजाम दे रहा है।

यह एक असाधारण प्राकृतिक आपदाः जितेंद्र सिंह

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने किश्तवाड़ के चशोती इलाके में बादल फटने की घटना पर कहा कि यह एक असाधारण प्राकृतिक आपदा थी। अर्धसैनिक बल, सेना, वायुसेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, स्थानीय प्रशासन और बीआरओ सबने मिलकर जिस तरह की सेवाएं और बचाव अभियान किया, वह अपने आप में अनुकरणीय हैं। पीएम मोदी खुद घटना का जायजा ले रहे हैं।

अमेरिका में 'स्पेस नीडल' पर पहली बार फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। भारतीय स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ पर अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित सिएटल शहर में एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला जब पहली बार प्रतिष्ठित 'स्पेस नीडल' पर भारतीय तिरंगा फहराया गया। यह ऐतिहासिक इमारत जिसे 1962 में वर्ल्ड फेयर के लिए बनाया गया था, अब भारतीय गौरव का प्रतीक बन गई।

बैंकॉक से दिल्ली आई थी फ्लाइट

रनवे से टकराया इंडिगो का पिछला हिस्सा, अब डीजीसीए करेगा जांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) मुंबई हवाई अड्डे पर हुई उस घटना की जांच करेगा, जिसमें इंडिगो का एयरबस ए321 विमान खराब मौसम के दौरान लैंडिंग करते समय एक लो-एल्टिट्यूड गो-अराउंड के दौरान रनवे से टकरा गया।

इस घटना पर नजर रखने वाले अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम इस घटना की जांच करेंगे। इसके लिए औपचारिक आदेश जारी किया जाएगा।

अधिकारियों के मुताबिक, यह उड़ान 6ई 1060 थी, जो कि बैंकॉक से मुंबई आ रही थी और ए321 नियो विमान द्वारा संचालित थी। शनिवार तड़के सुबह 3:06 बजे रनवे 27 पर लैंडिंग करते समय विमान की टेल रनवे से टकरा गई। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि यह घटना खराब मौसम की वजह से हुई।

ताजा सैटेलाइट तस्वीरों ने उगला राज, भारत की मार ने उबर नहीं पाया पाक

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस पर दागी थी ब्रह्मोस मिसाइलें

रहीम यार खान एयरपोर्ट तीन महीने से बंद मरम्मत के लिए फिर से किया नोटम जारी

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

भारत ने मई महीने में चार दिनों के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के 11 एयरबेस पर ब्रह्मोस मिसाइलों से हमले किए थे। इन एयरबेस में रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस के साथ साथ रहीम यार खान एयरबेस भी था। ये हमला कितना ज्यादा भयानक था कि तीन महीने बाद भी पाकिस्तान इस एयरबेस की मरम्मत नहीं कर पाया है।

पाकिस्तान ने इस एयरबेस का मरम्मत करने के लिए फिर से नोटम जारी किया है। नई सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि रहीम यार खान एयरबेस पर रनवे डिनायल स्ट्राइक के तीन महीने बाद भी सही नहीं हो पाया है।

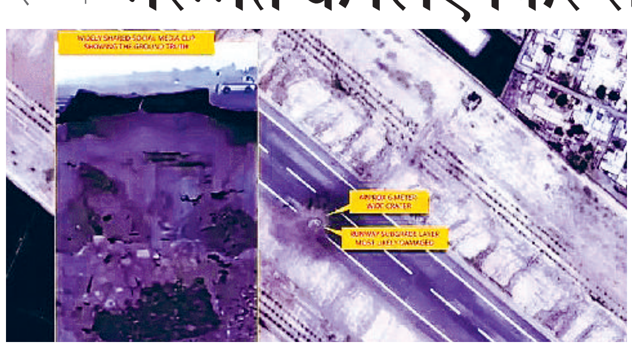

भारत की सीमा से करीब 120 किमी दूर

रहीम यार खान एयरबेस को शेख जायेद इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी कहा जाता है। ये पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दक्षिणी इलाके में मौजूद स्ट्रैटजिक एयरबेस है। यह सिविल और मिलिट्री एयरबेस दोनों है। यह भारत की सीमा से 100-120 किलोमीटर और अरब सागर, दोनों के नजदीक है। पाकिस्तान एयरफोर्स के लिए ये एयरबेस लॉजिस्टिक सप्लाई चेन बनाए रखने और फॉरवॉर्ड ऑपरेशंस के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत ने इस एयरबेस पर भीषण हमला कर इसके रनवे को ही ध्वस्त कर दिया था।

रनवे पर नया रिपेयर पैच बिछाया गया

मई 2025 में भारतीय वायुसेना ने इस एयरबेस को टारगेट करते हुए रनवे पर प्रिसिजन म्यूनिशन्स का इस्तेमाल किया था। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से साफ पता चल रहा है कि रनवे पर नया रिपेयर पैच बिछाया गया है, एयरबेस अभी भी ऑपरेशनल नहीं हो पा है। जिससे अभी भी इस एयरबेस पर विमानों का उतरना शुरू नहीं हो पाया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109